अब हर रोज
दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 38.8°C
न्यूनतम तापमान 28.5°C
सूर्योदय -5.25 | सूर्यास्त - 6.59

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

आयुष, योग, और अध्यात्म से आरोग्य की ओर ⏩ 4

वो दिल्ली में हैं और मैं, 'दिया और बाती हम' ⏩ 7

संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसालः विदुषी ⏩ 9

फुटपाथ पर चलना बुनियादी अधिकार

सुप्रीम कोर्ट बोला- गाड़ियों से ज्यादा पैदल चलने वालों का हक, उल्लंघन हुआ तो जिम्मेदारों पर एक्शन होगा

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि तय फुटपाथ पर चलने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर की बेंच ने एक अहम फैसले में कहा कि तय रास्तों पर मोटर गाड़ियों के मुकाबले इस अधिकार को प्राथमिकता दी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि यह संविधान के आर्टिकल 19 (1) (डी) के तहत गारंटी वाले आने-जाने के अधिकार और आर्टिकल 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) समेत दूसरे बुनियादी अधिकारों का हिस्सा है। बेंच ने कहा कि इस अधिकार के तहत अगर सड़क है, तो यह पक्का करना भी ड्यूटी है कि पैदल चलने वालों के लिए तय और अच्छी तरह से मेंटेन किए गए फुटपाथ हों। यह फैसला एक एक्सीडेंट केस में आया, जिसमें एक पिता ने अपने 5 साल के बेटे को खो दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पहियों वाली मशीनें सिर्फ अमीरों के लिए थीं, लेकिन जैसे-जैसे इकॉनमी आगे बढ़ी और सस्ती मोटर गाड़ियां आईं, मोटर वाले ट्रांसपोर्ट का पूरा स्पेक्ट्रम सड़कों पर हावी हो गया, पैदल चलने वालों को इस हद तक किनारे कर दिया गया कि उन्हें ड्राइवरों के लिए एक परेशानी माना जाने लगा, जो रेगुलर पैदल चलने वालों और उनके फुटपाथ पर गाड़ी चढ़ा देते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अब से यह बंद होना चाहिए क्योंकि हम मोटर वाली सड़कों के साथ-साथ तय फुटपाथों पर चलने के फंडामेंटल राइट की घोषणा करते हैं। इसका उल्लंघन होने पर नागरिक जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग कर सकते हैं। यह उपाय मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के तहत मौजूद उपायों से अलग होगा।

यह है मामला?

यह फैसला एक सड़क हादसा मुआवजा मामले से जुड़ा है जिसमें पांच साल के बच्चे की मौत हो गई थी। उसके पिता उसे स्कूल ले जा रहे थे, तभी एक टैंकर लॉरी ने बच्चे को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी कमर और शरीर का निचला हिस्सा कुचल गया। चोटों के कारण बच्चे की मौत हो गई। उस जगह पर कोई फुटपाथ या पैदल यात्रियों के लिए क्रॉसिंग नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चे के पिता को दिए जाने वाले मुआवजे की रकम बढ़ाकर 11,44,628 रुपये कर दी और निर्देश दिया कि इसका भुगतान दो महीने के भीतर किया जाए। कोर्ट ने हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें तय की गई रकम को कम कर दिया गया था।

निगरानी बॉडी बनाएंः सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा- तय फुटपाथ पर चलने के मौलिक अधिकार को बेहतर बनाने और लागू करने के लिए एक रेगुलेटरी बॉडी बनाना जरूरी है। हमेशा काम करने वाली और लगातार बनी रहने वाली ऐसी रेगुलेटरी बॉडी संस्थागत जानकारी विकसित और सुरक्षित रखेगी, ताकि वह अपने जमा किए और प्रोसेस किए गए अनुभव, डेटा और जानकारी के आधार पर काम कर सके। बेंच ने कहा कि संस्थागत विशेषज्ञता बहुत जरूरी है और ऐसी रेगुलेटरी बॉडी खास जानकारी और हुनर वाले लोगों को काम पर रखेगी। कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह इस फैसले की कॉपी केंद्र सरकार, आवास और शहरी मामलों, ग्रामीण विकास और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालयों को भेजे ताकि जरूरी कानूनी ढांचा शुरू करने की जरूरत पर विचार किया जा सके।

पावागढ़ शक्तिपीठ में भूस्खलन, दो की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के पंचमहाल जिले में स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल पावागढ़ की पहाड़ियों पर शुक्रवार सुबह एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण पहाड़ी पर भूस्खलन हो गया, जिससे बड़े-बड़े पत्थर और मलबा नीचे गिर पड़े। इस मलबे की चपेट में आने से कई श्रद्धालु दब गए, जिनमें से अब तक दो लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इस घटना के बाद से भक्तों और स्थानीय लोगों में शोक का माहौल है। बता दें कि यह हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता जी के दर्शन के लिए पहाड़ी पर चढ़ रहे थे। पहाड़ी के रास्ते में पड़ने वाले पाटियापुल के पास अचानक ऊपर से बड़े-बड़े पत्थर और मिट्टी नीचे गिरने लगे। लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से मिट्टी पूरी तरह गीली और ढीली हो चुकी थी, जिसके कारण पत्थरों की रफ्तार इतनी तेज थी कि नीचे से गुजर रहे यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पहाड़ी से गिरे भारी पत्थरों की चपेट में कई श्रद्धालु आ गए। प्रशासन ने अब तक दो यात्रियों के शव बाहर निकाले हैं। आशंका जताई जा रही है कि कुछ और लोग भी अभी पत्थरों के नीचे दबे हो सकते हैं। मलबे की चपेट में आए घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पावागढ़ पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रोप-वे की टेक्निकल टीम को भी राहत काम में लगाया गया है। प्रशासन की टीमें युद्ध स्तर पर मलबे को हटाने और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के काम में जुटी हुई हैं।

बीयू कुलगुरु का इस्तीफा, गवर्नर ने मंजूर किया

भोपाल। भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने इस्तीफा दे दिया है जिसे शुक्रवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मंजूर कर दिया। संकायाध्यक्ष, प्रबंध संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय प्रो. विवेक शर्मा को कुलगुरु का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वे नए की नियुक्ति तक पद संभालेंगे। राज्यपाल पटेल ने मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के तहत प्राप्त कुलाधिपति की शक्तियों के तहत विश्वविद्यालय के नए कुलगुरु की नियुक्ति होने तक कार्य संपादन के लिए प्रो. शर्मा को नामांकित किया है।

2 करोड़ फिरौती की जांच करने सिवनी पहुंची दिल्ली पुलिस

सिवनी (स्वतंत्र मत)। दिल्ली पुलिस की एक टीम शुक्रवार को 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के मामले की जांच करने के लिए सिवनी पहुंची है। यह मोटी रकम कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मांगी गई थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि जिस मोबाइल नंबर से धमकी दी गई थी, वह सिवनी के ही एक युवक के नाम पर रजिस्टर है। दिल्ली के एक व्यापारी को व्हाट्सएप कॉल करके 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी। दिल्ली पुलिस की जांच में पता चला कि इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर का रजिस्ट्रेशन और लोकेशन सिवनी जिले से जुड़ी है।

कोलकाता में प्लेन पर बिजली गिरी

कोलकाता। कोलकाता एयरपोर्ट पर शुक्रवार को अगरतला जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट पर बिजली गिर गई। फ्लाइट में सवार 147 पैसेंजर्स को दूसरी उड़ान से भेजा गया। हादसे में दो ग्राउंड स्टाफ को हल्की चोटें आईं, लेकिन दोनों सुरक्षित हैं।

17 से 22 अगस्त तक होगी एमपीपीएससी मेन्स परीक्षा

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा-2025 की प्रारंभिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। आयोग ने हाईकोर्ट के 18 जून 2026 के आदेश के अनुपालन में यह परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया है। मुख्य परीक्षा 17 अगस्त से 22 अगस्त तक प्रदेश के 12 शहरों में आयोजित होगी। आयोग के अनुसार, मुख्य परीक्षा में कुल छह प्रश्नपत्र होंगे। पहले चार पेपर सामान्य अध्ययन के होंगे, जबकि पांचवां और छठा पेपर हिंदी एवं निबंध लेखन से संबंधित रहेगा। शुरू के चार पेपर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे वहीं अखिरी दो पेपर दोपहर 12 और 12.30 बजे तक होंगे।

पीएचई प्रभारी यंत्री रिश्वत लेते गिरफ्तार

अनूपपुर। अनूपपुर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री अमित कुमार साह को शुक्रवार दोपहर रीवा ईओडब्ल्यू की टीम ने 30,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक ठेकेदार की शिकायत पर की गई। उप पुलिस अधीक्षक प्रभा किरण ने बताया कि ठेकेदार ने 10 जून को रीवा स्थित ईओडब्ल्यू कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। ठेकेदार के अनुसार, प्रभारी कार्यपालन यंत्री एके साह ने अंतिम देयक राशि, सिक्यूरिटी डिपॉजिट और जमा एफडीआर जारी करने के एवज में 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

कर्नाटक में हो गया 'रिवर्स ऑपरेशन लोटस'

कांग्रेस ने बीजेपी विधायकों से करा ली क्रॉस वोटिंग

रांची

झारखंड में जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन के अगुवाई में इंडिया ब्लॉक की सरकार है। राज्यसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के पास वोटों का नंबर पूरा होने के बाद कांग्रेस नहीं जीत सकी। बीजेपी समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नथवानी ने कांग्रेस को चित कर दिया। झारखंड का हिसाब कांग्रेस ने कर्नाटक में किया और 'रिवर्स ऑपरेशन लोटस' कराकर बीजेपी को मात दी। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद हुए पहली बार एमएलसी चुनाव हुए। सत्ताधारी कांग्रेस ने विधान परिषद की सात सीटों में से पांच पर जीत हासिल किया जबकि विपक्षी बीजेपी को दो सीटें मिलीं। एमएलसी चुनाव के नतीजों से साफ पता चला कि बीजेपी और जेडीएस के विधायकों ने कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की। सत्ताधारी पार्टी को कुल 151 वोट मिले, जो उम्मीद के मुताबिक 140 वोटों से 11 वोट ज़्यादा हैं। इस तरह बीजेपी और जेडीएस के विधायकों ने कांग्रेस के पक्ष में वोट कर सारा गेम ही बदल दिया।

राहुल गांधी को जन्मदिन पर बधाईयों का लगा तांता

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के वंचित वर्गों के लिए उनकी वकालत की तारीफ की है। सोशल मीडिया पोस्ट में खड़गे ने कहा, राहुल गांधी का संविधान के आदर्शों के प्रति अटूट समर्पण और अनसुनी आवाजों के लिए आपकी बिना किसी समझौते वाली लड़ाई ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। कांग्रेस पार्टी की सबको साथ लेकर चलने, सामाजिक न्याय, सद्भाव और करुणा की परंपराएं राहुल गांधी के सार्वजनिक जीवन और नेतृत्व में झलकती हैं। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने लीडर राहुल गांधी को जन्मदिन पर बधाई संदेश भेजा है। कांग्रेस के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर किए पोस्ट में लिखा गया, ऐसी दुनिया में जहां ज़्यादातर लोग चुप रहना पसंद करते हैं, आपने हमेशा उस बात के लिए आवाज उठाई है, जिसे आप सही मानते हैं। कांग्रेस ने आगे कहा कि ईमानदारी, सहानुभूति और उम्मीद की तलाश कर रही पूरी पीढ़ी के लिए, आप जेन जी की आवाज बन गए हैं, एक ऐसे नेता जो उनकी बातें सुनते हैं, उन्हें समझते हैं, उन्हें सशक्त बनाते हैं और उनकी उम्मीदों के लिए आवाज़ उठाते हैं।

होर्मुज से भारत के लिए आई गुड न्यूज

अमेरिका-ईरान डील होते ही पहला एलएनजी टैंकर दिशा गुजरात पहुंचा

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते के तुरंत बाद भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ी गुड न्यूज सामने आई है। गुरुवार को एलएनजी टैंकर दिशा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक बार कर लिया, जिसके बाद आज यानी शुक्रवार को गुजरात में भरूच के दहेज बंदरगाह पर सुरक्षित पहुंच गया है। ईरान-अमेरिका शांति समझौते के बाद भारत आने वाला यह पहला लिक्विफाइड नेचुरल गैस जहाज है, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर भारत पहुंचा है। हजारों टन एलनजी भारत आने से पिछले साढ़े तीन महीनों से समुद्र में जहाजों के फंसे होने के कारण पैदा हुआ ऊर्जा संकट अब समाप्त हो जाएगा। दहेज पोर्ट पर एलएनजी लदे शिप का सुरक्षित पहुंचना भारत के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। एलएनजी टैंकर दिशा 62,370 मीट्रिक टन लिक्विफाइड नेचुरल गैस लेकर आया है। इससे भारतीय ऊर्जा बाजार को बड़ी राहत मिलेगी।

2 मार्च से फंसा था यह जहाज-बता दें कि 2 मार्च से कतर के रास लाफान पोर्ट पर 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी से लदा यह शिप फंसा हुआ था। होर्मुज में लगी ईरानी पाबंदी के बाद हालात इतने खराब हो गए कि यह जहाज कब भारत पहुंचेगा, इसका पता नहीं था। लेकिन ईरान-अमेरिका के बीच हुए पीस डील के बाद यह जहाज 15 जून को होर्मुज के रास्ते आगे बढ़ा और आज सुरक्षित भारत पहुंच गया। गौरतलब है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण यह जहाज करीब साढ़े तीन महीने तक फंसा रहा। अमेरिका-ईरान के बीच हुए शांति समझौते के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाला यह पहला एलएनजी जहाज है।

नीट-यूजी के दोबारा आयोजन से जुड़ी याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की परीक्षा नीट-यूजी, 2026 के दोबारा आयोजन से जुड़ी दो अलग-अलग याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि प्रभावित अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया है, इसलिए इसे स्थगित कर नई तिथि घोषित की जाए। परीक्षा का दोबारा आयोजन 21 जून को होना है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि इन याचिकाओं पर जुलाई में जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी, जब कोर्ट आंशिक कामकाज के दिनों के बाद सामान्य कामकाज शुरू करेगा। कोर्ट ने कहा कि जस्टिस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पहले से ही परीक्षा से जुड़ी याचिकाएं लंबित हैं।

टेलीग्राम पर लगी रोक जारी रहेगी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने नीट की दोबारा परीक्षा के कारण केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए अस्थायी बैन को चुनौती देने वाली टेलीग्राम की याचिका खारिज कर दी है, जिससे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को कोई राहत नहीं मिली है। जस्टिस तेजस करिया ने आईटी एक्ट की धारा 69ए के तहत जारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए, 22 जून तक टेलीग्राम को ब्लॉक करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। टेलीग्राम पर लगे अस्थायी प्रतिबंध को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि आपातकालीन स्थिति को देखते हुए सरकार ने आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत प्रक्रिया का पालन किया है। कोर्ट ने कहा कि इन आदेशों में सोच-समझकर निर्णय न लेने जैसी कोई कमी नहीं है। हमने यह भी माना है कि आईटी एक्ट के तहत इस प्लेटफार्म को जानकारी के दायरे से बाहर रखने का कोई कारण नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सरकार के पास सेक्शन 69ए के तहत टेलीग्राम तक पहुंच पर रोक लगाने का निर्देश देने का अधिकार है। इसमें आनुपातिकता की कसौटी पूरी होती है और सरकार का यह कदम सबसे कम पाबंदी वाला है। कोर्ट ने माना कि इस आदेश को अनुचित या बहुत ज़्यादा कठोर नहीं कहा जा सकता। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने टेलीग्राम की याचिका खारिज कर दी।

'भविष्य की वर्कफोर्स तैयार हो रही'

प्रधानमंत्री ने 15 लाख युवाओं को दिए 2400 करोड़

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 15 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को 2400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी। यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए खातों में भेजी गई। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुए इस इवेंट में प्रधानमंत्री ने युवाओं और उन्हें नौकरियां देने वाले उद्यमियों से संवाद भी किया। पीएम बोले कि यह योजना पहली बार नौकरी खोजने वाले युवाओं और इंडस्ट्री के बीच एक पुल का काम करती है। इसके जरिए हम भविष्य के लिए एक मजबूत वर्कफोर्स तैयार कर रहे हैं। इंटेंसिव ट्रांसफर करने का कार्यक्रम देशभर के 200 औद्योगिक क्लस्टर में हुआ। इस कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र भी बांटे गए, क्योंकि नए लेबर कोड के तहत अपॉइंटमेंट लेटर देना अनिवार्य है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत सरकार ने कुल 99,446 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इसके तहत 2 साल में 3.5 करोड़ नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कुछ ही घंटे पहले फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा से आया हूं और जी-7 में विकसित देशों के दिग्गज नेताओं से मिला हूं दुनिया आज भारत की युवा शक्ति की चर्चा कर रही है। भारत के टैलेंट, स्किल और सशक्त की चर्चा सब दूर तक हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि भारत का युवा अपनी क्षमता को अवसर में बदल सके और इसी सोच के साथ पीएम विकसित भारत रोजगार योजना शुरू हुई है। यह बहुत आगे बढ़कर पहली नौकरी पाने वाले युवा के सपनों को शक्ति देनी वाली योजना है। दुनिया भविष्य की तकनीक की ओर बढ़ रही है, और भारत अपने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने का काम कर रहा है। यह भारत के युवाओं के लिए सबसे बड़ा अवसर है, और हमें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप

प्रधानमंत्री ने कहा, करीब 2 मिलियन युवाओं ने अपनी पहली नौकरी में छह महीने पूरे कर लिए हैं, और आज, इनमें से करीब 1 मिलियन युवाओं को अपनी पहली नौकरी में छह महीने पूरे करने के बाद इस स्कीम के बेनिफिशियरी के तौर पर इंसेंटिव मिला है। एक समय था जब देश में केवल 500 के करीब स्टार्टअप थे। आज, 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप हैं, और वे देश के हर जिले में मिल जाएंगे। ये आंकड़े भरोसा दिलाते हैं कि आने वाले वर्षों में भारत के युवा दुनिया की ग्रोथ, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप का नेतृत्व करेंगे।

चलती बाइक में इंजीनियर को गोली मारकर मौत के घाट उतारने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रांझी के इंजी. क्लारेन्स एटकीन्स हत्याकांड में पुलिस का एक्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रांझी क्षेत्र में हुए चर्चित सिविल इंजीनियर क्लारेन्स एटकीन्स हत्याकांड के फरार मुख्य आरोपी प्रिंस नेल्सन उर्फ आशीष नेल्सन को रांझी पुलिस ने उसके 16 वर्षीय विधि-विवादित बाल सहयोगी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से 1 देशी ऑटोमेटिक पिस्टल, 2 कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटर साइकिल भी जब्त की है। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय द्वारा आरोपी पर 10000 रुपये और पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर रेंज अतुल सिंह द्वारा 20000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। इस सनसनीखेज वारदात का मुख्य साजिशकर्ता प्रिंस का पिता बाबा नेल्सन उर्फ विकास नेल्सन है, जिसने अपने बेटे और अन्य साथियों के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची थी, जो अभी फरार है।

ये है पूरा मामला-रांझी में विगत 23 अप्रैल को सिविल इंजीनियर क्लारेन्स एटकीन्स को चलती बाइक में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वारदात में मदद करने वाले सह-आरोपियों तेजबल उर्फ अरुण रैकवार और मोहित ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया था। तेजबल नरसिंहपुर के सुआतला का रहने वाला है, जो वर्तमान में माढोताल के अनमोल वाटिका में रह रहा था। वहीं मोहित ठाकुर कैंट थाना क्षेत्र

के वर्धा हाउस पुल नंबर 02 का निवासी है। जांच में सामने आया कि मुख्य साजिशकर्ता बाबा नेल्सन उर्फ विकास नेल्सन उर्फ रिंकू नेल्सन ने अपने बेटे प्रिंस और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस पूरी वारदात का ताना-बाना बुना था। हत्या के बाद से ही मुख्य आरोपी प्रिंस और उसका पिता फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने ईनाम घोषित कर रखा था।

साजिशकर्ता पिता की तलाश जारी

मुखबिर की सटीक सूचना और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से रांझी पुलिस ने गोरखपुर क्षेत्र की ईसाई कॉलोनी के पास घेराबंदी की। पुलिस टीम ने 25 वर्षीय मुख्य आरोपी प्रिंस नेल्सन उर्फ आशीष नेल्सन और उसके 16 वर्षीय विधि-विवादित बाल साथी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त 1 देशी ऑटोमेटिक पिस्टल, 2 कारतूस और मोटर साइकिल बरामद की। गिरफ्तार मुख्य आरोपी प्रिंस नेल्सन को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि उसके नाबालिग साथी को किशोर न्याय बोर्ड के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है।

मामले का मुख्य साजिशकर्ता बाबा उर्फ विकास नेल्सन अब भी पुलिस की पकड़ से दूर है, जिसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उमेश कुमार गोल्हानी, उप निरीक्षक मयंक सिंह यादव, सहायक उप निरीक्षक मनीष जाटव, प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम, आरक्षक मनीष और आरक्षक अभिषेक मिश्रा की विशेष भूमिका रही।

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी ने विद्युत गृहों के निर्बाध संचालन के लिए बनाया तकनीकी निगरानी मॉडल

मुख्यालय एवं विद्युत गृहों के विशेषज्ञ अभियंताओं की संयुक्त समन्वय टीम गठित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी ने अपने ताप एवं जल विद्युत गृहों की वार्षिक रखरखाव एवं पूंजीगत ओवरहॉल गतिविधियों के उपरांत इकाइयों के अधिक सुरक्षित, दक्ष एवं निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी निगरानी व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि कंपनी का विश्वास है कि मशीनों की तरह कार्य प्रणालियों का भी समय-समय पर मूल्यांकन एवं पुनर्विचार आवश्यक होता है। इससे न सिर्फ बेहतर समाधान उभर कर आते है बल्कि कंपनी भी नवाचार के साथ निरंतर विकसित होकर आगे बढ़ने के लिए तत्पर होती है। उन्होंने कहा कि यह पहल तकनीकी विशेषज्ञता, सहभागिता एवं नवाचार को बढ़ावा देते हुए विद्युत उत्पादन की विश्वसनीयता को नई मजबूती प्रदान करेगी।

5492 मेगावाट बिजली उत्पादन-वर्तमान में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के चार ताप विद्युत गृह अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर व श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया द्वारा कुल 4570 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।

पावर जनरेटिंग कंपनी के 10 जल विद्युत गृहों गांधीसागर, पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, रानी अबंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, बाण सागर जल विद्युत गृह के टोंस, सिलपरा, देवलोंद, झिन्ना जल विद्युत गृह, बिरसिंगपुर जल विद्युत गृह, राजघाट जाल विद्युत गृह एवं मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह द्वारा कुल 915 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। रतागुरडिया ग्राउंड माउंटेड सोलर प्रोजेक्ट से कुल सात मेगावाट सोलर बिजली का उत्पादन होता है। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 5492 मेगावाट है।

कैसे होगी निगरानी-इस तकनीकी निगरानी व्यवस्था में पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा मुख्यालय एवं संबंधित विद्युत गृहों के अनुभवी व युवा अभियंताओं को सम्मिलित करते हुए यूनिटवार एओएच/सीओएच समन्वय टीम गठित की हैं। यह टीम ओवरहॉल कार्यों की योजना, निरीक्षण, मूल्यांकन एवं अनुपालन की सतत निगरानी करेंगे, जिससे किसी भी संभावित तकनीकी कमी अथवा परिचालन बाधा की संभावना को न्यूनतम किया जा सकेगा। इन टीमों के गठन में विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी समूह में शामिल अभ?यंता अपने स्वयं के विद्युत उत्पादन इकाई के ओवरहॉल कार्यों से संबद्ध न हों। इससे निरीक्षण प्रक्रिया में निष्पक्षता, व्यापक तकनीकी मूल्यांकन एवं बेहतर सुझावों का समावेश सुनिश्चित होगा।

जबलपुर खो रहा अपनी पहचान: विवेक तंखा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र में महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड के विकास को लेकर एक बार फिर अलग राज्य की मांग की चर्चा शुरू हो गई है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने कहा कि महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों के साथ लगातार उपेक्षा हो रही है और जरूरत पड़ी तो अलग राज्य की मांग भी उठाई जाएगी। शुक्रवार को कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठक के दौरान विवेक तन्खा ने कहा कि कभी मध्य भारत का प्रमुख शहर रहा जबलपुर आज अपनी पहचान और सम्मान खोता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक कांग्रेस मजबूत थी, तब तक जबलपुर भी मजबूत था। श्री

तन्खा ने कहा कि इंदौर, भोपाल, देवास और उज्जैन की तरह महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड का विकास नहीं हुआ। इन क्षेत्रों को लगातार नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि यहां के युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार और विकास के अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी आता है, जबलपुर को झटका देकर आगे बढ़ जाता है। हमें इतना कमजोर मत समझिए। हम चाहते हैं कि यहां अच्छे कॉलेज आएं, उद्योग लगें और युवाओं को रोजगार मिले। विवेक तन्खा के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि तन्खा ने खुद स्वीकार किया है कि भाजपा सरकार में भोपाल, उज्जैन और देवास का विकास हुआ है।

उन्होंने कहा कि यदि विकास देखना है तो जबलपुर का नया एयरपोर्ट, फ्लाईओवर, नर्मदा कॉरिडोर, सड़कें, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए कार्य देखे जा सकते हैं। भाजपा विधायक ने दावा किया कि पिछले 12 सालों में जबलपुर में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

रिटायर्ड कर्मी से लाखों की ठगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाने में अखिलेश दत्त पड़रहा उम्र 62 वर्ष निवासी ताज पैलेस के सामने छोटी बजरिया गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि एनटीपीसी से सेवानिवृत्त है। उसने अपने मोबाइल पर फेसबुक पर विज्ञापन देखा जिसमें पैसे निवेश करने हेतु विज्ञापन था। उसने विज्ञापन पर क्लिक कर जानकारी फिल किया तो उसके मोबाइल पर एक मोबाइल नम्बर से कॉल आया जिनके द्वारा बताया कि आप 3 लाख 20 हजार रूपये निवेश करोगे तो आपको प्रतिमाह 38 हजार रूपये तीन वर्ष तक पैसे वापस दिया जावेगा। उसने एसबीआई गढ़ा शाखा से 3 लाख 20 हजार रूपये आरटीजीएस के माध्यम उनके बताये खाता से दिनांक 2 अप्रेल 2026 को जमा कर दिया था।

प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्राकृतिक खेती की पद्धति नहीं बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है, भारत एक कृषि प्रधान देश है, हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवनशैली का आधार कृषि रही है। परंतु पिछले कुछ दशकों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता में कमी आई है, जल स्रोत प्रदूषित हुए हैं और खेती की लागत लगातार बढ़ी है।

ऐसे समय में प्राकृतिक खेती किसानों के लिए एक प्रभावी और टिकाऊ विकल्प बनकर उभरी है, प्राकृतिक खेती आत्मनिर्भर किसान और समृद्ध भारत का आधार है, यह बात राज्यसभा सांसद सुमित्रा

बाल्मीकि ने प्राकृतिक खेती पर आयोजित कार्यशाला में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय सभागार में किसानों को संबोधित करते हुए कही। भाजपा द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती के विषय पर आयोजित कार्यशाला जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल, विधायकअजय विश्नोई, अशोक रोहाणी जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी की उपस्थिति में आयोजित की गई।

कार्यशाला में 535 से अधिक किसान भाई-बहनों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कृषि विश्वविद्यालय स्थित सभागार में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में सहभागिता कर किसान भाई-बहनों एवं कृषि विशेषज्ञों के साथ से संवाद किया गया।

पमरे में अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह के संरक्षण एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी एमएस हाशमी के मार्गदर्शन तथा निर्देशन में पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में प्रथम दौर की अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिनांक 19 जून को विवेक कुमार गुप्ता, उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी

की अध्यक्षता में राष्ट्र के भाग्य का स्वरूप-निर्माण उसकी कक्षाओं में होता है विषय पर हिंदी वाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर विवेक कुमार गुप्ता एवं सहायक उपमहाप्रबंधक नवीन कुमार निर्णायक मंडल के रूप में शामिल हुए। कायक्रम का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी संतलाल मर्सकोले ने किया। पश्चिम मध्य रेल पर स्थित मुख्यालय सहित तीनों मंडलों तथा दोनों कारखानों में प्रति वर्ष प्रथम दौर की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। क्षेत्रीय स्तर पर इन तीनों प्रतियोगिताओं में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारी दूसरे दौर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते है। अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिता के दूसरे दौर की प्रतियागिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारी रेलवे बोर्ड की अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं में पश्चिम मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

फ्लाइंग स्क्वाड को देख बेटिकिट रेल यात्रियों में मची भगदड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, के निर्देशन में आज जबलपुर रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा संयुक्त रूप से विशेष सघन टिकट जांच अभियान संचालित किया गया। यह अभियान सिंगरौली-जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के आगमन के समय प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2 एवं 3 पर चलाया गया। इधर फ्लाइंग स्क्वाड को देख यात्रियों में हड़कंप की स्थिति मच गई। यह अभियान में संदीप श्रोती, हेड टिकट परीक्षक बृजेश तिवारी तथा रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक श्री धीरज कुमार के नेतृत्व में कुल 6 टिकट जांच कर्मचारी एवं 3 आरपीएफ कर्मियों ने सहभागिता की। जांच के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों, स्टेशन एवं प्लेटफॉर्म परिसर में गंदगी

फैलाने वाले व्यक्तियों तथा बिना बुक कराए अतिरिक्त सामान (अनबुक्ड लगेज) के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 49 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनसे 23 हाजर 265 का रेल राजस्व अर्जित हुआ। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों के विरुद्ध भारतीय रेल के प्रचलित नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

तीन दिवसीय शिविर में सैंकड़ों आवेदनों का हुआ निराकरण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा में शासन की जनहितैषी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित 3 दिवसीय विशेष शिविर का भव्य समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) श्री रघुवंशी, स्थानीय तहसीलदार सहित सभी शासकीय विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। विधायक नीरज सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अनुभाग और ब्लॉक स्तर पर शासन द्वारा की गई यह एक बेहद सकारात्मक और जनोपयोगी पहल है। इस तरह के शिविरों के माध्यम से एक ही छत के नीचे सभी विभागों के कार्य होने से जनता को दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलती है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आवेदनों का त्वरित निराकरण करना प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है। इस शिविर के माध्यम से क्षेत्र के हजारों जरूरतमंद लोगों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। शिविर के दौरान विधायक नीरज सिंह और एसडीएम श्री रघुवंशी ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गीता रामायण प्रश्न मंच का आयोजन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय संस्कृति धर्म एवं आध्यात्मिक ज्ञान के लिए लोकधारा संस्था के माध्यम से आज साहित्य परिसर, कचनार सिटी में सांय 5 बजे से एक नवाचार आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत रामायण एवं गीता पर प्रश्न किए जाएंगे। इसका सही उत्तर देने पर पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन इंजी विनोद नयन के स्वागत उद्बोधन से प्रारंभ होगा तथा मुख्य वक्ता के रूप में भागीरथ शर्मा उपस्थित रहेंगे। संस्था के संस्थापक गुप्तेश्वर द्वारका गुप्त ने इस आयोजन में उपस्थित का आग्रह किया है।

कार की टक्कर से महिला की मौत

जबलपुर। अधारताल थाने में मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि दोपहर लगभग 1 बजे शिवानी विश्वकर्मा उम्र 35 वर्ष निवासी जयभवानी कालोनी सिहोरा को फोर व्हीलर चालक के द्वारा टक्कर मारने से खजरी खिरिया के पहले हाईवे रोड से घायल अवस्था में उपचार वास्ते मेडिकल कालेज में गोलू व पंकज विश्वकर्मा देवर के द्वारा लाया गया था। डॉक्टर ने चैक कर शिवानी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम किया।

314 पदों की जगह कर दी 496 नियुक्तियां स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों के घोटाले की गूंज

ग्रुप डी में अवैध तरीके से नियुक्तियां कर 1.5 करोड़ की वसूली करने का आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा द्वारा क्षेत्रिय संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग को शिकायत प्रस्तुत कर डॉ आदर्श विश्नोई नोडल अधिकारी नर्सिंगहोम शाखा सह बीएमओ पाटन द्वारा ग्रुप डी आउटसोर्स कर्मचारी भर्ती में मनमानी करते हुये पैसो का लेनदेन कर अनधिकृत रूप से बिना इंटरव्यू या बिना चयन समिति के अनुमोदन के या बिना नियमों के पालन के व कलेक्टर द्वारा दी अनुमति से अधिक की भर्ती करने के घोटाले की जॉच एवं चयन से वंचित मेरिटोरियस उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।

ये है पूरा मामला

दरअसल आशीष मिश्रा ने आरोप लगाते हुए बताया कि जबलपुर जिले के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का कामकाज सुचारू रूप से चलाने जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं आउटसोर्स और मल्टी स्किल्ड ग्रुप डी वर्कर्स नियुक्ति उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) के माध्यम से किया जाना था। जिला स्तरीय निविदा समिति जिसमें डॉ आदर्श विश्नोई भी सदस्य थे। जिनके द्वारा अस्पतालों में नए सिरे से कुल 314 मल्टी स्किल्ड ग्रुप डी वर्कर की भर्ती की जानी थी। ऑनलाईन आमंत्रित आवेदनो के इन्टरवियू के लिये विभागीय समिति का गठन किया गया जिसमें डॉ विश्नोई सीबीएमओ.पाटन, सहित 2 अन्य अधिकारियों को नामांकित किया गया था। कलेक्टर के द्वारा 314 कर्मचारियों के चयन हेतु अनुमति प्रदान की गई थी लेकिन उसके के स्थान पर जेयूस इन्टरप्राईजेस के माध्यम से 241 अभ्यर्थी एवं ओम

पारस मेनपावर सर्विस से 255 अभ्यर्थी की नियुक्ति कर करीब 496 अभ्यर्थी की नियुक्ति मनमानी पूर्वक कर कलेक्टर को भी बाईपास कर दिया गया। डॉ विश्नोई द्वारा ज्वाईनिग के लिये दिनांक 08 जून 2026 व दिनांक 13 जून 2026 को पत्र चयनित अभ्यर्थियों की सूची संलग्न करते हुए ऑफिसियल व्हाटसएप ग्रुप के माध्यम से सभी बीएमओ को भेजा गया। इसमें अनियमितता यह है कि मनोज गुप्ता का चयन जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक है को प्रचलित श्रम कानूनो का घोर उल्लंघन कर किया गया जबकि उन्होंने चयन प्रक्रिया में कोई सहभागिता नही की थी। सेडमेप के पत्र दिनांक 03 जून 2026 अनुसार केवल 57 उम्मीदवारों का चयन सेडमेप साक्षात्कार के माध्यम से किया गया था, जिससे शेष सभी चयन स्वमेव फर्जी प्रतीत होते हैं। कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में डॉ विश्नोई द्वारा मनमानी एवं मोटी कमीशनखोरी कर चयन सूची तैयार की गई जिसके फलस्वरुप सेडमेप साक्षात्कार समिति के अन्य सदस्य अजय कुरील एवं अरुण शाह के इस फर्जी चयन सूची मे इन दोनों सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं थे। चयन प्रक्रिया निरस्त कर एफआइआर दर्ज करने की मांग

अशीष मिश्रा ने आरोप लगाया कि डॉ विश्नोई ने प्रति अभ्यर्थी 40000 रूपए की दर से लगभग 400 अभ्यर्थियों की नियुक्ति में 1.5 करोड़ रुपयों की वसूली की गई है। इतना ही नहीं लगभग 1000 अभ्यर्थियों का दिनांक 24-25 मई 2026 को इंटरव्यु भी आयोजित कर लिया जबकि 2 दिन में इतने लोगों का साक्षत्कार होना संभव नहीं है। आशीष मिश्रा के द्वारा मांग की गई है कि जनहित में घोटाले की जांच कर पुनः नए सिरे से चयन प्रक्रिया कराने के निर्देश दिए जाएं ताकि जिन मेरिटोरियस योग्य, जरुरतमंद उम्मीदवारों के साथ अन्याय हुआ है, उन्हें पुनः इन्टरव्यू में उपस्थित कराकर उनका चयन किया जा सके। साथ ही डॉ विश्नोई को सेवा से बर्खास्त करते हुये उनकी एफआइआर दर्ज कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

कैसा हो बच्चों का टिफिन

पौष्टिक और स्वादिष्ट टिफिन का परफेक्ट विकल्प

रोज़ बच्चों के लिए नया और पौष्टिक टिफिन तैयार करना अक्सर माता-पिता के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाता है। बच्चों को ऐसा खाना चाहिए जो स्वादिष्ट भी हो और सेहत से भरपूर भी। ऐसे में वेज पराठा रोल एक बेहतरीन और लाजवाब विकल्प बनकर सामने आता है।

इसमें ताज़ी सब्जियों, गेहूं के आटे और पनीर का पौष्टिक मेल मिलता है जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। रोल का आकर्षक और टेस्टी रूप बच्चों को इसे खुशी-खुशी खाने के लिए प्रेरित करता है। यह न सिर्फ जल्दी तैयार हो जाता है बल्कि लंबे समय तक पेट को भरा भी रखता है। स्कूल टिफिन के लिए यह एक ऐसा ऑप्शन है जो स्वाद और सेहत दोनों का सही संतुलन देता है। हर बाइट में स्वाद का ऐसा अनुभव मिलता है जो बच्चों को बार-बार इसे खाने का मन कराता है।

टिफिन टिप्स

रोल के साथ खीरे, सेब या मौसमी फलों के छोटे टुकड़े भी रखें। एक छोटा डिब्बा दही या घर का बना फ्रूट योगर्ट भी दिया जा सकता है। बच्चों की पसंद के अनुसार पनीर की जगह सोया ग्रेन्यूल्स या उबला राजमा भी मिलाया जा सकता है। रोल को बहुत अधिक सॉस वाला न बनाएं, ताकि वह टिफिन में गीला न हो।

पोषण की बात

इस वेज पराठा रोल में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और विटामिन का अच्छा संतुलन मिलता है। यह बच्चों को लंबे समय तक ऊर्जा देने के साथ उनकी बढ़ती उम्र की पोषण संबंधी जरूरतों को भी पूरा करने में मदद करता है।

बनाने की विधि

तवे पर पराठों को हल्का सुनहरा सेंक लें। एक पैन में थोड़ा मक्खन या घी गर्म करें। इसमें गाजर, शिमला मिर्च, कॉर्न डालकर 2 से 3 मिनट हल्का भून लें ताकि सब्जियां हल्की कुरकुरी रहें। अब इसमें पनीर, नमक, काली मिर्च और चाट मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार पराठे पर टमाटर सॉस या हरी चटनी की पतली परत लगाएं। बीच में सब्जियों और पनीर का मिश्रण रखें और पराठे को कसकर रोल कर लें। रोल को बटर पेपर या फॉयल में लपेटकर टिफिन में रखें।

बनाने की सामग्री (2 रोल के लिए)

- गेहूं के आटे के 2 पराठे
- कद्दूकस किया हुआ पनीर, आधा कप
- बारीक कटी शिमला मिर्च, आधा कप
- कद्दूकस की हुई गाजर, आधा कप
- उबले हुए स्वीट कॉर्न, आधा कप
- टमाटर सॉस या हरी चटनी, 2 बड़े चम्मच
- काली मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच
- चाट मसाला, आधा छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- मक्खन या घी, 1 छोटा चम्मच

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं इन बीजों के पाउडर

कुछ बीजों का पाउडर बनाकर सही मात्रा में उपयोग किया जाए, तो वे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हो सकते हैं। यहाँ कुछ प्रमुख बीज और उनके पाउडर के उपयोग बताए गए हैं:-

1. अलसी

ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत।
हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
कब्ज की समस्या में लाभदायक।
कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने में सहायक।

2. चिया सीड्स

फाइबर और प्रोटीन से भरपूर।
वजन नियंत्रित करने में मदद करता है।
शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देता है।
हड्डियों के लिए कैल्शियम प्रदान करता है।

3. तिल

कैल्शियम और आयरन का अच्छा स्रोत।
हड्डियों और दाँतों को मजबूत बनाता है।
त्वचा और बालों के लिए लाभकारी।

4. कद्दू

जिंक और मैग्नीशियम से भरपूर।
रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक।
पुरुषों के प्रोस्टेट स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है।

5. सूरजमुखी

विटामिन ई का अच्छा स्रोत।
त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने वाले एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करता है।

उपयोग करने का तरीका

इन बीजों को हल्का भूनकर पीस लें। प्रतिदिन 1-2 चम्मच पाउडर दूध, दही, दलिया, सलाद, स्मूदी या आटे में मिलाकर ले सकते हैं। पाउडर को एयरटाइट डिब्बे में रखें और ताज़ा उपयोग करें।

सावधानी

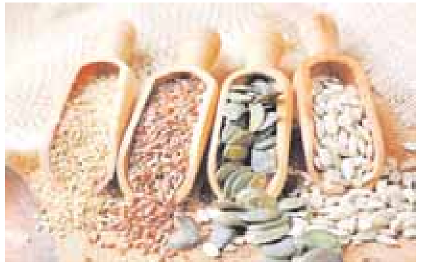

किसी भी बीज का अत्यधिक सेवन न करें। यदि आपको कोई गंभीर बीमारी, एलर्जी, गर्भावस्था या विशेष दवा चल रही हो, तो डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लेकर ही नियमित सेवन करें। मिश्रित बीज पाउडर (अलसी + चिया + तिल + कद्दू + सूरजमुखी) का सीमित मात्रा में सेवन शरीर को कई प्रकार के पोषक तत्व प्रदान कर सकता है और दैनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

तृप्ति बघेल

शिक्षक, कस्तूरचंद हितकारिणी चिल्ड्रंस एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर

सीजनल स्पेशल

घर पर बनाएं मलाईदार मैंगो कुल्फी

गर्मियों के मौसम में आम का स्वाद हर किसी को पसंद आता है। अगर आप आम से कुछ खास और ठंडा बनाना चाहते हैं, तो मैंगो कुल्फी एक बेहतरीन विकल्प है। बिना किसी जटिल प्रक्रिया के तैयार होने वाली यह कुल्फी बच्चों और बड़ों, दोनों की पसंदीदा बन सकती है।

बनाने की सामग्री (6 कुल्फी के लिए)

- पके हुए आम का गूदा, 1 कप
- फुल क्रीम दूध, 1 लीटर
- कंडेंस्ड मिल्क, आधा कप
- चीनी, 2 से 3 बड़े चम्मच (स्वादानुसार)
- इलायची पाउडर, आधा छोटा चम्मच
- बारीक कटे पिस्ता, 2 बड़े चम्मच
- बारीक कटे बादाम, 2 बड़े चम्मच
- केसर, 8 से 10 रेशे (वैकल्पिक)

बनाने की विधि

एक भारी तले वाले बर्तन में दूध डालकर मध्यम आंच पर उबालें। दूध को लगातार चलाते हुए लगभग आधा होने तक पकाएं। अब इसमें कंडेंस्ड मिल्क, चीनी और इलायची पाउडर मिलाकर 2 से 3 मिनट और पकाएं। गैस बंद करें और मिश्रण को पूरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा होने पर इसमें आम का गूदा और कटे हुए मेवे डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मिश्रण को कुल्फी मोल्ड या छोटे गिलास में भरें। ऊपर से एल्युमिनियम फॉयल लगाकर बीच में कुल्फी स्टिक लगाएं। 6 से 8 घंटे या पूरी रात फ्रीजर में जमने दें। कुल्फी निकालने के लिए मोल्ड को कुछ सेकंड सामान्य पानी में डुबोएं और धीरे से बाहर निकाल लें।

शेफ की टिप

कुल्फी बनाने के लिए हमेशा पूरी तरह पके, मीठे और रेशे रहित आम का इस्तेमाल करें। यदि आम बहुत मीठा हो, तो चीनी की मात्रा कम रखें। इससे कुल्फी का प्राकृतिक स्वाद और खुशबू बनी रहती है।

बरसात में स्वाद के साथ सेहत भी

बरसात का मौसम गर्मी से राहत देने के साथ ही कई तरह की स्वास्थ्य चुनौतियां भी लेकर आता है। इस मौसम में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं, जिससे फूड पॉइजनिंग, पेट के संक्रमण, सर्दी-जुकाम और वायरल बुखार जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में केवल स्वादिष्ट भोजन ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और पौष्टिक भोजन का चुनाव भी जरूरी हो जाता है। खानपान में थोड़ी-सी सावधानी आपको और आपके परिवार को स्वस्थ रख सकती है।

बरसात में क्या खाएं?

बरसात के दिनों में हल्का, ताजा और आसानी से पचने वाला भोजन सबसे अच्छा माना जाता है। मूंग दाल की खिचड़ी, दलिया, इडली, उपमा और पोहा जैसे हल्के व्यंजन खाएं। मौसमी सब्जियों जैसे लौकी, तोरई, परवल, कद्दू और भिंडी को भोजन में शामिल करें। विटामिन-सी से भरपूर फल जैसे अमरूद, आंवला, पपीता और नींबू का सेवन करें। पर्याप्त मात्रा में गुनगुना पानी पिएं और हर्बल चाय का सेवन करें।

किन खाद्य पदार्थों से बचें?

बरसात में कुछ खाद्य पदार्थ संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकते हैं, इसलिए इनका सेवन सीमित रखें। लंबे समय तक बाहर रखा हुआ या बासी भोजन न खाएं। सड़क किनारे खुले में मिलने वाले कटे फल, चाट और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। बरसात के दिनों में बहुत अधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन कम खाएं। कच्चे सलाद और पत्तेदार सब्जियों को बिना अच्छी तरह धोए न खाएं। दूषित पानी, बर्फ और खुले पेय पदार्थों से बचें।

भोजन को सुरक्षित रखने के आसान उपाय

बरसात के दिनों में भोजन हमेशा ताजा बनाकर खाएं। फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही उपयोग करें। कच्चे और पके भोजन के लिए अलग-अलग चाकू और कटिंग बोर्ड का इस्तेमाल करें। रसोई और बर्तनों की नियमित सफाई रखें। दूध, दही और अन्य जल्दी खराब होने वाली चीजों को फ्रिज में सुरक्षित रखें। बरसात का मौसम पकौड़ों, चाय और गर्मागर्म व्यंजनों का आनंद लेने का समय जरूर है, लेकिन स्वास्थ्य से समझौता किए बिना। यदि भोजन ताजा, स्वच्छ और संतुलित हो तथा मसालों का सही उपयोग किया जाए, तो यह मौसम पूरी तरह आनंददायक बन सकता है। थोड़ी-सी सावधानी और सही खानपान आपको संक्रमण से बचाने के साथ-साथ पूरे परिवार को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रख सकता है।

देसी नाश्ता बनाम फास्ट फूड...कौन है बेहतर?

सुबह का नाश्ता दिन की सबसे महत्वपूर्ण शुरुआत माना जाता है। यह न केवल शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि पूरे दिन की कार्यक्षमता, एकाग्रता और पाचन पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में फास्ट फूड का चलन बढ़ा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हमारी सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद है जितना स्वादिष्ट लगता है? आइए जानें कि दोनों में से बेहतर विकल्प कौन-सा है।

देसी नाश्ता, परंपरा के साथ पोषण

पोहा, उपमा, इडली, ढोकला, पराठा, दलिया, मूंग दाल चीला, बेसन चीला, सत्तू का पेय या अंकुरित अनाज जैसे देसी नाश्ते कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत होते हैं। इनमें घर के ताज़ा मसाले, हरी सब्जियां और कम तेल का उपयोग किया जाता है, जिससे ये स्वादिष्ट होने के साथ-साथ संतुलित भी बन जाते हैं।

फास्ट फूड, स्वाद ज्यादा, पोषण कम

बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, नूडल्स, पैटीज़ और तले हुए स्नैक्स स्वाद में आकर्षक होते हैं, लेकिन इनमें अक्सर अधिक मात्रा में मैदा, नमक, चीनी, संतृप्त वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से इनका सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है।

पोषण के आधार पर तुलना

ऊर्जा:- देसी नाश्ता लंबे समय तक ऊर्जा देता है, जबकि फास्ट फूड थोड़ी देर बाद फिर भूख लगा सकता है।

फाइबर:- देसी नाश्ते में फाइबर अधिक होता है, जिससे पाचन बेहतर रहता है।

प्रोटीन:- दाल, बेसन, दही और अंकुरित अनाज वाले देसी विकल्प बेहतर प्रोटीन देते हैं।

वसा:- फास्ट फूड में अस्वास्थ्यकर वसा अधिक हो सकती है, जबकि घर का भोजन नियंत्रित मात्रा में तेल से बनाया जा सकता है।

सुबह के लिए बेहतर विकल्प

- सब्जियों वाला पोहा
- मूंग दाल चीला
- इडली-सांभर
- दलिया
- ओट्स उपमा
- अंकुरित सलाद
- सत्तू का शरबत

फूड: मिथक बनाम सच

क्या रात में दही खाना हमेशा नुकसानदायक होता है?

दही को कैल्शियम, प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स का अच्छा स्रोत माना जाता है। लेकिन अक्सर यह धारणा सुनने को मिलती है कि रात में दही खाने से सर्दी-जुकाम, गले की समस्या या पाचन संबंधी दिक्कतें होती हैं। क्या यह बात पूरी तरह सच है? आइए जानते हैं।

मिथक:- रात में दही खाना हमेशा नुकसानदायक होता है।

सच:- यह बात हर व्यक्ति पर लागू नहीं होती। यदि आप स्वस्थ हैं और दही आपको अनुकूल है, तो सीमित मात्रा में ताजा दही खाना अधिकांश लोगों के लिए सामान्यत: ठीक माना जाता है। हालांकि कुछ लोगों में रात के समय दही खाने से पेट भारी लगना, एसिडिटी या बलगम जैसी परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसे लोगों को रात में दही से परहेज करना या डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होता है।

रात में दही खाएं तों ये बातें ध्यान रखें

हमेशा ताजा दही खाएं, खट्टा या कई दिन पुराना दही न लें, साथ ही दही की मात्रा सीमित रखें। दही में भुना जीरा, काली मिर्च या थोड़ा सा काला नमक मिलाकर खाने से स्वाद और पाचन दोनों बेहतर हो सकते हैं। यदि आपको बार-बार सर्दी, एलर्जी या पाचन संबंधी समस्या रहती है, तो रात में दही खाने से पहले चिकित्सकीय सलाह लें।

फाइनल फैक्ट

रात में दही खाना हर किसी के लिए नुकसानदायक है, यह केवल एक मिथक है। सही मात्रा में, ताजा दही और अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार इसका सेवन किया जाए तो अधिकांश लोगों के लिए यह पौष्टिक आहार का हिस्सा हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने शरीर की प्रतिक्रिया को समझें और यदि कोई समस्या हो तो चिकित्सकीय सलाह लें।

दादी-नानी का स्वाद

घर की बनी सत्तू की ठंडी ड्रिंक

देसी स्वाद, भरपूर ताकत और प्राकृतिक ठंडक का अनोखा संगम है सत्तू में। मध्य भारत, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में गर्मी के दिनों में सत्तू का शरबत पीने की परंपरा आज भी कायम है। भुने हुए चने से तैयार सत्तू न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा और ठंडक भी देता है। दादी-नानी के समय से यह प्राकृतिक एनर्जी ड्रिंक के रूप में जाना जाता रहा है।

बनाने की सामग्री (2 गिलास के लिए)

- सत्तू 4 बड़े चम्मच
- ठंडा या सामान्य पानी, 2 गिलास
- भुना जीरा पाउडर, आधा छोटा चम्मच
- काला नमक, आधा छोटा चम्मच
- साधारण नमक स्वादानुसार
- नींबू का रस, 1 बड़ा चम्मच
- बारीक कटा हरा धनिया, 1 बड़ा चम्मच
- बारीक कटी हरी मिर्च, 1 (वैकल्पिक)

पारंपरिक विधि

एक बड़े बर्तन में सत्तू लें और उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए अच्छी तरह घोल लें, ताकि गुठलियां न रहें। अब बचा हुआ पानी मिलाएं। इसमें भुना जीरा, काला नमक, साधारण नमक और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं। ऊपर से हरा धनिया और चाहें तो बारीक कटी हरी मिर्च डालें। 5 मिनट के लिए रख दें, फिर ठंडा-ठंडा परोसें। मीठा सत्तू बनाने के लिए नमकीन मसालों की जगह स्वादानुसार गुड़ या मिश्री का घोल, थोड़ी इलायची और कुछ बर्फ के टुकड़े मिलाकर मीठा सत्तू शरबत भी बनाया जा सकता है।

पोषण लाभ

सत्तू में प्रोटीन और फाइबर अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करते हैं। यह शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा देने वाला पारंपरिक पेय है। गर्मी में पसीने के कारण होने वाली पानी और लवण की कमी को पूरा करने में सहायक हो सकता है। पाचन को बेहतर रखने और लंबे समय तक ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। बाजार के शक्करयुक्त कोल्ड ड्रिंक्स की तुलना में यह अधिक पौष्टिक और किफायती विकल्प है।

आयुष ,योग, और अध्यात्म से आरोग्य की ओर

शायोप्रस,एएएफ फाउण्डेशन द्वारा विश्व योग दिवस पर विश्व रिकार्ड बनाने हो रहा उमरिया तैयार

उमरिया (स्वतंत्रमत)

विश्व योग दिवस 21 जून वैश्विक महोत्सव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व आयुष मंत्रालय ,कोल मंत्रालय,भारत सरकार व कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय व कोयला एवं खान मंत्री जी.किशन रेडडी,उपभोक्ता संरक्षण मंत्री प्रहलाद जोशी जी ,कोल इण्डिया चौयरमेन बी.साईरामजी सीएमडी हरीश दुहनजी एसईसीएल तथा जोहिला क्षेत्र के महाप्रबंन्धक श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान जी,एएएफ मुम्बई,शायोप्रस के आव्हान पर शायोप्रस, एएएफ के स्वयंसेवक, युवावर्ग, खिलाड़ियों, वृद्वजन को योग के विभीन्न आयाम राज योग, हठ योग, प्राणायाम,मुद्रा योग, क्रिया योग, कर्मयोग, भक्तियोग, सुजोक के बारे में विस्तार से बताया। जोहिला क्षेत्र की ईकाईयों के कर्मचारियों, जिले के नागरिकों तथा शोसल मिडिया व प्रिंट मिडिया के द्वारा सम्पूर्ण विश्व के योग मित्रों को आवश्यक विश्व योग दिवस 21 जून को अमर शहीद स्टेडियम में करने तथा जो असमर्थ है उन्हे घर पर ही योगाभ्यास करने के लिये कारगर रूप से प्रेरित कर रहे है।तथा साथ ही फ्री टोल नम्बर 18003157008 पर काल कर रजिस्ट्रेशन कराकर योग मित्र बन कर निरक्षर अशिक्षित समुदाय को भी इससे अवगत कराने हेतु प्रेरित कर रहें है जिससे हमारा देश विश्व के 193 देशों के साथ एक बार फिर विश्व रिकार्ड बनाने को अग्रसर होगा। यह हमारे लिये गर्व का विषय है कि हमारी आरोग्य शास्त्र व वसुधैव कुटुम्बकम निती की अति प्राचीन विधा को हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा 27 सितम्बर 2014 को तर्कसंगत प्रस्ताव पर एक साथ 177 देशों ने यूएनओ में अपना समर्थन दिया और फिर यूएनओ द्वारा 21 जून को ही विशेष महत्वपूर्णता होने से विश्व योग दिवस घोषित किया, तब से निरंतर यूरोपीयन ,अफ्रीकन, मुस्लिम खाड़ी देश, ऐशियाई देश सब मिलकर योग कर रहें है। विगत वर्ष 177 देशों ने योगाभ्यास किया था तो इस बार विश्व योग दिवस के महोत्सव पर एक साथ रिकार्ड योगाभ्यास विश्व के 25,500 स्थलों पर किया जायेगा। हमारे देश में मुख्य आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति में कलकत्ता में होगा,जिसका सीधा प्रसारण भी किया जायेगा। शायोप्रस व एएएफ मुम्बई के प्रभारी व योगा,सुजोक एक्सपर्ट विजय कुमार जोशी ने कहा कि हम लोगों को बता रहे है कि योग व सुजोक जोड़ के आधार पर हाथों की हथेलियों पर स्थित सम्पूर्ण शरीर के महत्वपूर्ण बिन्दूओं पर दबाव देने से आपके हाथों,पैरो,पीठ,कमर की जकड़न समाप्त हो जाती है और सिर्फ पांच मिनट में आप असीम उर्जा शक्ति से भर जाते है और तब आप योग के सभी आयामों को आसानी से पूरा करने लायक बन जाते है। नियमित योग शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता ,इम्यून सिस्टम को व्यवस्थित करता है इसको नियमित दिनचर्या में अपनाने से आप हमेशा निरोग रह सकते है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने इस वर्ष विश्व योग दिवस की थीम स्वास्थ्य के लिए योग घोषित की है। मेडिकल साइंस, हौम्योपैथी, आयुर्वेद रोग होने पर कार्य करता है ,लेकिन योग आपको सभी रोगों से मुक्त रहने की दिशा प्रदान करता है। फ्रांस पेरिस की लिलियन क्लिमेंट, अगाथे कार्लोट, जर्मनी की इण्डियाना जो कि शारदा योग प्राकृतिक शोध संस्थान शायोप्रस में आकर योग सुजोक की पद्वतियों का प्रशिक्षण लिया उन्होने कहा कि हम सम्पूर्ण यूरोप या जहां भी जाते है योग की महत्वता बताते है।

मानसून में नहीं थमेगा पर्यटन, बांधवगढ़ में विकसित होंगी नई पर्यटन गतिविधियां

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून सीजन के दौरान पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार को एमपी टूरिज्म के व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज में हुआ। देशभर से आए पर्यटन विशेषज्ञों, होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंटों और अन्य हितधारकों की मौजूदगी में पर्यटन, वन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पर्यटन विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि जिला पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरपूर है, जिन्हें अभी पूरी तरह तलाशा जाना बाकी है। उन्होंने बताया कि मानसून काल में पर्यटन गतिविधियों में कमी आने से स्थानीय रोजगार प्रभावित होता है, लेकिन पर्यटन एवं वन विभाग के समन्वित प्रयासों से जिले में वर्षभर पर्यटन को सक्रिय रखा जा सकता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि उमरिया हवाई पट्टी के रनवे विस्तार की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जिससे भविष्य में व्यावसायिक उड़ानों का संचालन संभव हो सकेगा। कार्यशाला में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय ने बताया कि बांधवगढ़ को हाल ही में देश के सर्वश्रेष्ठ वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन का सम्मान मिला है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय होटल व्यवसायियों, गाइडों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को दिया। उन्होंने कहा कि 130 गांवों से घिरे बांधवगढ़ में बढ़ते वन्यजीव दबाव को चुनौती के साथ अवसर के रूप में भी देखने की आवश्यकता है, जो भविष्य में रोजगार सृजन का माध्यम बन सकता है।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर उत्सव गुप्ता ने किया पांच वर्षीय बच्ची के लिए रक्तदान

उमरिया (स्वतंत्रमत)

विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस हर साल 19 जून को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य इस आनुवंशिक रक्त विकार ष्जेनेटिक ब्लड डिसऑर्डरष् और दुनिया भर में प्रभावित लोगों पर इसके प्रभाव के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार सामान्य और गोल होने के बजाय हँसिये ष्सिकलष् या अर्धचंद्राकार हो जाता है, यह बीमारी विशेष रूप से आदिवासी समुदायों में सबसे आम है। इस बीमारी के प्रति जागरूकता, त्वरित निदान और उपचार के लिए सरकारें लगातार काम कर रही है, आज मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर खण्डवा में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। उमरिया व्यापारी संगठन के युवा समाजसेवी और जागरूक सदस्य उत्सव गुप्ता द्वारा सिकल सेल पीड़ित पांच वर्षीय बच्ची के लिए बी़ रक्तदान कर उनके इलाज में सहयोगी बने। आपका रक्तदान किसी को जीवन दान दे सकता है और किसी की मुस्कान.!

नल-जल योजना की बदइंतजामी उजागर, पानी की टंकी बनी शोपीस

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना था, लेकिन बालाघाट जिले के मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कान्हटोला में इस योजना की हकीकत सरकारी दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है। यहां लाखों रुपये की लागत से स्थापित की गई पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से दम तोड़ चुकी है और ग्रामीण आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार लगभग एक वर्ष पहले गांव में प्लास्टिक की पानी की टंकियां स्थापित कर पाइपलाइन बिछाई गई थी। योजना के तहत करीब 50 परिवारों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का दावा किया गया था, लेकिन शुरूआती दौर के बाद ही व्यवस्था चरमरा गई। वर्तमान स्थिति यह है कि पानी की टंकियां केवल शोपीस बनकर रह गई हैं। पानी की आपूर्ति बंद होने के कारण टंकियों के नीचे बने लोहे के ढांचों का उपयोग ग्रामीण अब जानवरों का भूसा (पैरा) रखने के लिए कर रहे हैं। विसंगी वाली बात यह भी है कि गांव में बिछाई गई पाइपलाइनें कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। घरों के बाहर लगाए गए नल कनेक्शन टूट गए हैं और सीमेंट के पिलर भी जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं। ऐसे में घर-घर पानी पहुंचाने की पूरी व्यवस्था निष्प्रभावी हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। जल संकट की भयावह स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गांव के लोग दो-दो और तीन-तीन दिनों तक स्नान नहीं कर पा रहे हैं। पेयजल की व्यवस्था के लिए पूरे गांव का निर्भरता एकमात्र हैंडपंप पर है। सुबह से लेकर देर शाम तक यहां पानी भरने वालों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। कई बार पानी भरने को लेकर ग्रामीणों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि जब यह हैंडपंप खराब हो जाता है तो प्रशासन की ओर से तत्काल कोई सहायता नहीं मिलती। मजबूर होकर गांव के लोग आपस में चंदा एकत्रित करते हैं और निजी स्तर पर उसकी मरम्मत कराते हैं। इसके अलावा कई परिवारों को खेतों में बने कुओं का पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित नहीं माना जाता। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जब नल-जल योजना शुरू हुई थी, तब उन्हें उम्मीद जगी थी कि वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान हो जाएगा और घर बैठे स्वच्छ पानी उपलब्ध होगा। लेकिन लापरवाही, निगरानी की कमी और कथित भ्रष्टाचार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। करोड़ों की योजनाओं और बड़े-बड़े दावों के बीच कान्हटोला के लोग आज भी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर नल-जल योजना को पुन- शुरू करने, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और नलों की मरम्मत कराने तथा गांव में स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। कान्हटोला की यह तस्वीर न केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि निगरानी और जवाबदेही के अभाव में विकास की योजनाएं किस तरह कागजों तक सीमित होकर रह जाती हैं।

कर्ज और जमीनी विवाद में बड़े भाई की हत्या, आरोपी छोटा भाई गिरफ्तार

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिले की हट्टा पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक के छोटे भाई को ही हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होता था, जिससे परेशान होकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, 16 जून 2026 की सुबह सेनानी चौक निवासी कुलदीप उदयपुरे अपने घर के आंगन में मृत अवस्था में मिले थे। उनके गले पर रस्सी या तार से कसाव के निशान पाए गए थे। घटना की सूचना मिलने पर हट्टा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं एसडीओपी लांजी प्रतीक्षा राठौर को तत्काल खुलासा करने के निर्देश दिए। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के परिजनों, बहन, भांजी और पड़ोसियों से गहन पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि कुलदीप उदयपुरे और उनके छोटे भाई के बीच आए दिन विवाद होता था। एसडीओपी प्रतीक्षा राठौर द्वारा परिजनों से भावनात्मक रूप से बातचीत कर विश्वास में लेने पर हत्या का राज खुला। पुलिस ने आरोपी छोटे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि बड़े भाई द्वारा आए दिन गाली-गलौज करना, उधारी लेना, काम नहीं करना और विवाद करना उसके लिए परेशानी का कारण बन गया था। इसी गुस्से में उसने 15 और 16 जून की दरम्यानी रात शराब के नशे में सो रहे बड़े भाई कुलदीप उदयपुरे का नारियल की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त नारियल की रस्सी भी बरामद कर ली है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अविनाश राठौर सहित हट्टा थाना पुलिस की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

सीएमआर चावल हेराफेरी मामले में जांच तेज दो राइस मिलर्स और ट्रांसपोर्टर से पूछताछ

बालाघाट। एफसीआई कोसमी से एथेनॉल प्लांट छिंदवाड़ा के लिए जारी किए गए शासकीय चावल की कथित हेराफेरी के मामले में पुलिस जांच लगातार तेज होती जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने निरंतर कार्रवाई करते हुए दो राइस मिलर्स हरपाल सोमानी और आकाश चावला के साथ एक ट्रांसपोर्टर शिवम सचदेवा को गर्रा क्षेत्र से हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू की है। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगो से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने कटंगी क्षेत्र से भी दो प्रभावशाली राइस मिलर्स को पूछताछ के लिए उठाया है। मामले की जांच पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही है, जिसमें लगातार नए तथ्य सामने आने की बात कही जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एथेनॉल प्लांट के लिए भेजे जाने वाले चावल की कथित कालाबाजारी और हेराफेरी के इस पूरे नेटवर्क में कई रसूखदार लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। चर्चा यह भी है कि इस गोरखधंधे में एफसीआई कोसमी, एथेनॉल प्लांट छिंदवाड़ा तथा परिवहन व्यवस्था से जुड़े कुछ कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां विभिन्न दस्तावेजों, परिवहन रिकॉर्ड और संबंधित पक्षों के बयान जुटाने में लगी हुई हैं। इधर, मामले में पूर्व में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी है, जिससे जांच को और गति मिलने की संभावना जताई जा रही है। यदि जांच निष्पक्ष और बिना किसी राजनीतिक दबाव के आगे बढ़ती है, तो इस बहुचर्चित चावल हेराफेरी मामले में कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। फिलहाल पुलिस अधिकारियों ने जांच जारी होने का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी साझा करने से परहेज किया है। जिलेभर की निगाहें अब एसआईटी की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। इनका कहना है- मामले की जांच की जा रही है, ट्रक संचालक के ब्यान के अनुसार पूछताछ के लिये कुछ और लोगो को भी बुलवाया गया है।

ग्राम पंचायत सुखदास में हो रहा है गुणवत्ता विहीन पंचायत भवन का निर्माण..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

क्षेत्रीय विकास को मद्दे नजर में रखते हुये पंचायत कार्यालयों में नवीन भवन बनवाने के लिये सरकार द्वारा अच्छा खासा बजट दिया जा रहा है, वही मौके पर देखा जाय तो पंचायत विभाग के प्रशास्निक जवाबदार और सरपंच के मिली भगत से शासकीय बजट में चूना लगाकर अपने पॉकिट गरम करने के फिराक में लगे रहते हैं.! जिले के मानपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुखदास में नये पंचायत भवन का निर्माण बड़े तेजी से हो रहा है, जिसके गुणवत्ता में कई प्रकार के प्रस्न वाचक चिन्ह के सांथ बड़े बड़े सवाल खड़े होते दिख रहे हैं। वही स्टीमेट को ताक में रखकर भवन का निर्माण करवाया जा रहा है! मौके पर सूचक और तकनीकी बोर्ड न लगाने से क्या कही कुछ छिपाने का कार्य किया जा रहा है.? बताया गया है कि लगभग 37.50 लॉख के लागत से पंचायत कार्यालय भवन का निर्माण हो रहा है और 12 एमएम से पतले सरिया का उपयोग हो रहा है। इस भवन के कॉलम बीम में 4 से 6 इंच के स्थान पर 10 से 12 इंच में रिंग लगाया जा रहा है, जहां सस्ता वाले लोकल घटिया हार्ड वाला लोहा, कमजोर ईंटा, मिट्टी युक्त रेत गिट्टी, सब से सस्ता सीमेंट जेसे सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है! वही छत वाले जाल में दो के जगह 6 से 8 इंच के फांसले में पतले सरिया डालकर जाल बिछाने का काम किया जा रहा है। इस भवन के निर्माण में प्लेंथ से लेकर छत तक सीमेंट का उपयोग इतना कम किया गया कि वह सीमेंट गिट्टी मुलायम हांथ द्वारा खरोंचने से झरने लगता है, जबकि नियमत: गुणवत्ता पूर्वर निर्माण कार्य पर लोहे के कील से खरोंच लगाने पर सीमेंट का मिक्सण झरना न चाहिये बल्कि खरोंच के जगह चमक वाला चिन्ह बनकर रह जाना चाहिये।वही ठेकेदार द्वारा बचत के लालच में चौखट, रोषनदान, खिड़की दरवाजा, लोकल घटिया किस्म के लोहा और चद्दर के लगवाये जा रहे हैं जिनकी उम्र 5 वर्ष तक टिकना असम्भव सा लगता है। प्लेंथ के गुणवत्ता का हाल तो पूरी तरह से दयनीय है, वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि डेढ़ लाख के लागत से बनने वाला गरीबों का पीएमआवास योजना का घर दो तीन पीढ़ी तक चलता है और पंचायत विभाग से बनने वाले भवनों का उम्र दो - पंचवर्षी तक नहीं टिक पाता है क्यों कि इनका निर्माण बजट चोरी के लालच में गुणवत्ता विहीन किया जाता है.! सूत्रों की माने तो निर्माण कार्य स्थल में स्टैक्कर बनवाने के अलावा उपयंत्री एसडीओ अथवा पंचायत के पदाधिकारियों का दर्सन तक कभी नहीं हुआ करता है, यहां के उपयंत्री जी के हौसले बुलंद सुने जाते हैं, इनका रूम उमरिया जिला के बाहर कटनी जिला में है और मकान उमरिया जिला मुख्यालय में है इसी तरह एसडीओ का निवास भी कार्य क्षेत्र के बाहर ही रहता है। वही सेटिंग्स से मुल्यांकन, पर्ची, बिल और एमबी का निर्माण और हस्ताक्षर, निर्माण कार्यों को बिना देखे अपने रूम से ही कर दिये जाते हैं.! वहीं क्षेत्र में जोरो की चर्चा है कि कई बार मांग किये जाने पर भी ऐसे निर्माण कार्यों के जांच और कार्यवाही होना संभव नहीं है, क्योंकि मिलीभगत, कमीशन का लालच और ऊपरी सेंटिग से सब मामला सेट हो जाता है.! इसी तरह के भृष्टाचार को मिटाने के लिये सरकार - प्रशासनिक अधिकारियों के स्थनातरण करती रहती है, जिसके बाद भी सक्त जांच, और कड़ी कार्यवाही होना और भृष्टाचार में ब्रेक लगना असम्भव दिख रहा है। वहीं ग्रामीणों का मानना है कि यदि किसी मार्गदर्शन के लिये अथवा जानकारी के लिये फोन से यदि क्षेत्रीय उपयंत्री अथवा नवागत सीईओ अथवा आरईएस के एसडीओ, ईई को फोन लगाया जाय ते उनके द्वारा कभी भी फोन नहीं उठाते हैं न ही कोई जवाब मिलता है ,जबकि क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक, सांसद, सम्भागायुक्त, कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम जैसे लोगों द्वारा सीघ्र फोन उठाकर त्वरित समस्या निवारण के कार्य किये जाते हैं जिससे लोगों में प्रशन्नता और विश्वास बना रहता है।

इनका कहना है

उक्त विषय पर सीघ्र ही जांच करवा कर स्थिति के अनुसार कार्यवाही करवाई जायेगी।

अभय सिंह, सीईओ,
जिला पंचायत उमरिया

हेलमेट चेकिंग के दौरान युवक का हंगामा खुद को बताता रहा सांसद प्रत्याशी

बालाघाट। शहर के कालीपुतली चौक पर यातायात पुलिस की नियमित वाहन चेकिंग के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। जहां एक युवक ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए जमकर हंगामा शुरू कर दिया। दरअसल, यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे संदीप सोनी को पुलिस ने रोक लिया। पुलिस द्वारा दस्तावेजों की जांच और चालानी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू किए जाने पर संदीप सोनी भड़क गया और मौके पर ही हंगामा करने लगा।

फोन नम्बर 07627-266254 (कार्या.)
Email (O)::jpmanuma-mp@nic.in

कार्यालय जनपद पंचायत मानपुर जिला उमरिया मध्यप्रदेश

पत्र क्र. / 1431 / ज. पंचा./ सा. न्याय / सा. वि./2026 मानपुर, दिनांक 19/06/2026

संशोधित विज्ञप्ति

जनपद पंचायत मानपुर का विज्ञप्ति क्रमांक 1288 / ज. पंचा/ सा.न्याय / सा. वि. / 2026 मानपुर दिनांक 11/06/2026 से विज्ञप्ति जारी कर इच्छुक फर्म / दुकानदार से सामग्री प्रदाय के लिए वर्तमान दरें दिनांक 18/06/2026 समय 03ः00 बजे तक विज्ञप्ति निविदा चाहा गया था। परन्तु निर्धारित तिथि तक निविदा प्राप्त नही हो सकी। अतः पुनः वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद पंचायत मानपुर में दिनांक 29/06/2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। इस आयोजन में उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भोपाल के पत्र क्र./1/246629/2025/26-2, भोपाल, दिनांक 29/04/2025 से जारी निर्देश कण्डिका '3' के अनुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत संभागवार जिलों में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मलित विवाह जोड़ा की न्यूनतम संख्या 11 एवं अधिकतम 200 जोड़ों की संख्या निर्धारित की गई है। निकाय अन्तर्गत निर्धारित संख्या से अधिक जोड़े सामिल नही किये जायेगें। जिसके लिए पण्डाल, भोजन व्यवस्था आदि का प्रशासनिक कार्य किया जाना है। निम्नानुसार कार्यों के लिये इच्छक फर्म/दुकानदारों से कार्यों की दर आमंत्रित की जाती है।

स.क्र.	कार्य का नाम
1	टेन्ट व्यवस्था
2	भोजन व्यवस्था
3	वर-वधु के लिये वैवाहिक पोषाक एवं अन्य सामग्री वर के लिए टोपी एवं कन्या के लिए मौर, मोरी, चुनरी, मगरोहन, कलश (दीपक सहित) बेदी, कुर्ता, पैजामा, साड़ी, पेटीकोट, ब्लाउज, दो माला, चार काली चूड़ी

उपरोक्त इच्छुक फर्म / दुकानदार सामग्री प्रदाय के लिए वर्तमान दरें दिनांक 26/06/2026 को सायं 03.00 बजे तक जनपद पंचायत मानपुर में आमंत्रित की जाती हैं, प्राप्त निविदा दिनांक 26/06/2026 को ही क्रय समिति द्वारा सायं 04.00 बजे खोली जावेगी। आयोजन मे लगने वाली आवश्यक सामग्री का प्रारूप कार्यालय जनपद पंचायत मानपुर से प्राप्त किया जा सकता है। संबंधित फर्म द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर के नामे रू. 10000 / - (शब्दों में दस हजार मात्र) की अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट कार्यों की वर्तमान दर के साथ बन्द लिफाफा में ही जमा करना अनिवार्य है. कार्य संतोषजनक पाये जाने की स्थिति में अमानत राशि वापस योग्य होगी। पृथक-पृथक कार्यों के लिए अमानत राशि पृथक-पृथक जमा करना अनिवार्य है।

(अंकित कुमार सीरोठिया)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर जिला उमरिया मध्य प्रदेश

मां नर्मदा के तट पर फैली गंदगी से नर्मदा प्रेमियों में आक्रोश

कहा- आए, नहाए-धोए, खाया-पिया और गंदगी करके चलते बने

मण्डला।

इन दिनों नर्मदाप्रेमी जमकर आक्रोशित हैं। नर्मदा तट और घाटों पर पूजा पाठ स्नान करने के लिए आने वाले आम नागरिक जमकर गंदगी फैला रहे हैं। साबुन सोडा का तो उपयोग करते ही हैं साथ ही यहां पर पन्नी थैला गंदे कपड़े जूता चप्पल बर्तन ही नही वाहन भी धुल रहे हैं। यह स्थिति प्राय: सभी घाटों में दिखाई दे रही है। कुछ घाट तो ऐसे हैं जिनकी नियमित सफाई भी नही हो पाती है। यह कचरा हवा तूफान के साथ नर्मदा नदी में जा रहा है। वहीं महिष्मति घाट के भी बुरे हाल बताए जाते हैं। लोग इतनी अधिक गंदगी घाट परिसर में फैला रहे हैं जिससे नर्मदाप्रेमियों में आक्रोश पनप रहा है कई समाजसेवी अपनी टीम के साथ सुबह पहर सफाई अभियान चलाकर नर्मदा तट को स्वच्छ करते हैं। लेकिन हर दूसरे तीसरे दिन स्थिति जस की तस बन जाती है। मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा और आस्था भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु नर्मदा तट पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं और पुण्य लाभ की कामना करते हैं। किंतु

जब यही श्रद्धा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी से विमुख हो जाती है तब वह चिंता का विषय बन जाती है। ऐसा ही कुछ हाल सोमवती अमावस्या एवं पुरुषोत्तम अमावस्या के अवसर पर माहिष्मती घाट में देखने को मिला दृश्य इसी चिंता को उजागर करता है। पर्यावरणविद् डॉ. सरिता अग्निहोत्री ने माहिष्मती घाट पर फैली गंदगी को देखकर गहरा दु:ख व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अपने लंबे अनुभव में उन्होंने ऐसा भयावह दृश्य पहले कभी नहीं देखा था। वहीं पर्यावरण प्रेमी राजेश क्षत्री ने अपनी टीम के साथ रोजाना घाट की सफाई कर रहे है उन्होंने कहा कि श्रद्धालु घरों से पूजा सामग्री लेकर आए विधि-विधान से पूजा की लेकिन पूजा समाप्त होने के बाद अधिकांश लोग सामग्री को घाट पर ही छोड़कर चले गए। परिणामस्वरूप घाट का पूरा क्षेत्र कचरे प्लास्टिक और विभिन्न प्रकार की पूजा सामग्री से पट गया। घाट पर नारियल की जटाओं के साथ पॉलीथिन और अन्य प्लास्टिक सामग्री को जलाया जा रहा था जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा था। आश्चर्य की बात यह रही कि आसपास मौजूद लोगों को इस स्थिति से कोई विशेष सरोकार नहीं दिखा। कई लोग उसी गंदगी के बीच स्नान कर रहे थे फोटो खिंचवा रहे थे और पूजा-अर्चना में लगे हुए थे। फैले कचरे में डायपर, सैनिटरी नैपकिन, प्लास्टिक की थैलियां, मूर्तियां, चूड़ियां, अक्षत, कपड़े और अन्य अपशिष्ट सामग्री बिखरी पड़ी थी। कई श्रद्धालुओं को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकांश लोगों ने बात को गंभीरता से नहीं लिया। चिंताजनक पहलू यह भी रहा कि पढ़ी-लिखी युवा पीढ़ी भी अनजाने में इस अव्यवस्था का हिस्सा बनती दिखाई दी।

मां नर्मदा केवल एक नदी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं। जब हम किसी पवित्र नदी के तट पर जाकर स्वयं गंदगी फैलाते हैं तो पूजा और श्रद्धा का वास्तविक उद्देश्य समाप्त हो जाता है। मां नर्मदा के दर्शन मात्र से पुण्य प्राप्त होने की मान्यता है ऐसे में दिखावे के लिए बड़ी मात्रा में सामग्री अर्पित कर घाट को प्रदूषित करना उचित नहीं कहा जा सकता। घाटों पर छोड़ी गई चूड़ियां और अन्य सामग्री कई बार श्रद्धालुओं के पैरों में चोट का कारण बनती हैं। मूर्तियों और प्लास्टिक कचरे का नदी तट पर छोड़ा जाना पर्यावरण और जैव विविधता के लिए भी खतरा है। स्वच्छता ही ईश्वर की सच्ची पूजा है और नर्मदा तट पर हजारों वर्षों से संत-महात्माओं की तपस्थली रही है इसलिए इसकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। प्रशासन से भी सवाल किया कि जब सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने के विरुद्ध नियम और जुर्माने का प्रावधान है तो उनका प्रभावी पालन क्यों नहीं हो रहा है। केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सख्त अनुशासन और दंडात्मक कार्रवाई भी की जानी चाहिए ताकि लोग अपनी जिम्मेदारी समझें। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि पूजा के बाद समस्त सामग्री को निर्धारित स्थान पर ही डालें प्लास्टिक का उपयोग कम करें और मां नर्मदा के तटों को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दें।

जिला कुश्ती संघ ने दी भावभीनी विदाई

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिला खेल अधिकारी विकास खराड़कर के नर्मदापुरम स्थानांतरण एवं लिपिक अरविंद पटले के बालाघाट स्थानांतरण होने पर जिला कुश्ती संघ द्वारा आभार एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने शॉल श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानपूर्वक विदाई दी। बता दें कि उनके खेलों के प्रति समर्पण कुशल प्रशासनिक नेतृत्व और खिलाड़ियों के हित में किए गए कार्यों की सराहना की। खेल अधिकारी श्री खराड़कर के कार्यकाल में जिले में कुश्ती सहित विभिन्न खेलों को नई दिशा और पहचान मिली खिलाड़ियों को बेहतर स ु वि ध ा ए ं प्रतियोगिताओं के आयोजन में सहयोग तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उनके प्रयास सदैव सराहनीय रहे। उनके मार्गदर्शन से जिले के अनेक खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मंडला का नाम रोशन कर रहे हैं। समारोह के दौरान जिला कुश्ती संघ जिलाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता, संयोजक सुमंत उपाध्याय, मध्यप्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला कुश्ती संघ सचिव संदीप कुमार कछवाहा वरिष्ठ मार्गदर्शक ओमप्रकाश चौकसे, उपाध्यक्ष वाजिद खान एवं कुलदीप सिंधिया जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी, शिवराज कछवाहा, अंबुज जायसवाल, क्रीड़ा भारती जिलाध्यक्ष योगेश कछवाहा, बलवीर उइके तथा पहलवान शिवकुमार सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों को शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए उनके योगदान के प्रति आभार प्रकट किया।

जन शिक्षण में योग प्रशिक्षण का शुभारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबन्ध मण्डल के सदस्य प्रदीप ढकरिया ने दीप प्रज्जवलित से किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को योग के प्रति जागरूक करना स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा योग प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार एवं स्वावलंबन के अवसर उपलब्ध कराना है कार्यक्रम में पतंजलि योगपीठ प्रमुख प्रशिक्षक दया शंकर ज्योतिषी ने योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण देते हुए उनके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। साथ ही योग प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर युवा आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं।

इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के निदेशक अखिलेश पाण्डेय ने संबोधित करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण केवल स्वास्थ्य संवर्धन तक सीमित नहीं है बल्कि इसके माध्यम से प्रतिभागी योग प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर स्वावलंबन और रोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं उन्होंने सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ लेने तथा इसे आजीविका से जोड़ने का आह्वान किया।

छात्राओं का तिलक से स्वागत

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर कक्षा नवमी के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक वंदन कर आत्मीय स्वागत किया गया। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को कक्षा में प्रवेश दिलाते हुए उन्हें नवीन सत्र की पाठ्यपुस्तकें नि:शुल्क वितरित की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विनोद क्छवाहा ने विद्यार्थियों को विद्यालय की गरिमा के अनुरूप अध्ययन करने की प्रेरणा दी। आरके हरदहा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रीता पाठक, रंजना पांडे, अपराजिता पाठक, सोनल अग्निहोत्री, सुजाता शर्मा, सारिका तिवारी, शालिनी साहू, कन्हैया बरमैया, प्रवीण अग्रवाल, आशीष बाजपेयी, मुकेश चौरसिया, विपिन लखेरा, अवधेश पांडेय समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

स्कूल परिसर में मिला गांजा का पौधा, मचा हड़कंप

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।

जिले के विकासखंड नारायणगंज अंतर्गत संचालित शासकीय एकीकृत हाईस्कूल परिसर में मुख्य द्वार के समीप कथित रूप से गांजा का पौधा लगे होने की सूचना सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सच्चाई सामने लाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के मुख्य गेट के पास एक पौधा लगा हुआ है जिसे कुछ लोगों द्वारा गांजा का पौधा बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक किसी सक्षम विभाग द्वारा नहीं की गई है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि यह वास्तव में गांजा का पौधा है तो यह गंभीर विषय है क्योंकि विद्यालय परिसर बच्चों की शिक्षा

और संस्कार का केंद्र होता है। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि वे स्वयं ऐसे पौधों की पहचान करने में सक्षम नहीं हैं इसलिए वन विभाग अथवा संबंधित विशेषज्ञों द्वारा इसकी जांच कराई जानी चाहिए। बिना वैज्ञानिक परीक्षण और विभागीय पुष्टि के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। सूत्रों के अनुसार मामले की जानकारी संबंधित विभागों तक पहुंचाई गई है। वहीं कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर और अन्य शासकीय संस्थानों के आसपास संदिग्ध पौधों की समय-समय पर जांच किए जाने की आवश्यकता भी जताई है। मांग है कि प्रशासन शिक्षा विभाग एवं वन विभाग संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर पौधे की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करें। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए। फिलहाल पूरे मामले की सत्यता विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

शिविर में हितग्राही लाभान्वित

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्र मत)। नगर परिषद बम्हनी बंजर में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर के समापन अवसर पर प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत लाभान्वित किया तथा आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसेवा सुशासन और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। जनकल्याण शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सरकार गरीब किसान महिला युवा एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए अनेक जनहितैषी योजनाएं संचालित कर रही है जिनका लाभ पात्र हितग्राहियों को समय पर मिलना चाहिए।

मास्टर ट्रेनर की मिली जिम्मेदारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बच्चों के अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत संस्था प्रत्येक द्वारा भोपाल में आयोजित दो दिवसीय मध्यप्रदेश एनजीओ मीट एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम टीओटी मे जिले के तीन प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है प्रशिक्षण के उपरांत अमल ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल महाराजपुर के कक्षा 10वीं के छात्र सोमेश गुप्ता, केन्द्रीय विद्यालय के कक्षा 10वीं के छात्र मयंक ज्योतिषी तथा परम्परागत जड़ी-बूटी एवं वैकल्पिक चिकित्सा विकास परिषद एवं अनुसंधान केन्द्र के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता को जिले में चाइल्ड पार्लियामेंट के प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर की जिम्मेदारी सौंपी गई है राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित बच्चों एवं एनीमेटर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय यूएनसीआरसी, सतत विकास लक्ष्य एसडीजी, बाल सहभागिता, नेतृत्व विकास तथा चाइल्ड पार्लियामेंट के गठन एवं संचालन से संबंधित विषयों पर व्यवहारिक एवं सहभागी प्रशिक्षण दिया गया आगामी नवंबर माह में नई दिल्ली में आयोजित नेशनल इनक्लूसिव चिल्ड्रन पार्लियामेंट में राज्य फोरम से चयनित प्रतिभागियों को सहभागिता का अवसर मिलेगा।

कटरा में बावड़ी उत्सव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर व सीईओ के मार्गदर्शन में जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

ड्राइवर महासंघ ने की सहायता

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश ड्राइवर महासंघ की मवई ब्लॉक शाखा ने सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए चालक आनंद किशोर टप्पो के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर संवेदनाओं का परिचय दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत घोंटा खम्हरिया विकासखंड मवई निवासी आनंद किशोर टप्पो का 18 मई को रायपुर-जबलपुर मार्ग पर ट्रक दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। मध्यप्रदेश ड्राइवर महासंघ की मवई घुघरी और बिछिया शाखा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के चालक साथियों द्वारा स्वैच्छिक सहयोग राशि एकत्रित की गई महासंघ के पदाधिकारियों ने घर पहुंचकर उनकी पत्नी यशोदा टप्पो को 4 हजार आर्थिक सहायता की।

श्री सिद्धेश्वर धाम में हवन-पूजन अनुष्ठान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के सुरंगदेवरी स्थित सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र श्री सिद्धेश्वर धाम में हवन-पूजन और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया इस दुर्लभ संयोग पर आयोजित महाअनुष्ठान में जिले सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं ने हिस्सा लिया और पुण्य लाभ कमाया सिद्धेश्वर धाम के साईं भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा के सानिध्य में सुबह तड़के 5 बजे से ही धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, उन्नति और लोगों को उनकी शारीरिक व मानसिक परेशानियों से निजात दिलाने के उद्देश्य से एक यज्ञ का आयोजन किया गया इस दौरान मुख्य यजमानों सहित उपस्थित श्रृद्धालुओं ने आहुतियां डालीं जिससे पूरा परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक जयकारों से गुंजायमान हो उठा श्री सिद्धेश्वर धाम में समय-समय पर ऐसे जन-कल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं। सिद्धेश्वर धाम के समीप विराजित संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज के दरबार में शुरू हुए इस अनुष्ठान का समापन भव्य महाआरती के साथ हुआ महाआरती में उपस्थित विशाल जनसमुदाय और मातृशक्ति ने एक साथ सम्मिलित होकर भगवान का आशीर्वाद लिया।

खनिज प्रतिष्ठान की बैठक सम्पन्न

मण्डला)।

कलेक्टर की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला खनिज प्रतिष्ठान डीएमएफ के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग, वार्षिक कार्ययोजना, लंबित निर्माण कार्यों की प्रगति तथा नवीन दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रीता एस.एम., मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, जिला खनिज अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे ।

जिला सलाहकार समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने मिलावटखोरी पर नियंत्रण तथा आगामी वर्षाकाल में जनस्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता मानकों के पालन तथा जनजागरूकता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी खाद्य प्रतिष्ठानों का अद्यतन डाटाबेस तैयार किया जाए जिले के सभी खाद्य ठेला व्यवसायियों होटल संचालकों एवं छोटे दुकानदारों के लिए 15 अगस्त तक विशेष खाद्य सुरक्षा जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।

नियमित हो रहा योग अभ्यास

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर जिलेभर में योग संबंधी गतिविधियों एवं अभ्यास सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। जिले के प्रमुख स्थलों पर प्रतिदिन योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योग दिवस के पूर्व जिले में विभिन्न योगासनों का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है जिनमें ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, भुजंगासन, गोमुखासन, वज्रासन, मकरासन, धनुरासन, नौकासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम आदि शामिल हैं।

कलेक्टर ने देखी पोषण वाटिका

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)

कलेक्टर ने मोहगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत कौआडोंगरी के ग्राम सकरी का भ्रमण किया यहां उन्होंने सफेद पलाश आजीविका स्व-सहायता समूह द्वारा मनरेगा के अभिसरण से संचालित सामुदायिक पोषण वाटिका का विस्तृत निरीक्षण किया कलेक्टर ने वाटिका में लगे आम के बगीचे जलकुंड अरहर की फसल सब्जी की क्यारियों, नाडेप पिट समेत अन्य गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया निरीक्षण के दौरान कलेक्टर समूह की महिलाओं के साथ वाटिका के भीतर बनी झोपड़ी में जमीन पर बैठे उन्होंने महिलाओं से वाटिका की जमीन तैयार करने से लेकर फलदार पौधों के रोपण, सब्जी उत्पादन के लिए बीज प्रबंधन और उत्पादित फसल के विक्रय के लिए बाजार व्यवस्था तक की बेसिक जानकारी ली वर्तमान में इस समूह से 12 दीदियां जुड़ी हैं और सभी मिलकर वाटिका का संचालन कर रही हैं भ्रमण के दौरान कलेक्टर वाटिका में लगे आम्रपाली आम और जामुन का स्वाद भी चखा और गुणवत्ता की सराहना की। इस अवसर पर एसडीएम घुघरी सचिन जैन, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा प्रदान संस्था की टीम मौजूद रही।

51 युवाओं का प्रारंभिक चयन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से नगरपालिका के सभागार में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्थानीय एवं निजी क्षेत्र की 6 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर युवाओं को रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान किए। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। रोजगार मेले में कुल 89 आवेदकों का पंजीयन किया गया। विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 51 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया, जबकि 8 युवाओं को अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित किया गया। इसके अलावा 2 हितग्राहियों को लाभ वितरण भी किया गया।

लगातार गायब हो रही है यात्री प्रतीक्षालयों की चादर

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले में सड़क किनारे यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय अब चोरों के निशाने पर हैं। विभिन्न स्थानों से इन प्रतीक्षालयों की लोहे की चादरें चोरी किए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं जानकारी के अनुसार हाल ही में कोतवाली थाना क्षेत्र में एक ऐसा मामला पुलिस के संज्ञान में आया है बताया जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के समीप रंगमंच के पास स्थित जवाहर वार्ड क्षेत्र में एक पिकअप वाहन पर यात्री प्रतीक्षालय से निकाली गई लोहे की चादरें लदी हुई देखी गईं पुलिस को इसकी सूचना मिलने के बाद मामले की

जानकारी तो हुई लेकिन आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए अब तक किसी औपचारिक शिकायत का इंतजार किया जा रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि जब मामला सरकारी संपत्ति की चोरी से जुड़ा है तो यह प्रश्न भी उठता है कि आखिर शिकायतकर्ता कौन बनेगा संबंधित विभागों और प्रशासन को स्वयं संज्ञान लेकर कार्यवाही करनी चाहिए ताकि सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों पर अंकुश लगाया जा सके सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर पदमी चौराहा स्थित बब्बू ढाबा के सामने बने यात्री प्रतीक्षालय तथा औघटखपरी क्षेत्र में निर्मित प्रतीक्षालयों की लोहे की चादरें भी गायब होने की जानकारी सामने आई है। इन घटनाओं के कारण यात्रियों को धूप, बारिश और अन्य मौसमीय परिस्थितियों से बचाव के लिए बनाई गई सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। यदि समय रहते इन चोरी की घटनाओं पर रोक नहीं लगाई गई तो सड़क किनारे बनाए गए कई यात्री प्रतीक्षालय धीरे-धीरे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जायेंगे।

संपादकीय

यह चोरी 'महापाप' है

अयोध्या के राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये तत्व राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम को अपनी अंतरिम रपट देनी है, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सवालिया, आरोपी महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बनकर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी। राम मंदिर में निर्माण समिति के अध्यक्ष के तौर पर नृपेन्द्र मिश्रा भी हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव होते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश और आशीर्वाद की बात कही है। क्या जांच दल को इनकी दरकार है? कुछ आरोपियों के घरों से लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई है। गोबर के ढेर के नीचे भी नकदी छिपा कर रखी गई थी, लेकिन दान-चोरी तो करोड़ों में बताई जा रही है!

प्रभु राम हमारे आराध्य हैं, मन-मन में बसे हैं, सदियों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का सपना साकार हुआ है, तो प्रभु के सानिध्य में ऐसे आरोपी कैसे और कब पैदा हो गए? यह सुरक्षा-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित तो कर दी, लेकिन जब प्राथमिकी ही दर्ज नहीं है, तो जांच टीम किस अपराध, किस चोरी अथवा आरोपों की जांच कर रही है? यह चोरी 'आर्थिक भीतरघात' भी है, क्योंकि आरोपित वे बताए जा रहे हैं, जो दान के नोटों की गिनती की रोजाना की प्रक्रिया और ऑडिट से जुड़े रहे हैं। नोटों की गिनती भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, सीसीटीवी की निगरानी में, करते रहे हैं। क्या मंदिर के भीतर ही एक 'संगठित गिरोह' ने आकार ले लिया है? कोई अकेला इतनी बड़ी चोरी नहीं कर सकता। बेशक यह चोरी 'महापाप' है। बहरहाल 2024-25 में राम मंदिर में कुल 327 करोड़ रुपए का दान या चढ़ावा आया। उसमें से दानपेटियों में ही करीब 153 करोड़ रुपए का दान आस्थावानों ने दिया। औसतन 12.75 करोड़ रुपए दान प्रति माह आया। अर्थात करीब 42 लाख रुपए रोजाना! यह कोई सामान्य राशि नहीं है। चूंकि जनवरी, 2024 में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। अत्यंत भव्य कार्यक्रम था। कई आंखें डबडबा रही थीं। इस पुण्य अवसर पर देश के प्रधानमंत्री और असंख्य साधु-संत उपस्थित थे। किसी ने ऐसी चोरी-डकैती की कल्पना तक नहीं की थी। यदि इन अढाई सालों में ही 200 करोड़ रुपए की चोरी-डकैती मान लें, तो उस हिसाब से करीब 27 लाख रुपए की हररोज चोरी की गई। यकीनन यह बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है, 2027 के विधानसभा चुनाव का बुनियादी मुद्दा भी बन सकता है।

फिर रूस पर शिकंजा कसने की तैयारी

पुष्परंजन

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं

जी-7 नेताओं का शिखर सम्मेलन आखिकार समाप्त हो गया। जी-7 के मंच पर उभयपक्षीय बातचीत के दौरान मोदी ने ट्रंप से कहा, 'भारतीय नाविकों की सुरक्षा ज़रूरी है।' मोदी ने यह भी कहा, कि उन्हें खुशी है भारतीय और अमेरिकी टीमें लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। मोदी ने 'अमेरिका के साथ संबंधों में नई गति और ऊर्जा' पर ज़ोर दिया। फ्रेंच आल्प्स के एवियन-लेस-बेन्स में होटल रॉयल में, जहां जी-7 समिट के लिए जर्मनी, कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, इटली, जापान, यूके और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि इकट्ठा हुए थे, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार सभी से कहा कि ईरान के साथ उनकी 'डील' 'ज़बरदस्त' थी। दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समूह में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

जी-7 में यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व है। बुधवार सुबह जारी एक बयान में, जी-7के नेताओं ने रूसी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने का संकल्प लिया। नेताओं के बयान में कहा गया, 'इस नई गति को समर्थन देने और तेज़ करने के लिए, हम एयर डिफेंस क्षमताएं, इंटरसेप्टर तथा लंबी दूरी की युद्धक क्षमताएं उपलब्ध कराने को बढ़ाने पर सहमत हैं। हम अपने प्रतिबंधों को और मज़बूत करेंगे, जिसमें तेल और गैस सेक्टर पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं।' यह बयान उस सकारात्मक माहौल को दर्शाता है जो मंगलवार को तब बना था जब जी-7 नेताओं ने अपने पहले आधिकारिक एजेंडे की शुरुआत करते हुए बैठक में सबसे पहले यूक्रेन पर चर्चा की थी। इस साल की बैठक के मेज़बान इमैनुएल मैक्रों ने शिखर सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की को आमंत्रित करके यह स्पष्ट कर दिया था कि यूक्रेन जी-7 के एजेंडे में सबसे ऊपर है। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ चल रहे तनाव में उलझा हुआ था। लेकिन उससे पहले ही, उनके प्रशासन ने यूक्रेन की मदद करने की ज़िम्मेदारी यूरोपीय सहयोगियों पर छोड़ दी थी, और ईयू ने इस ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाया है। 27 सदस्यीय ईयू यूक्रेन को सबसे ज़्यादा आर्थिक मदद देने वाला संगठन बन चुका है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान तेल की कीमतें कम करने के लिए रूस पर जो प्रतिबंध हटाए गए थे, उन्हें फिर से लागू किया जा सकता है, क्योंकि अब होर्मुज जलडमरूमध्य से ज़्यादा तेल की आवाजाही हो रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि 'रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करना चाहिए' और साथ ही कहा कि वह 'जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे।' यह उन यूरोपीय नेताओं के लिए अच्छी खबर थी जो यूक्रेन को समर्थन देने से जुड़े सवालों का सामना करने के लिए पूरी तैयारी के साथ आए थे। अमेरिकी प्रेस में लीक हुई कुछ जानकारियों से पता चलता है कि अमेरिका ईरानी तेल पर लगी पाबंदियां हटाने के लिए तैयार हो सकता है, जिससे ईरान को अपने फंड फिर से भरने का मौका मिलेगा। इसके बदले में ईरान को बस यह वादा करना होगा कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुद्दा जल्द ही 'पीछे छूट जाएगा', लेकिन अभी के लिए वह 'ईरान पर ध्यान केंद्रित' किए हुए हैं। जानकारों का कहना है कि रूस अब थकने लगा है। यूक्रेन की ड्रोन युद्ध क्षमता जैसे कि लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च करने की उसकी काबिलियत, जिसका इस्तेमाल उसने इस महीने की शुरुआत में सेंट पीटर्सबर्ग में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के लिए किया था, एक बड़ी वजह है जिसने उसे रूस द्वारा हासिल की गई बढ़त को पलटने में मदद की है। हालांकि, समिट से ठीक पहले, ट्रंप ने मीडिया और सोशल नेटवर्क दोनों पर जी-7 नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की हिम्मत पर सवाल उठाए और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ को सार्वजनिक रूप से सलाह दी कि वे अमेरिका की आलोचना करने के बजाय 'अपने बिखरते हुए देश पर ध्यान दें'।

उन्होंने यह भी धमकी दी थी कि अगर पेरिस, गूगल, एप्पल और अमेज़न जैसी अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर अपना डिजिटल टैक्स नहीं हटाता है, तो वे फ्रांसीसी वाइन और शैंपेन पर 100 फीसद टैरिफ लगा देंगे। पेरिस अपनी बात पर अड़े रहते हुए कैसे अपनी 'इज्जत बचाएगा', यह अभी साफ़ नहीं है। यह भी उम्मीद है कि ट्रंप अपने सहयोगियों पर ईरान के साथ भविष्य के समझौते से जुड़े खर्चों को बांटने के लिए दबाव डालेंगे। भारी कर्ज में डूबे देशों से ऐसा करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यह भी उतना ही अनिश्चित है।

अगस्त, 2025 में अलास्का के एंकरेज में ट्रंप ने रूसी नेता के लिए जो रेड कार्पेट बिछाया था, उसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब अमेरिकी राष्ट्रपति को आखिरकार अपने यूरोपीय सहयोगियों की उस सलाह पर ध्यान देना चाहिए जिसे वे लगातार दोहराते रहे हैं। उनका हमेशा से यही कहना रहा है कि ताकत का प्रदर्शन ही व्लादिमीर पुतिन को इस विनाशकारी और आक्रामक युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर कर सकता है, एक ऐसा युद्ध जो अब प्रथम विश्व युद्ध से भी ज़्यादा समय तक खिंच चुका है। अमेरिका और ज़्यादातर जी-7 सदस्यों के बीच इतने सारे मुद्दों पर मतभेद हैं, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा नीतियों से लेकर डिजिटल संप्रभुता तक। ये बयान जारी तो कर देंगे, लेकिन कि एवियन समिट से कोई ऐसा ठोस नतीजा निकलने की उम्मीद कम ही रही। ईरान युद्ध के समय ट्रंप जी-7 के सदस्यों को भरोसे में लेने में नाकाम रहे थे। फ्रांस की बैठक भी लीपापोती ही है। ईरान से छूटे, तो ट्रम्प अपने देश और दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर दोबारा शिफ्ट करना चाहते हैं। ईरान से युद्ध में पूरी दुनिया को कितना आर्थिक नुकसान हुआ? यह सवाल जी-7 में आये किसी नेता ने नहीं उठाया। सबके सब ट्रम्प की जी-हुजूरी में लगे रहे। विश्व के चुनींदा नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 समिट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कई अहम द्विपक्षीय बैठके कीं। इनमें सबसे खास थी 16 महीनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी पहली आमने-सामने की मुलाक़ात। इस वास्ते मैक्रों और मेलोनी ने माहौल बनाया था। पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्र में शांति पहल को आगे बढ़ाने के ट्रंप के प्रयासों की भी सराहना की। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी पर प्रकाश डाला, प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी रेखांकित किया। ट्रंप बोले, 'फ्रांस में हमारी कुछ शानदार बैठकें हुईं... यह एक जी-7 है। और फिर हमारे पास एक जी20 आ रहा है। हम व्यापार सौदे कर रहे हैं... संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच बहुत-सी चीजें हो रही हैं। हमारे बीच हमेशा अच्छे रिश्ते रहे हैं। पीएम मोदी 'शांत', और 'कूल' स्वभाव के हैं।' ट्रंप के साथ मोदी की इस बातचीत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए।

महंगाई के दौर में कितनी सस्ताई

इन दिनों में महंगाई का शोर इतना है जनाब कि बेचारी सस्ताई की बात कोई सुन ही नहीं रहा है। महंगाई के सामने सस्ताई का हाल वैसा बिल्कुल भी नहीं है, जैसे झूठ के सामने सच का हो जाता है या जैसे दबंग के सामने कमजोर का हो जाता है। सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए। अब यह जिद देखिए साहब कि जब यह कहा जा रहा है कि हमारे देश में चुनाव बड़े महंगे हो गए हैं और कि जब तक करोड़ों क्या, हजार करोड़ न हों, कोई चुनाव लड़ ही नहीं सकता। उसी दौर में बंगाल में मोदीजी ने दस रुपये की झालमुड़ी खाकर अपनी पार्टी को चुनाव जितवा दिया। इससे ज्यादा सस्ताई और क्या आएगी बताइए। रही भाजपा की बात, तो भैया चित्त भी उसकी और पट भी उसकी। करोड़ों-अरबों का चंदा भी उसका और दस रुपये की झालमुड़ी भी उसकी। अब आगे देखिए लोग कह रहे हैं कि जनाब यह ऐसा दौर है कि जब तक हजार-पांच सौ करोड़ अंटी में न हों, तब तक कोई राजनीतिक पार्टी बना ही नहीं सकता। लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में पार्टी बना रहे हैं। वहां एक दिन विधायक इकट्ठे होते हैं और घोषणा कर देते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और उनकी पार्टी बन भी जाती है। फिर एक दिन सांसद कहते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और पार्टी बन भी जाती है। जब इस दौर में हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि भैया घोड़ामंडी में सांसदों और विधायकों की कीमत सौ-पचास करोड़ से कम कतई नहीं होती, उस दौर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में मिल रहे हैं। ले लो कोई भी ले लो, ममता दीदी को छोड़कर। सस्ताई की हालत तो यह है जनाब कि एक रुपये की टॉफी से भी सफल कूटनीति की जा सकती है। इसके लिए करोड़ों रुपये फूंकने की कतई ही जरूरत नहीं। बस शर्त यही है कि वह टॉफी मैलोडी हो और सामने मैलोनी हों। बल्कि इधर तो शिक्षक भी कौड़ियों के भाव मिलने लगे हैं। और शिक्षक भी कौन एकदम स्टार शिक्षक-आईएएस और आईपीएस बनाने वाले। जी यह बात कुछ पत्रकारों ने बताई। जाहिर है यह राज खोलने वाले पत्रकार भी कोई छोटे-मोटे स्टार नहीं है। इस पर शिक्षकों ने पलटकर पत्रकारों से कहा कि अगर हम कौड़ी के हैं तो तुम फूटी कौड़ी के हो। हालांकि, वे एक-दूसरे पर मुकदमे करोड़ों की मानहानि के ही कर रहे हैं। पर सस्ताई तो है न जी। नहीं?

- सहीराम

बंधक मन और फुर्सत

जब से आपने काम करना शुरू किया है, आपका दिमाग सालों से ओवरटाइम कर रहा है, तब भी जब आप छुट्टी पर होते हैं। ज़्यादातर लोगों के लिए काम के बाद एक नॉर्मल शाम कुछ ऐसी होती है- आपके बच्चे बातें कर रहे होते हैं। आपका पार्टनर अपने दिन के बारे में बता रहा होता है। आप सिर हिला रहे होते हैं, लेकिन आपका दिमाग अभी भी उस मीटिंग रूम में होता है। परिवार के साथ डिनर कर रहे हैं, मगर मन ही मन अपने मैनेजर की कही बात दोहरा रहे हैं। छुट्टी पर गए हैं परंतु व्हाट्सएप और ईमेल चेक करने से बाज नहीं आते, स्वयं से ही बहाना बनाते हैं कि 'बस ज़रा-सा ही तो देखा है' का बहाना। सोने की कोशिश करते हैं परंतु मन ही मन कल की सोच रहे होते हैं। बाहर से, आप ठीक दिखते हैं। आपके पास नौकरी है, घर है, फ़ोन है, ज़िंदगी 'ठीक-ठाक' दिखती है। मगर अंदर, आपका नर्वस सिस्टम अपना स्विच ऑफ़ करना भूल गया है। एक ऐसी कीमत है जो आपकी पेस्लिप पर कभी नहीं दिखती। आपका ध्यान। आपकी नींद। जिन लोगों से आप प्यार करते हैं उनके साथ आपका सब्र। बिना कमाए खुशी महसूस करने की आपकी काबिलियत। इसलिए आप शांत इशारों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। जिस तरह आप छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाते हैं। जिस तरह आपका शरीर कभी हल्का महसूस नहीं करता, रविवार दोपहर को भी नहीं। एक समय पर, यह काम के बारे में होना बंद हो जाता है। यह एक नर्वस सिस्टम बन जाता है जिसे अब याद नहीं रहता कि जब कुछ भी गलत न हो तो सुरक्षित कैसे महसूस किया जाए। दरअसल, यह प्रोडक्टिविटी नहीं है। यह क्रोनिक सर्वाइवल है। वर्ष 2025 में, पूरे भारत में 500 से ज़्यादा लोग जो अलग-अलग लेवल पर इसी तरह के रूटीन से गुज़र रहे थे, ऐसे लोगों को लेकर एक किताब आई है। इसके ज़रिए एक पैटर्न देखा गया कि अलग-अलग वेतन, अलग-अलग शहर, अलग-अलग कहानियां हैं सबकी, परंतु बदलाव के लिए सभी लालायित हैं। दिमाग 24 गुणा सात काम कर रहा है, और शरीर को अब घर लौटने की आदत नहीं रही। अच्छी खबर यह है कि आपका सिस्टम इसे फिर से सीख सकता है। आपको दिन में सिर्फ़ पांच से दस मिनट, छोटी-छोटी रेगुलर आदतें चाहिए, और ज़िंदगी अंदर से बाहर तक अलग लगने लगती है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह सब तब हो सकता है जब आप रिलैक्स रहें।

- अलकनंदा सिंह

अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

दिनेश भारद्वाज

कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी। अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा। भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस

स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है। सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं। सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे-धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया। अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है। यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेत की तरह पढ़ता है। क्योंकि किसी होममेकर का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी अनुपस्थिति दर्ज की जाए। उसका मूल्य उस दिन पहचाना जाना चाहिए जब वह हर दिन बिना किसी पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को चलाने के लिए उपस्थित होती है। किसी समाज की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि वह श्रम का कितना भुगतान करता है। यह फैसला उन महिलाओं के लिए सामाजिक स्वीकृति है, जिनकी उपस्थिति से घर केवल चलता नहीं बल्कि आकार लेता है। और शायद इसकी सबसे बड़ी शक्ति भी यही है। अदालत ने अपने हिस्से का निर्णय दे दिया है। अब समाज को अपने हिस्से का उत्तर देना है।

न्याय के तराजू पर मशीनों की लाचारी

डॉ. सुधीर कुमार

लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं

हाल ही में चर्चित हस्तियों और मीडिया जगत में 'नार्को टेस्ट' की मांग को लेकर छिड़ी बहस ने तकनीक की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। रौशन आनंद द्वारा खान सर (उर्फ फैजल खान) के संदर्भ में की गई नार्को टेस्ट की मांग, जन-मानस के उस भ्रम को दर्शाती है कि तकनीक ही अपराध का अंतिम समाधान है। लेकिन, न्याय के तराजू पर क्या मशीनें वास्तव में मानवीय सत्य को तोलने में सक्षम हैं?

हाल के वर्षों में निचली अदालतों ने हाई-प्रोफाइल मामलों में पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति देने में अत्यधिक सावधानी बरती है, जिसमें 'श्रद्धा वाकर हत्याकांड' भी चर्चा का विषय रहा। कानूनी जानकारों और अदालतों का स्पष्ट मत है कि पॉलीग्राफ से प्राप्त मशीनी डेटा 'साक्ष्य' नहीं, बल्कि केवल जांच को दिशा देने वाली 'सहायक सामग्री' है। भारत के 'आरुषि तलवार हत्याकांड' ने यह सिद्ध किया कि ऐसे परीक्षण वैज्ञानिक रूप से निर्णायक नहीं होते और इनके विरोधाभासी परिणाम जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं। सच कड़वा होता है, लेकिन झूठ का नकाब ओढ़ना आसान है। अक्सर 'पॉलीग्राफ' को झूठ पकड़ने का अचूक हथियार माना जाता है, जबकि कानून और मनोविज्ञान के नजरिए से यह अत्यंत विवादास्पद है। मनोविज्ञान के अनुसार झूठ पकड़ना विज्ञान नहीं बल्कि एक कला है; फिल्मों में पसीना आना या नज़रें चुराना झूठ की निशानी माना जाता है, पर असल जीवन में यह घातक हो सकता है। मनोविज्ञान में इसे 'ओथेलो एरर' कहा जाता है - जहां एक निर्दोष व्यक्ति का स्वाभाविक डर, पसीना आना या घबराहट जांचकर्ताओं को 'झूठ' का प्रमाण प्रतीत होता है। याद रहे, मशीनें केवल शारीरिक तनाव को मापती हैं, मानवीय संवेदनाओं या सत्य को नहीं। 'कॉग्निटिव लोड' की पहचान केवल एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ का काम है, किसी जादुई मशीन का नहीं। ठीक यही स्थिति पूछताछ के दौरान होती है; एक निर्दोष व्यक्ति भी पुलिस के माहौल, पूछताछ के दबाव या अपनी प्रतिष्ठा खोने के डर से घबरा सकता है, पसीना छोड़ सकता है या उसकी हृदय गति बढ़ सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्ड्रिच एम्स (सीआईए अधिकारी एवं सोवियत जासूस) और 'बीटीके किलर' (डेनिस राडर) जैसे मामले यह स्पष्ट करते हैं कि पॉलीग्राफ परीक्षण पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। एल्ड्रिच एम्स जैसे जासूसों ने तनाव नियंत्रित कर पॉलीग्राफ को वर्षों तक छला, जबकि बीटीके किलर जैसे अपराधियों को डीएनए और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे ठोस साक्ष्यों ने ही बेनकाब किया। स्पष्ट है कि पॉलीग्राफ केवल एक 'संभावना' जता सकता है, निश्चितता नहीं। प्रशिक्षित अपराधी अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर काबू पाकर इन मशीनों को आसानी से विफल कर सकते हैं, अत: ये तकनीकें कभी भी सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हो सकतीं।

सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पॉलीग्राफ, नार्को-एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग जैसे परीक्षण व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते। कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत प्राप्त 'आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार' का उल्लंघन माना है। इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने या खुद को दोषी ठहराने वाले बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कानूनन इन परीक्षणों के परिणाम सीधे 'साक्ष्य' नहीं माने जा सकते; इन्हें केवल जांच में दिशा देने वाले एक 'सुराग' के रूप में ही इस्तेमाल किया जा सकता है; विशेषकर डिजिटल युग में, जहां व्यक्तिगत डेटा और मस्तिष्क की निजता पर बड़ा संकट है, नार्को-एनालिसिस जैसे परीक्षणों को विज्ञान की आड़ में अनैतिक प्रयोग बनने से रोकना, न्यायपालिका की सर्वोपरि जिम्मेदारी है।

कनाडा के सुप्रीम कोर्ट ने इसे भ्रमित करने वाला मानकर खारिज किया है, तो इस्राइल में इसे दीवानी मामलों में अमान्य करार दिया गया है। यूरोप में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है, जबकि अमेरिका और जापान जैसे देशों में इसकी भूमिका बेहद सीमित है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इन परीक्षणों में वैधता का अभाव है, जिसके कारण इन्हें अक्सर 'छद्म विज्ञान' की श्रेणी में रखा जाता है।

पॉलीग्राफ मशीनों की बड़ी सीमा यह है कि वे 'सच' नहीं, केवल हृदय गति जैसे 'शारीरिक तनाव' को मापती हैं, जिसका कारण घबराहट या पुरानी यादें भी हो सकती हैं। यह एक 'फॉल्ट डिटेक्टर' है, न कि 'ट्रुथ डिटेक्टर', क्योंकि प्रशिक्षित अपराधी आसानी से अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर इसे विफल कर सकते हैं। अत: वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टि से ये मशीनें सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हैं; इसके विपरीत, एक अनुभवी विशेषज्ञ ही अपराधी के उन सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक संकेतों और व्यावहारिक बारीकियों को पकड़ सकता है, जिन्हें छिपाना लगभग असंभव होता है।

मशीनों पर आंख मूंदकर विश्वास करना न्याय की मूल भावना के लिए खतरनाक है। हालांकि तकनीक जांच में एक उपयोगी 'सहायक' हो सकती है, लेकिन मशीनें मानवीय संवेदनाओं और जटिल परिस्थितियों को समझने में अक्षम हैं, इसलिए उन्हें 'अंतिम निर्णायक' नहीं माना जाना चाहिए। न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फॉरेंसिक मनोविज्ञान और 'व्यवहार विश्लेषण' पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। जब जांच में मशीनी डेटा के साथ अनुभवी मनोवैज्ञानिक का विवेक जुड़ता है, तभी परिणाम अधिक विश्वसनीय, तर्कसंगत और मानवीय होते हैं।

यह समय जांच की मानवीय प्रणाली को उन्नत करने का है। यदि हम न्याय को केवल एक 'अल्गोरिद्म' के हवाले कर देंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब 'तथ्य' तो सुरक्षित रहेंगे, लेकिन 'न्याय' अपनी आत्मा खो देगा। एक मशीन यह तो बता सकती है कि अपराधी का हृदय कब और कितनी तेज़ धड़का, लेकिन केवल एक विवेकपूर्ण मस्तिष्क ही यह तय कर सकता है कि उस धड़कन के पीछे अपराध की ठंडी साजिश थी या मासूमियत का भय।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्ति के लिए प्रारंभिक समझौता

अभी बाकी है असली परीक्षा

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान ने लंबे समय से जारी संघर्ष और युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

हालांकि, इस शुरुआती सफलता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच अंतिम सहमति तक पहुंचने के लिए आगे का रास्ता काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कई जटिल और कठिन मुद्दों पर अभी भी विस्तृत बातचीत होनी बाकी है।

दरअसल, एक तरफ जहां राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इसे ईरान का बिना शर्त आत्मसमर्पण करार देते हुए अपनी असीमित सैन्य शक्ति का दावा किया है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटरों और इजरायल की तरफ से इस समझौते की तीखी आलोचना की जा रही है।

अमेरिका-ईरान के बीच अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों की समय-सीमा शुरू हो गई है। उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने कहा कि वह ईरान के साथ अमेरिकी वार्ता टीम का नेतृत्व करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस के अनुसार, वैंस अब स्विट्जरलैंड की यात्रा नहीं कर रहे हैं , क्योंकि तकनीकी वार्ता की योजना को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर ने कहा कि वे अलग विचार रखने के बावजूद अमेरिका-ईरान समझौते पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी। अमेरिका और ईरान समझौते को लागू करने के लिए गुप्त प्रस्तावों को तैयार करने पर काम कर रहे हैं।

अमेरिका ने ईरान को समझौते के लिए राजी तो कर लिया है, लेकिन ईरान ने यह भी शर्त रखी है कि वह यह समझौता तभी करेगा, जब इजरायल लेबनान पर हमला नहीं करेगा। लेकिन इसके बावजूद इजरायल अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है और लेबनान पर लगातार हमले कर रहा है, जिससे अमेरिका-ईरान के बीच होने वाली यह डील अधर में अटक सकती है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायल के हमले की आलोचना करते हुए कहा कि इससे ईरान के साथ बातचीत में बाधा उत्पन्न हुई। वहीं, इस समझौते को लेकर इजरायल की नाराजगी की खबरों के जवाब में वैंस ने कहा, अगर मैं इजरायली सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो शायद मैं दुनिया में बचे अपने इकलौते शक्तिशाली सहयोगी पर हमला नहीं करता। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को सभी मोर्चों पर पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद है और उन्होंने मध्य पूर्व में सभी से अपनी प्रतिबद्धताओं को निभाने का आह्वान किया।

इजरायल पीछे हटने को राजी नहीं

गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 से मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के बीच लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों की तत्काल और स्थायी समाप्ति का आह्वान किया गया है। लेकिन इजरायल ने एक बार फिर शपथ ली है कि वह लेबनान से पीछे नहीं हटेगा । अगर इजरायल ऐसा करता है तो ईरान फिर जवाबी कार्रवाई कर सकता है और इसके कारण यह समझौता मुश्किल में घिर सकता है। ईरान के सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि उन्होंने अमेरिका के साथ हुए प्रारंभिक समझौते को अपनी मंजूरी दे दी है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते पर उनका दृष्टिकोण अलग था। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी पर प्रसारित एक संदेश में खामेनेई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हताशा में आकर इस परिणाम को प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के दबाव और प्रलोभन का सहारा लिया।

झारखंड में हेमंत सोरेन ने भी बिगाड़ा कांग्रेस का गेम

नई दिल्ली/रांची

झारखंड की दो राज्यसभा सीटों पर हुए चुनाव में इंडिया ब्लॉक के पास पूरे वोट होने के बाद भी कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को करारी मात खानी पड़ी है। वहीं, नंबर गेम में कमजोर होने के बाद भी बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवानी राज्यसभा चुनाव जीतने में कामयाब रहे। राज्यसभा चुनाव के नतीजे सिर्फ दो सांसदों के चुनाव का परिणाम नहीं है। ये विधानसभा के भीतर राजनीतिक रिश्तों, गठबंधन प्रबंधन, भरोसे और रणनीतिक कौशल की भी परीक्षा थी। 56 विधायकों के साथ इंडिया ब्लॉक के पास राज्यसभा की दोनों सीटें जीतने के लिए जरूरी संख्या मौजूद थी, लेकिन उसके बाद भी एक ही सीट जीत सकी और एक पर हार का सामना करना पड़ा है। झारखंड में इंडिया ब्लॉक का जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी, माले और लेफ्ट हिस्सा है और सत्ता में भी है। कांग्रेस ने अपने इन्हीं सहयोगियों के सहारे राज्यसभा चुनाव जीतने का तानाबाना बुना था, पर आरजेडी और माले ही नहीं बल्कि हेमंत सोरेन की पार्टी जेएमएम ने खेला कर दिया। झारखंड में इंडिया गठबंधन कहीं अब टूट न जाए? झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। जेएमएम से बैजनाथ राम और कांग्रेस से प्रणव झा तो निर्दलीय तौर पर परिमल नथवानी उम्मीदवार थे। नथवानी को बीजेपी सहित एनडीए का समर्थन था। 56 विधायकों के साथ इंडिया गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या थी जबकि एनडीए के 24 विधायकों के साथ नथवानी को चार विधायकों के वोट की अतरिक्त जुगाड़ थी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास पर विधायकों की बैठकें हुईं, मॉक पोल कराया गया, विधायकों को मतदान की तकनीकी भी सिखाई गई और सार्वजनिक रूप से एकजुटता का दावा किया गया, लेकिन नतीजों ने इन सारे दावे को पोल खोल दी। इंडिया ब्लॉक के विधायकों की क्रॉस वोटिंग के चलते कांग्रेस के प्रणव झा को मात खाना पड़ा। राज्यसभा चुनाव में जेएमएम प्रत्याशी बैजनाथ राम और बीजेपी समर्थित परिमल नथवानी जीतने में कामयाब रहे। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने इंडिया ब्लॉक की कलाई खोलकर रख दी है। क्या इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने वास्तव में कांग्रेस का साथ नहीं दिया? वहीं, अगर सहयोगियों ने साथ दिया तो फिर वोट कहां गए? झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू कहते हैं कि आरजेडी और माले के विधायकों ने हमारे साथ धोखा कर दिया। उन्होंने हमारे कैंडिडेट को वोट नहीं दिया।

यूक्रेन ने नए सुसाइड ड्रोन से किया मॉस्को पर हमला

कीव

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा संघर्ष अब एक बेहद आक्रामक और तकनीकी मोड़ पर पहुंच चुका है। 18 अप्रैल 2026 को यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को को निशाना बनाते हुए अपने अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इस भीषण हमले में सबसे मुख्य निशाना मॉस्को के कपोत्न्या इलाके में स्थित रणनीतिक ऑयल रिफाइनरी थी। इस हमले की सबसे खास और चौंकाने वाली बात यह रही कि इसमें यूक्रेन के बिल्कुल नए और स्वदेशी सिचेन कामिकाजे ड्रोनों के एक बड़े झुंड को देखा गया। कम से कम 6 सिचेन ड्रोन एक के बाद एक बेहद कम ऊंचाई पर उड़ते हुए सीधे मॉस्को ऑयल रिफाइनरी की तरफ बढ़ते दिखाई दिए, जिसने रूस के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले हवाई क्षेत्र की कमियों को उजागर कर दिया है। मॉस्को की यह ऑयल रिफाइनरी रूस के लिए बेहद महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचा है, जो राजधानी की लगभग 40 प्रतिशत पेट्रोल और आधे से अधिक डीजल की जरूरतों को पूरा करती है। सुबह हुए इस हमले में यूक्रेन के ड्रोनों ने रिफाइनरी की सुरक्षा के लिए तैनात कई पंतसिर एयर डिफेंस सिस्टम को छकाते हुए सीधे मुख्य फ्यूल टैंकों पर सटीक प्रहार किया। धमाके इतने जोरदार थे कि रिफाइनरी के एक बड़े हिस्से में भीषण आग लग गई और आसमान में काले धुएं का विशाल गुबार छा गया। इस हमले ने न केवल रूस के फ्यूल सिस्टम को चोट पहुंचाई है, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी मॉस्को के नागरिकों को युद्ध की गंभीरता का अहसास कराया है, जो अपने घरों की खिड़कियों से इन घातक आत्मघाती ड्रोनों को उड़ते देख रहे थे।

योगी को खून से खत लिखने वाले फलाहारी बाबा पर एफआईआर

मथुरा

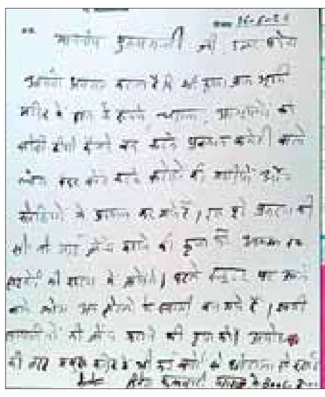

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी कथित चोरी की जांच जारी रहने के बीच अब हाल में मथुरा के श्री कृष्ण जन्मस्थान में प्राप्त होने वाले चढ़ावे की भी सीबीआई जांच कराने की मांग उठी। हाल में हिंदूवादी नेता दिनेश फलाहारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने खून से पत्र लिखकर इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी से कराने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री कृष्ण जन्मस्थान परिसर में पिछले कई वर्षों से लगातार चांदी की चोरी की घटनाएं होती रही हैं, इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। इस सब के बाद अब श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने फलाहारी महाराज के खिलाफ गोविंद नगर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए उन पर धोखाधड़ी, उगाही और संस्थान की छवि धूमिल करने की कोशिश करने के आरोप लगाए हैं। श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के उप प्रबंधक अनुराग पाठक ने गोविंद नगर थाने में दी गई शिकायत में कहा है कि दिनेश शर्मा, जिन्हें दिनेश फलाहारी महाराज और फलाहारी बाबा के नाम से भी जाना जाता है, धोखाधड़ी से जुड़े कई मामलों में शामिल रहे हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास नाम से एक ट्रस्ट बनाया, जिसका नाम जन्मस्थान से जुड़े पंजीकृत ट्रस्टों से काफी मिलता-जुलता है। इससे श्रद्धालुओं और दानदाताओं के बीच भ्रम पैदा होने की आशंका रहती है। शिकायत के अनुसार, इस ट्रस्ट के माध्यम से एकत्र की गई दान राशि का कथित तौर पर व्यक्तिगत उपयोग किया गया। संस्थान का यह भी आरोप है कि जब कुछ लोगों ने इन गतिविधियों का विरोध किया तो फलाहारी महाराज ने यह मान लिया कि इसके पीछे सेवा संस्थान का हाथ है। इसके बाद उनके सहयोगियों द्वारा संस्थान से जुड़े लोगों को कथित रूप से धमकियां दी गईं। शिकायत में दावा किया गया है कि संस्थान के खिलाफ झूठी शिकायतें दर्ज कराने और सोशल मीडिया तथा मीडिया के माध्यम से बदनाम करने की धमकी देकर 20 लाख रुपये की उगाही करने का प्रयास किया गया। अनुराग पाठक का कहना है कि जब संस्थान ने इन मांगों को स्वीकार नहीं किया तो उनके खिलाफ सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए जाने लगे। वहीं, शिकायत में लगाए गए आरोपों पर फलाहारी महाराज की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एनकाउंटर में 50 हजार का इनामी बदमाश ढेर

हापुड़। हापुड़ नगर और देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात बुलंदशहर रोड और ग्राम गोदी के पास चेकिंग के दौरान घेराबंदी कर 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश श्याम को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। आरोपी ने 1 जून की रात उद्योगपति नरेंद्र अग्रवाल के परिवार को बंधक बनाकर करोड़ों की डकैती को अंजाम दिया था और तब से फरार चल रहा था। पुलिस की रोकने की कोशिश पर बदमाश ने मोटरसाइकिल से भागते हुए ट्यूबवेल की आड़ लेकर जान से मारने की नियत से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल बदमाश की अस्पताल में मौत हो गई। हापुड़ नगर पुलिस टीम बुलंदशहर रोड पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक मोटरसाइकिल सवार आता हुआ दिखाई दिया, जिसने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तुरंत उसका पीछा किया और वायरलेस पर मैसेज फ्लैश किया। संदेश मिलते ही हापुड़ देहात पुलिस टीम ने घेराबंदी की और बदमाश को ग्राम गोदी की तरफ से घेर लिया। खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। बदमाश की तरफ से हुई इस फायरिंग में हेड कांस्टेबल मनोज कुमार घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें इनामी बदमाश श्याम गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे तुरंत उपचार के लिए सरकारी अस्पताल सीएचसी लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खेत में करंट लगने से दो किसानों की मौत

अमेठी

करंट की चपेट में आने से दो किसानों की मौत हो गई। जिसकी सूचना लगते ही परिवारजन का रो रो कर बुरा हाल है। फिलहाल परिवारजन ने पुलिस को सूचना नहीं दी है। जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के हरपालपुर गांव निवासी 50 वर्षीय हीरालाल लोध का गांव के बाहर खेत है।

शुक्रवार सुबह धान की बैरन में सिंचाई करने के लिए खेत गए हुए थे। खेत में हीरालाल करंट की चपेट में आने से खेत में बेहोशी की अवस्था में पड़े हुए थे। उसी रास्ते से 58 वर्षीय राम बोध यादव अपने खेत जा रहे थे। देखा कि हीरालाल बेहोश पड़े हुए हैं तो उनके पास पहुंचे बताते हैं कि जैसे ही वह उनके पास पहुंचे। वह भी करंट से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर परिवारजन ने आनन फानन दोनों सीएचसी पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है। कोतवाल धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सूचना नहीं है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

प्रेग्नेंट विठाबाई के किरदार में श्रद्धा कपूर की परफॉर्मेंस कर देगी रोंगटे खड़े

लक्ष्मण उतेकर महाराष्ट्र के समृद्ध इतिहास का एक और अध्याय लेकर सिनेमाघरों में लौट रहे हैं। छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित छावा के बाद, निर्देशक अब ईथा में विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की कहानी पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। ईथा का टीजर विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी के एक अहम हिस्से पर फोकस करता है। श्रद्धा पहले ही फ्रेम से उस किरदार में पूरी तरह ढल जाती हैं। टीजर में उन्हें गर्भवती दिखाया गया है। प्रेग्नेंसी के बावजूद, वह स्टेज पर परफॉर्म करती रहती हैं। हालांकि, एक शो के दौरान उन्हें एहसास होता है कि बच्चे के जन्म का समय आ गया है। परफॉर्मेंस बीच में न छोड़ते हुए, वह शांत रहती हैं और बच्चे को जन्म देने के लिए बैकस्टेज जाती हैं। विठाबाई पत्थर से गर्भनाल काटती हैं और अपनी परफॉर्मेंस फिर से शुरू करती हैं, जिससे दर्शक हैरान रह जाते हैं। वे उनके समर्पण और हिम्मत की तारीफ करते हैं। असल घटनाओं के अनुसार, डिलीवरी के बाद उन्हें आराम देने के लिए उस शो को तुरंत रोक दिया गया था जिसमें उन्होंने परफॉर्म किया था। कहानी की असलियत बनाए रखने के लिए, फिल्म की शूटिंग कई जगहों पर की गई, जिनमें मुंबई का मध आइलैंड, सोलापुर, औंधेवाड़ी, सतारा, नासिक और भोर शामिल हैं। महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा कलाकार विठाबाई ने इस लोक नृत्य की विरासत को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। पंढरपुर में कलाकारों के परिवार में जन्मीं विठाबाई के पिता और चाचा भाऊ-बापू मांग नारायणगांवकर नाम का पारिवारिक मंडली (ट्रूप) चलाते थे। उनके दादा नारायण खुडे इस मंडली के संस्थापक थे। विठाबाई लावणी, गवलन और भेदिक जैसे कई तरह के गीतों के माहौल में पली-बढ़ीं। 28 अगस्त, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका टीजर अभी सिर्फ सिनेमाघरों में ही दिखाया जा रहा है। इसे जल्द ही आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा।

वो दिल्ली में हैं और मैं, 'दिया और बाती हम' की कनिका माहेश्वरी ने तलाक की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

टीवी शो 'दिया और बाती हम' से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस कनिका माहेश्वरी ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चल रही अफवाहों पर खुलकर बात की है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ कर दिया कि उनका तलाक नहीं हुआ है। कनिका ने बताया कि वो और उनके पति अलग-अलग शहरों में रहते हैं, लेकिन इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उनके रिश्ते में कोई परेशानी है। उन्होंने कहा कि उनके पति दिल्ली में रहते हैं और वो मुंबई में रहती हैं। दोनों अपने-अपने काम की वजह से अलग हैं, लेकिन शादी आज भी बरकरार है। कनिका ने हंसते हुए कहा, 'वो मेरे एक्स नहीं हैं। मेरा तलाक नहीं हुआ है। पता नहीं ये अफवाह किसने फैलाई है। क्यों मेरा तलाक करवाना चाहते हो यार? वो दिल्ली में हैं और मैं मुंबई में हूं, लेकिन हम आज भी शादीशुदा हैं।'

उन्होंने ये भी कहा कि आजकल बिना सच जाने लोग बातें फैलाने लगते हैं। 2023 में उनके रिश्ते को लेकर कुछ खबरें आई थीं, और फिर 2024 में तलाक की अफवाहें भी उड़ने लगीं। इस बारे में बात करते हुए कनिका ने कहा, 'लोगों ने तो मुझे पहले ही तलाकशुदा बना दिया है। मुझे नहीं पता ये खबर किसने फैलायी। आजकल पत्रकारिता एक बिजनेस बन गई है, जो बिकता है वही दिखाया जाता है।' कनिका ने ये भी कहा कि भले ही वो और उनके पति अलग-अलग शहरों में रहते हैं, लेकिन उनके रिश्ते में प्यार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस तरह की लॉन्ग-डिस्टेंस शादी में भी एक अलग मजा है। बता दें कि कनिका माहेश्वरी ने साल 2012 में बिजनेसमैन अंकुर घई से शादी की थी। साल 2015 में दोनों के घर बेटे का जन्म हुआ था।

भारत कृषि और ऋषि प्रधान देश है: मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

प्राकृतिक खेती से मिट्टी उपजाऊ होगी और फसलों का उत्पादन बढ़ेगा

मंत्री श्री पटेल ने नरसिंहपुर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित किया

नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि भारत देश कृषि और ऋषि प्रधान देश रहा है। ऋषियों ने भारत देश में भूमि, जल, वायु, वृक्ष, गाय एवं प्राकृतिक की रक्षा करने का ज्ञान बताया है। भारत देश में किसान प्राचीन काल में प्राकृतिक खेती करते थे, इससे भूमि की उर्वरकता शक्ति बनी रहती थी और इससे अन्न की समस्या नहीं होती थी। यह परंपरा रही है कि किसान अपने घरों में दो वर्ष के लिये अनाज, एक वर्ष के लिए गेहूं व दाल का भंडार रखते थे, इसलिए प्राचीन काल में भारत देश का किसान समृद्ध व खुशहाल रहता था। मंत्री श्री पटेल शुक्रवार को पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल के आगमन पर उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। उन्होंने मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए किसानों को प्राकृतिक खेती का महत्व बताया, जिससे किसान जैविक खाद का उपयोग कर अपने खेतों को उपजाऊ बना सकें। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती के मॉडल में जीवामृत, बीजामृत एवं जैव अदानों के निर्माण प्रक्रिया को अपनाना चाहिए। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान अपने खेतों में जैविक खाद और जैविक दवाईयों का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि खेतों में नियमित रूप से जैविक खाद एवं जैविक दवाईयों का प्रयोग करने से भूमि की उर्वरकता शक्ति और फसलों का उत्पादन बढ़ जाता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिले के किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए, वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती का अत्याधिक महत्व है। जैविक खाद से तैयार फसलों का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ- साथ जल संरक्षण का कार्य करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि रिचार्ज पिट और वॉटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से हम वर्षा के जल को भूमिगत कर सकते हैं।

इससे भू-जल स्रोत बढ़ेंगे और जल की समस्या नहीं होगी। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि नरसिंहपुर जिले में सूखे हैंडपंपों में रिचार्ज पिट बनाकर वर्षा के जल को भूमिगत करने का तकनीकी प्रयोग किया जा रहा है। इससे वर्षा का जल भूमिगत होगा और जल के स्रोत बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है कि भूमिगत जल स्रोतों को विकसित करने के लिए जल का ठहराव, पौधे लगाना व जल स्रोतों की साफ-सफाई का कार्य करें। मंत्री श्री पटेल ने आयोजित कार्यशाला में बताया कि हमारी सरकार किसानों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर समृद्ध व खुशहाल बन रहे हैं। उन्होंने किसानों को फलों और सब्जी की खेती करने के लिए प्रेरित किया। फल और सब्जी की खेती करने से किसान अच्छा खासा मुनाफा अर्जित कर सकता है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का समर्थन मूल्य दे रही है। प्रदेश के किसान बिचौलियों के चंगुल से पूर्णतः मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने आयोजित कार्यशाला में गोबर और गौमूत्र का भी महत्व बताया। किसान गौमूत्र का उपयोग कीटनाशक दवाईयों और गोबर का उपयोग जैविक खाद बनाने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में हमारे पूर्वज गाय के गोबर से घर की लिपाई व पुताई करते थे। गोबर से घरों में पुताई करने से गर्मी और ठंड के मौसम में राहत मिलती है। मंत्री श्री पटेल ने आयोजित कार्यशाला में जिले के प्रगतिशील किसानों को उनकी सफलता पर उन्हें प्रमाण पत्र देकर बधाई व शुभकामनाएं दी। जिले के सफल किसानों ने अपनी सफलता की कहानी बताई। आयोजित कार्यशाला में विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसनेही पाठक, श्री महंत प्रीतमपुरी, जिला पंचायत सदस्य व सभापति कृषि श्री सीताराम नामदेव, श्री राजकुमार गुमास्ता, श्री सुरेन्द्र मोहन नेमा, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, उप संचालक कृषि श्री मौरिस नाथ, परियोजना संचालक आत्मा श्री आरपी झारिया, प्रगतिशील कृषक और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सड़क मार्ग एवं भूमिगत खुदाई कार्य

18 से 22 जून तक तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंधित

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने आदेश जारी किया

नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने लोकहित एवं अतिविशिष्ट सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए जबलपुर-गोटेगांव-छिंदवाड़ा-नागपुर ओ.एफ.सी. मार्ग में जिले की राजस्व सीमा अंतर्गत आने वाले समस्त राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.ए.आई.), मप्र सड़क विकास निगम (एम.पी.आर.डी.सी.), लोक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.), मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल निगम, गैस पाइप लाइन, सीवर लाइन, म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि., नगर पालिकाओं/ नगर परिषदों और निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों द्वारा किए जा रहे सभी प्रकार के सड़क मार्ग एवं भूमिगत खुदाई कार्यों को 18 से 22 जून तक तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया है। इस अवधि में कोई भी शासकीय, अर्द्धशासकीय विभाग या निजी एजेंसी नई खुदाई का कार्य प्रारंभ नहीं करेगा, ताकि बी.एस.एन.एल. की ऑप्टिकल फाइबर केबल्स को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने संबंधित समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और संबंधित विभागों के कार्यपालन यंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं।

जारी आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित एजेंसी या उत्तरदायी अधिकारी के विरूद्ध वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उप महाप्रबंधक (कोरनेटवर्क ट्रांसमिशन पश्चिम) भारत संचार निगम लिमिटेड जबलपुर के द्वारा लेख किया गया है कि भारत के महामहिम माननीय राष्ट्रपति जी का मध्यप्रदेश के जबलपुर, इंदौर, बैतूल, श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ग्वालियर एवं कूनो राष्ट्रीय उद्यान में प्रवास अवधि 18 से 22 जून 2026 के दौरान जिले में अति-विशिष्ट सुरक्षा एवं निर्बाध दूरसंचार व्यवस्था सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए जबलपुर-गोटेगांव-नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा-नागपुर ओ.एफ.सी. रूट के माध्यम से महत्वपूर्ण दूरसंचार यातायात संचालित होता है।

विभिन्न प्रकार के कार्यों के दौरान होने वाली खुदाई से केबल कटने की आशंका रहती है, जिससे वीआईपी भ्रमण के दौरान संचार सेवाएं बाधित हो सकती है। इस पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने उक्त आदेश जारी किया है।

नरसिंह मंदिर प्रांगण नरसिंहपुर में 21 जून को जिला स्तरीय योग संगम कार्यक्रम का आयोजन होगा

नरसिंहपुर। जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि मप्र शासन एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय नरसिंहपुर स्थित नरसिंह मंदिर प्रांगण में 21 जून 2026 को च्योग संगमच कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 6 बजे से प्रातः 07ः40 बजे तक किया जाएगा। जिले के जनप्रतिनिधियों, समस्त अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठनों, योग संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में योगाभ्यास सम्पन्न हुआ

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सीजीएम नरसिंहपुर श्री राकेश सनोड़िया, सचिव जिला विधिक सेवा नरसिंहपुर श्री देवेश मीणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिकारी श्री राजेश सक्सेना के साथ जेल अधिकारी/ कर्मचारियों और बंदियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस दौरान योग से करीब 330 जेल बंदी लाभांवित हुए। यह योगाभ्यास जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के तत्वाधान में आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि जेल मुख्यालय मप्र भोपाल एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 15 जून से 21 जून तक समस्त जेलों में एक सप्ताह तक योग अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ मप्र उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री और मप्र विधिक सेवा प्राधिकरण के संरक्षण प्रमुख ने सोमवार 15 मई को सुबह 7.30 बजे केन्द्रीय जेल जबलपुर से किया गया। प्रदेश के सभी जेल वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए।

वैदिक योग संस्था नरसिंहपुर के योगाचार्य श्री देवेन्द्र पटेल ने बंदियों को योग कराते हुए कहा कि मानव मस्तिष्क को प्रफुल्लित होने एवं मानव तन को स्वस्थ रखने तथा सभी क्रियाओं पर नियंत्रण के लिए योग अति महत्वपूर्ण एवं लाभकारी औषधि है। व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसकी निरोगी काया है। बंदियों को संदेश देते हुए कहा कि योग के द्वारा स्वस्थ तन, स्वस्थ मन, स्वस्थ जीवन, स्वस्थ दिनचर्या से व्यक्ति स्वस्थ होकर बुराईयों से दूर होता है और इस प्रकार उसमें क्रोध के लिए कोई स्थान न होकर मन में अच्छे विचारों का प्रादुर्भाव होता है। इस प्रकार यदि हम अपने जीवन में योग को स्थान देते हैं, तो निश्चित ही हमारा मन और मस्तिष्क एक अच्छी सोच रखेगा। जिससे हम अपना जीवन अच्छे कार्यों में लगाएंगे और बुरे कर्मों से दूर रहेंगे। अपने अंदर व्याप्त बुराई को मारकर अच्छाई पर विजय पाने का एक अहम मार्ग योग है।

इस अवसर पर उप जेल अधीक्षक श्री नरेन्द्र कुमार व्यास, सहायक जेल अधीक्षक श्री आशीष खरे, श्री देवेन्द्र मांझी, श्रीमती शिल्पा छत्तर, शिक्षक श्री बंशपति पटेल, श्री अजीत धुर्वे, प्रहरी, महिला प्रहरी सहित सुरक्षा स्टॉफ मौजूद था।

विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस मनाया गया

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में 19 जून को विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के रूप में मनाया गया।

इस दौरान नागरिकों को सिकल सेल एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई। विवाह पूर्व एवं गर्भावस्था के दौरान जांच के महत्व के बारे में बताया गया। नागरिकों को योग, प्राणायाम, ध्यान एवं तनाव प्रबंधन, संतुलित आहार, दिनचर्या और आयुष जीवनशैली संबंधी परामर्श दिया गया। जिले में सिकल सेल से ग्रसित व्यक्तियों को एड आन थैरेपी के रूप में आयुर्वेद दवाई का घर-घर जाकर नियमित रूप से वितरण किया जा रहा है।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल हुए

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शुक्रवार को शामिल हुए। उन्होंने प्राकृतिक कृषि संवर्धन, जैविक आदानों के उपयोग तथा कृषि को अधिक लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के संबंध में संवाद किया।

सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने प्राकृतिक कृषि संवर्धन विधेयक की जानकारी देते हुए किसानों से प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने का आव्हान किया। साथ ही प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा एवं डॉ. एसआर शर्मा, डॉ. विजय सिंह रघुवंशी, प्राकृतिक खेती करने वाले कृषक श्री कृष्णपाल सिंह लोधी और ग्राम रीछा के निवासी श्री लक्ष्मण सिंह पटेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्री रामसनेही पाठक, जिला पंचायत सदस्य व सभापति कृषि श्री सीताराम नामदेव, श्री राजकुमार गुमास्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, उप संचालक कृषि श्री मौरिस नाथ, परियोजना संचालक आत्मा श्री आरपी झारिया, अन्य अधिकारी, जिले के कृषक और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने डीजल की उपलब्धता और सतत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने किसानों, स्वास्थ्य सेवाओं, महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट और अत्यावश्यक सेवाओं के लिए डीजल की उपलब्धता और सतत आपूर्ति बनाए रखने के लिए स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक किसान/ स्वास्थ्य सेवाओं, महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट एवं अत्यावश्यक सेवाओं से संबंधित व्यक्ति/ संस्था आदि को पेट्रोल पंपों में डीजल की उपलब्धता अनुसार अधिकतम 200 लीटर की सीमा तक डीजल एक दिन में एक बार निर्धारित पहचान एवं आवश्यक अभिलेखों के सत्यापन उपरांत प्लास्टिक केनों में दे सकेंगे। पम्प प्रोपराईटर/ संचालक का उत्तरदायित्व होगा कि किसान/ स्वास्थ्य सेवाओं, महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट एवं अत्यावश्यक सेवाओं से संबंधित व्यक्ति/ संस्था आदि को विक्रय डीजल की जानकारी निर्धारित प्रारूप में पंजी कर संधारण किया जाए और देयक अनिवार्यतः जारी किए जाएं। अन्यथा की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। संकलित जानकारी की सत्यापित पाक्षिक रूप से पम्प प्रोपराईटर/ संचालक कार्यालय कलेक्टर (खाद्य) जिला नरसिंहपुर में अनिवार्यतः उपलब्ध करवाएंगे। समस्त ऑयल कम्पनी के सेल्स ऑफिसर तथा क्षेत्रीय आपूर्ति अधिकारी का उत्तरदायित्व होगा कि वह इसकी सघन मॉनीटरिंग और निरीक्षण करेंगे।

उक्त निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करेंगे। पूर्व में जारी आदेश यथावत रहेंगे। कलेक्टर ने उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि आयुक्त खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल के अनुसार पेट्रोल पम्प से डीजल क्रय करने के लिए प्लास्टिक के डिब्बे में डीजल प्रदाय न किए जाने पर रोक लगाई गई थी। जिसे किसानों, अत्यावश्यक सेवाओं एवं महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए डीजल की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किसानों एवं आम जनता के हित में डीजल प्रदाय की सुविधा के संबंध में शिथिलता प्रदान करते हुए जिला कलेक्टर को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर आवश्यक निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। जिस पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने उक्त आदेश जारी किए हैं।

जागृति को मिला प्राचार्य पद

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जनजातीय कार्य विभाग में लम्बे शैक्षणिक अनुभव एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले श्रीमती जागृति श्रीवास्तव को जनजातीय कार्य विभाग द्वारा माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर चटुआमार में प्राचार्य प्रथम श्रेणी के पद पर पदस्थ किया गया है। इस अवसर पर अखिलेश चन्द्रौल सेनि प्राचार्य पीएमश्री सेमरखापा, शैल कुमार दुबे सेनि प्राचार्य कन्या हाईस्कूल पुरवा, बोर्ड परीक्षा प्रभारी महेन्द्र श्रीवास, दिनेश दुबे प्राचार्य ज्ञानदीप उमावि मण्डला, मनीष दुबे प्राचार्य नवीन हाईस्कूल महाराजपुर, जिला शाखा मण्डला एवं स्काउट सहायक जिला कमिश्नर एवं समन्वयक संस्था से विवेक मिश्रा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

24 जुलाई को डाक पेंशन अदालत आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। जबलपुर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न डाक संभागों के पेंशनधारकों की समस्याओं के निराकरण के लिए शुक्रवार, 24 जुलाई को डाक पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह अदालत कार्यालय पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगी। डाक पेंशन अदालत में जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, छतरपुर, रीवा, मंडला, शहडोल, सागर और सतना डाक संभागों के अंतर्गत आने वाले डाकघरों से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनधारक इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

फोर्स की बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आई.पी.पी.आई. 2026 के सफल संचालन एवं व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन 20 जून को किया जाएगा। यह बैठक प्रातः 11 बजे जिला योजना भवन में आयोजित होगी। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 जून से 30 जून तक किया जाना है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विभिन्न विभागों के समन्वय के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स बैठक आयोजित की जा रही है।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से समर्पित संस्था द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नैनपुर, बीजाडांडी, मोहगांव और मंडला विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संपन्न हुए वित्तीय साक्षरता शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेन-देन, बचत की आदत, साइबर सुरक्षा तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

NOTICE INVITING OFFER

SHISHAK SAHKARI GRIH NIRMAN SAMITI MARYADIT PATHAK WARD, NARSINGPUR

Reg. No. AR/NPR/ रजि. नं. 264

Sealed offers are invited in the office of the undersigned at Pathak Ward, Narsingpur on agreement basis from the reputed firms and companies who has the experience of Building Construction (Builder) up to 3 P.M. on 27-06-2026

S. No.	Name of the work	Cost of offer notice	Earnest money	Completion period
1.	Internal & External Development of total area 54600 Sqmt, area as per sanction given by Town & Country Planning Deptt. Along with 28 Nos. houses under agreement	Rs. 5000/-	Rs. 2.50 Lacs	24 months Including rainy season

Intending promoter who wants to participate in the bid should obtain the offer document by depositing Rs. 5000/- in the office of the under signed by cash / bank draft up to 3 P.M. on 27-06-2026

Note:-

1. The offer document shall be issued only on deposit of cost of tender document in society account. Cost of the offer document Rs. 5000/- (Rs. Five Thousand Only) in cash / Bank Draft deposited in favor of society is not refundable.
2. Amount of earnest money Rs. 2,50,000/- (Rs. Two Lakhs Fifty thousand Only) shall be essentially deposited in the account of Shishak Grih Nirman Samiti, Narsingpur before submission of offer letter. The offer shall be opened at 3:30 P.M.
3. The details of work can be seen in the office of the technical member & engineer in charge of the society Mr. R.K. Shrivastava, 1846/1 Silver Oak Compound, Napier Town, Jabalpur or office of the society during office hours on working days.
4. The society reserves the right to accept or reject offer of any promoter (Builder) without assigning any reason thereof.

PRESIDENT SHISHAK SAHKARI GRIH NIRMAN SAMITI MARYADIT PATHAK WARD, NARSINGPUR

फील्ड टेस्ट किट का वितरण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जल गुणवत्ता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागखंड द्वारा विकासखंड मवई के जनपद सभागार में जल परीक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मरकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी.सी. टिमरिया तथा तहसीलदार संगम पटले भी मौजूद रहे। कार्यशाला में विभाग के समन्वयक क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण उमागणेश लोधी ने फील्ड टेस्ट किट एफटीके के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी तथा सुरक्षित पेयजल के लिए नियमित जांच के महत्व पर प्रकाश डाला।

जनजागरूकता अभियान निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार जिले में 17 जून से 26 जून तक नशा मुक्त भारत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों शैक्षणिक संस्थानों, नगरीय निकायों एवं सामाजिक संगठनों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर जिलेभर में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

मां जिनवाणी का जन्मोत्सव श्रुत पंचमी पर्व मनाया गया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

मां जिनवाणी का जन्मोत्सव पर्व श्रुत पंचमी श्री तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय जी में बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया एवं ब्रह्मचारी सुरेश भैया के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस आयोजन में समनापुर से तारण तरण पाठशाला के नोनिहाल एवं महानुभाव शामिल हुये। इस अवसर पर चैत्यालय जी में सुबह 5 बजे से सिद्ध मंत्रो का जाप तथा श्री छद्मस्त वाणी पाठ किया गया।तत्पश्चात मन्दिर विधि का आयोजन किया गया।इस अवसर पर लिपिबद्ध माँ जिनवाणी शास्त्र को पालने में आस्ताप करके पालना झुलाया गया।बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया ने जिनवाणी के महत्व को बताते हुये कहा कि वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 683 वर्ष बाद आचार्य धरसेन जी मुनिराज हुए जिन्हें पंचम काल के भव्य जीवों के आत्म कल्याण की भावना जागी उन्हें लगा की इस पंचम काल में साक्षात जिनेंद्र देव नहीं है न होंगे भाव लिंगी मुनिराज भी कोई विरले ही होंगे।

कलेक्टर ने बचैया गांव में ग्रामीणों से किया संवाद

रात्रिकालीन चौपाल बनी भरोसे और संवाद का मंच, लोगों ने खुल कर बताईं समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी ने गुरुवार रात जनपद पंचायत बहोरीबंद की ग्राम पंचायत बचैया के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल परिसर में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा और वन मंडलाधिकारी गर्वित गंगवार भी मौजूद हैं। समाचार लिखे जाने तक रात्रिकालीन चौपाल का आयोजन जारी है। रिमझिम फुहारों के बीच यहां चौपाल में अब तक 52 आवेदनों पर सुनवाई कलेक्टर ने की है। कलेक्टर ने जब ग्रामीणों की बातें सुनना शुरू किया, तो ग्रामीणों ने बिना हिचक और झिझक के अपनी समस्याएं बताना शुरू किया। चौपाल का माहौल कुछ ऐसा बनाए मानो गांव का कोई अपना ही सबकी बातें सुनने आया हो। ग्रामीणजन, कलेक्टर की सहजता और सदाशयता से

काफी खुश दिखे और यहां की रात्रिकालीन चौपाल ग्रामीणों और प्रशासन के बीच विश्वास, आत्मीयता और संवेदनशील संवाद का सशक्त उदाहरण बन गई। ग्रामीणों ने कलेक्टर की सहजता और आत्मीय संवाद से काफी। किसी ने पेयजल की समस्या बताई, तो किसी ने सड़क, बिजली और अपने जमीन से संबंधित समस्याएं तथा शासकीय योजनाओं से जुड़े मुद्दे साझा किए। कलेक्टर ने हर व्यक्ति की समस्या को पूरे धैर्य और गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में राजस्व से सम्बंधित मामलोँ में आबादी भूमि का पट्टा, 18 जून गुरुवार को बारिश एवं तीव्र गति से आये तूफान से घरेलू पानी की टंकी क्षतिग्रस्त होने और मुआवजा दिलाने, नक्शा में त्रुटि सुधार और खसरे का ऑनलाइन रिकॉर्ड दर्ज कराने, राजस्व अभिलेख के रिकॉर्ड में सुधार कराने और बीपीएल कार्ड सूची में नाम जोड़ने तथा वृद्धावस्था पेंशन संबंधी आवेदनो के निराकरण के कलेक्टर ने निर्देश दिए। वहीं पुलिस से सम्बंधित मामलों में डराने धमकाने जैसे मामले आये और रात्रि कालीन चौपाल में बिजली कटने और ट्रांसफार्मर बदलवाने तथा खराब होने सम्बन्धी आवेदन मिले जिन्हे कलेक्टर ने सम्बंधित अधिकारी को नियमानुसार निराकृत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा ग्राम बचैया के सरपंच राहुल कोरी ने आधार सेवा केंद्र खोलने सम्बन्धी आवेदन दिए। रात्रि चौपाल में प्रशासन का यह मानवीय और संवेदनशील चेहरा ग्रामीणों को विशेष रूप से प्रभावित करता नजर आया। कलेक्टर को समस्या बताने यहां आये करीब 65 वर्षीय वृद्ध भरत और 70 वर्षीय बेनी प्रसाद निवासी बचैया का कहना था कि जब अधिकारी गांव में आकर उनकी समस्याएं सुनते हैं, तो समाधान की उम्मीद और भी मजबूत हो जाती है। रात्रि चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों का कहना था कि उन्होंने पहली बार किसी कलेक्टर को इतनी आत्मीयता और सहजता के साथ अपने बीच बैठकर उनकी बातें सुनते देखा है। यही कारण रहा कि चौपाल केवल शिकायतों का मंच नहीं रही, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच भरोसे के रिश्ते को और मजबूत करने का माध्यम बन गई।

कलेक्टर, एसपी ने की पूजा अर्चना

कलेक्टर, एसपी और डीएफओ ने ग्राम बचैया के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना किया। वैदिक मंत्रो और ऋचाओं की अनुगूंज के बीच कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियोँ ने भगवान हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

लिपिक संवर्ग की वेतन विसंगति पर चर्चा

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी की मासिक बैठक सिविल लाइन रेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि संरक्षक सरमन तिवारी, प्रमोद मिश्रा, गणेश शंकर गर्ग, ओमप्रकाश सोनी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल द्वारा की गई सरमन तिवारी द्वारा लिपिक संवर्ग की वेतन विसंगति एवं शिक्षकों की वर्तमान में टीईटी समस्या के संबंध में प्रदेश संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई प्रमोद मिश्रा द्वारा संगठन द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम पर विस्तृत प्रकाश डाला गया साथ ही उसी दिन राहगीरों को ठंडा शर्बत भी वितरित किया गया था ओमप्रकाश सोनी द्वारा संगठन की रीति नीति पर विस्तृत प्रकाश डाला गया अध्यक्षीय उद्बोधन में संजय अग्रवाल द्वारा प्रदेश संगठन ने अभ्यास वर्ग अमरकंटक में वार्षिक सदस्यता एवं आजीवन सदस्यता ब्लाक एवं तहसील में अधिक से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है साथ ही संगठन द्वारा कर्मचारियों के हित में किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत जानकारी दी गई कार्यक्रम काकुशल संचालन जिला सचिव हरप्रीत सिंह लक्की द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन कांत शुक्ला द्वारा किया गया इस अवसर पर प्रशांत चनपुरिया, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, काशी प्रसाद मिश्रा, बी डी तिवारी, श्रवण कुमार दत्ता, अनिल मिश्रा, केसी कछवाहा, अरविन्द गुप्ता, सुनील मिश्रा, प्रताप सिंह राणा, राजेश गुप्ता, सुधांशु त्रिवेदी, पुष्पेन्द्र द्विवेदी, अमित सिंह, सुनील हलदकार, मनीष दीक्षित, रामेश्वर तिवारी, इन्द्र कुमार बाजपेई, सुरज अवधिया, अजय बाजपेई, प्रवीण पाण्डेय, राजू कोल, महेन्द्र सिंह चंदेल, राम विश्वकर्मा, राजु सिंह, कुलदीप विश्वकर्मा, सजल जैन, आरपी परौहा आदि पदाधिकारि उपस्थिति थे कार्यक्रम के उपरांत रामेश्वर तिवारी द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था की गयी।

जिला जेल में महिला बंदियों के लिए योग शिविर का शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। विश्व योग दिवस के अवसर पर साध्वी जन कल्याण समिति द्वारा जिला जेल कटनी में पहली बार महिला बंदियों के लिए विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। संस्था की इस अभिनव पहल की जिला जेल प्रशासन ने सराहना करते हुए इसे महिला बंदियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताया है। शिविर का आयोजन 15 जून से 21 जून तक किया जा रहा है, जिसमें महिला बंदियों को योग, प्राणायाम एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन में जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी, जेल प्रहरी अरविंद कुमार एवं शिक्षिका दीप्ती श्रीवास्तव का विशेष सहयोग रहा योग अभ्यास मे कामनी वंशकार प्रशिक्षण दिया जा रहा है साध्वी जन कल्याण समिति की अध्यक्ष साध्वी निगम ने बताया

कि महिला बंदियों के बीच स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए जागरूकता की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए योग शिविर का आयोजन किया गया है। जेल प्रशासन ने संस्था के इस सामाजिक एवं जनहितकारी प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की है।

ट्रैफिक सिग्नलों की टाइमिंग में किया गया सुधार

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी पुलिस द्वारा नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिले के प्रमुख ट्रैफिक सिग्नलों की टाइमिंग का वैज्ञानिक पुनर्मूल्यांकन कर आवश्यक सुधार किया गया है। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन तथा कमल मौर्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं रत्नेश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के मार्गदर्शन में निरीक्षक अनूप सिंह, थाना प्रभारी यातायात द्वारा यातायात दबाव, वाहनों की संख्या, विभिन्न मार्गों की व्यस्तता तथा आमजन से प्राप्त सुझावों का विश्लेषण कर प्रमुख चौराहों एवं तिराहों के ट्रैफिक सिग्नलों की टाइमिंग में सुधार कराया गया है। सुधारित व्यवस्था के अंतर्गत माधवनगर चौराहा पर जबलपुर मार्ग से कटनी आने वाले वाहन चालकों को पूर्व में लगभग 80 सेकंड तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जिसे घटाकर 56 सेकंड किया गया है। इसी प्रकार कटाई घाट तिराहा पर प्रतीक्षा अवधि 70 सेकंड से घटाकर 45 सेकंड तथा पन्ना मोड़ तिराहा पर भी यातायात प्रवाह के अनुरूप सिग्नल टाइमिंग का

पुनर्संतुलन किया गया है, जिससे वाहनों की आवाजाही अधिक सहज एवं व्यवस्थित हो सके। इस सुधारात्मक पहल से सिग्नलों पर अनावश्यक प्रतीक्षा समय में कमी आएगी, यातायात का प्रवाह सुचारु होगा, जाम की स्थिति नियंत्रित होगी तथा ईंधन की बचत के साथ वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी। साथ ही नागरिकों का यात्रा समय कम होने से उनकी सुविधा एवं उत्पादकता में सकारात्मक वृद्धि होगी। कटनी यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आगामी दिनों में अन्य प्रमुख चौराहों, तिराहों एवं यातायात प्रभावित स्थलों का भी नियमित सर्वेक्षण एवं विश्लेषण किया जाएगा तथा आवश्यकता अनुसार सिग्नल संचालन प्रणाली में तकनीकी सुधार किए जाएंगे। यातायात पुलिस आमजन से अपील करती है कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, रेड सिग्नल का उल्लंघन न करें, स्टॉप लाइन के पीछे वाहन रोकें, निर्धारित लेन में चलें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। आपकी छोटी-सी सावधानी स्वयं के साथ-साथ अन्य नागरिकों के जीवन की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। कटनी पुलिस का लक्ष्य केवल चालान नहीं, बल्कि सुरक्षित एवं दुर्घटनामुक्त यातायात संस्कृति का निर्माण है।

संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसाल: विदुषी सिंह बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट

पारिवारिक आपदा और झटकों के बाद भी नहीं मानी हार, लघु उद्योग भारती परिवार ने दीं शुभकामनाएं

कटनी (स्वतंत्रमत)

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मई 2026 की सीए फाइनल परीक्षा के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इसमें स्थानीय हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की निवासी कु. विदुषी सिंह ने विपरीत परिस्थितियों और गहरे पारिवारिक संकटों का डटकर सामना करते हुए सफलता का परचम लहराया है और 'चार्टर्ड अकाउंटेंट की प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त की है। विदुषी सिंह, 'लघु उद्योग भारती के महाकौशल प्रांत के महामंत्री हरी सिंह भदौरिया' एवं शोभना सिंह की सुपुत्री हैं। विदुषी की यह सफलता केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके अटूट धैर्य और कभी न हार मानने वाले संकल्प की कहानी है। शुरुआती रुकावटें- विदुषी वर्ष 2020 से सीए बनने के लिए प्रयासरत थीं। शुरुआती दौर में कोरोना महामारी के कारण उनके कीमती दो वर्ष खराब हुए, लेकिन उन्होंने हिम्मत

नहीं हारी और दोबारा दुगने वेग से तैयारी शुरू की। पारिवारिक वज्रपात- जब सफलता बेहद करीब थी और फाइनल के केवल दो पेपर शेष रह गए थे, तभी उनके जीवन में एक अत्यंत दुखद मोड़ आया। विदुषी के सगे भाई का असामयिक व दुखद स्वर्गवास हो गया। इस वज्रपात ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। अटूट संकल्प- इस गहरे मानसिक आघात और असीम दुख के बावजूद विदुषी ने अपनी हिम्मत को बिखरने नहीं दिया। अपने भाई के सपने और माता-पिता की उम्मीदों को पूरा करने के लिए उन्होंने फिर से किताबें उठाईं। अंततः इस वर्ष मई 2026 में आयोजित परीक्षाओं में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप-२ में सफलता अर्जित की। विदुषी सिंह की इस ऐतिहासिक और प्रेरणादायी सफलता पर 'संपूर्ण लघु उद्योग भारती परिवार' में हर्ष की लहर है। संगठन के राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महामंत्री हरी सिंह भदौरिया के निवास पर पहुंचकर एवं संदेशों के माध्यम से विदुषी को बधाई दी। विदुषी ने यह साबित कर दिया है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, तो जीवन की बड़ी से बड़ी त्रासदी और कठिनाई भी आपको अपने लक्ष्य से नहीं भटका सकती। उनका यह सफर देश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। विदुषी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पूज्य माता-पिता के आशीर्वाद, दिवंगत भाई की स्मृतियों और अपने गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है।

आहना ने रक्तदान शिवर का किया आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। जायंट्स अंतरराष्ट्रीय के प्रथम अध्यक्ष पदम नाना चुडासमा के जन्मदिन के अवसर पर मानव सेवा हेतु रक्तदान शिवर का आयोजन किया गया। जॉयट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना के मेंबर्स ने बुधवार सुबह शासकीय जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। जिसमे 21 यूनिट रक्तदान किया गया। इस नेक सेवा कार्य में शामिल सभी सहभागियों को रक्तदान के बाद केला, सेब और जूस का वितरण भी किया। ग्रुप के सभी सदस्यों ने मिलकर केक काटकर इस खास दिन को सेलिब्रेट किया। इस दौरान आहना ग्रुप की अध्यक्ष वाणी गट्टानी, निशा गुप्ता, स्वाति नायक, रश्मि राय, स्वाति जैन और शिखा गुप्ता की उपस्थिति रही।

डाइट फेकल्टी, जन शिक्षकों और शिक्षकों ने किया विद्यार्थियों से संवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत हरसिमरन प्रीत कौर के मार्गदर्शन में कटनी जिले के विभिन्न छात्रावासों एवं विद्यालयों में नेशनल बुक रीडिंग डे के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पुस्तकालयों में विभिन्न विधाओं की पुस्तकें पड़ी गईं एवं उन पर चर्चा की गई। इसी श्रृंखला में डाइट कटनी के वरिष्ठ व्याख्याता राजेन्द्र असाटी द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला के सी एस कटनी एवं शासकीय माध्यमिक शाला खिरहनी में पहुंचकर पढ़ने की आदत के विकास एवं अवचेतन मन की शक्ति पर गहन चर्चा की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि हम जिन कार्यों का अभ्यास लगातार 31 दिन कर लेते हैं, वह हमारे जीवन की आदतों में शामिल हो जाते हैं। अतः हमें अच्छी आदतों को जीवन का हिस्सा बनाने के लिये उन्हें निरंतर करना होगा अन्यथा हम चाहकर भी अच्छे कार्य नहीं कर पायेंगे। शासकीय बुद्ध सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेवरी में प्रभारी प्राचार्य मनोज हल्दकार, बलबीर सिह एवं दिनेश झारिया ने तथा प्राथमिक शिक्षक जयभान यादव और शिक्षिका पार्वती रौतेल ने प्राथमिक शाला परसेल में नाई और पूँछ कटा बाघ कहानी सुनाई। उल्लेखनीय है कि जिले के सभी विद्यालयों में पुस्तकालय के माध्यम से पढ़ने की संस्कृति के विकास हेतु डाइट कटनी द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये विद्यालयों में सभी विद्यार्थियों के लेन देन कार्ड भी संधारित किये गये हैं।

कटनी महिला कांग्रेस द्वारा पुतला दहन विरोध प्रदर्शन

चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी, नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने पर जताया आक्रोश

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के आदेशानुसार पर एवं महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोसी सेतिया के निर्देशन में कटनी जिले में प्रदेश महासचिव एवं शहर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस द्वारा मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा के नामांकन को अवैधानिक रूप से निरस्त किए जाने के विरोध में चुनाव आयोग के प्रमुख ज्ञानेश कुमार का थाना तिराहा में पुतला दहन किया गया। महिला अध्यक्ष रजनी वर्मा ने कहा कि चुनाव आयोग आज सत्ता पक्ष की कठपुतली बना बैठा है और सत्ता पक्ष में बैठी भाजपा लगातार महिला विरोधी और जनता विरोधी कार्यों को कर रही है, एक तरफ भाजपा नारी सम्मान की बात करती है तो दूसरी तरफ महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है भाजपा की यह दोहरी

मानसिकता और जनता को भ्रमित करते हुए महिला विरोधी कार्यों का जीता जागता उदाहरण मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा में नामांकन रद्द होना देखा जा सकता है जहां एक और किसी भी नामांकन में कोई कमी होने पर हर दावेदार को उस कमी को सुधारने का मौका और समय दिया जाता है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से राज्यसभा प्रत्याशी रही मीनाक्षी नटराजन के नामांकन फार्म को बिना कोई समय दिए चुनाव आयोग द्वारा यह कहकर निरस्त किया गया कि उनके द्वारा कुछ जानकारी छुपाई गई और जिस जानकारी की बात की गई वह भी गलत थी, मीनाक्षी नटराजन जी को यह कहा गया कि उनके द्वारा नामांकन फार्म में एफआईआर में उनका नाम होने का जिक्र छुपाया गया जबकि उनके खिलाफ कोई रिपोर्ट या फिर प्रकरण थाने में दर्ज ही नहीं था केवल जिस एफआईआर की बात की गई उसमें पीड़िता द्वारा यह कहा गया था की उन्होंने संबंधित विषय की जानकारी मीनाक्षी को दी थी जो कि उस समय वहां की तात्कालिक प्रभारी थी, यह घटना तेलंगाना की थी। बिना तथ्य की जानकारी लिए चुनाव आयोग प्रमुख ज्ञानेश कुमार के द्वारा मीनाक्षी नटराजन के फॉर्म को रद्द करना सीधे-सीधे लोकतंत्र की हत्या थी जिसका अधिकार संविधान किसी को भी नहीं देता। भाजपा लगातार महिला विरोधी और जनता के हित विरोध का काम करती जा रही है, और विपक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी लगातार सड़कों पर इसका विरोध करती रहेगी। इसके साथ ही महिला कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम एसडीएम के हाथों ज्ञापन सोपा जिसमें यह अनुरोध किया की एक महिला होने के नाते राज्यपाल मीनाक्षी नटराजन के साथ हुए इस अन्याय का संज्ञान लेते हुए न्याय करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला, ग्रामीण महिला जिला अध्यक्ष माधुरी जैन, पू. कार्यवाहक अध्यक्ष राजा जगवानी, राकेश जैन, विजय पटेल, प्रशांत जैसवाल, सेवादल अध्यक्ष मंगल सिंह, सुमन रजक, आदिता वर्मा, शुभ मंगलानी, मंजू निषाद, लता कनौजिया, मुमताज बानो, सुषमा सिंह, सुनीता सोनी, गीता निषाद, रुक्मणी पांडे, मंजू रजक, शशि यादव, कल्पना पाठक, सुमन, पूजा समुद्री, रूपा तिवारी, दुर्गावती कोल, अर्चना जायसवाल, लता खरे, अजय गोटिया, संजू गुप्ता, नारायण निषाद, राजेश जाटव, मालिनी सिंह, प्रशांत जैसवाल, मारूफ अहमद अभिषेक शिवहरे, जितेंद्र गुप्ता, दिग्विजय सिंह, आफताब अहमद, जॉर्ज डेविड, आनंद पटेल, देवीदीन गुप्ता, मनोज वर्मा, शिवकुमार यादव, श्याम यादव, मुन्ना कुशवाहा, साहिल नामदेव, श्याम पाहुजा, कमलेश यादव, शशि शेखर भारद्वाज, विजय चंदवानी, जमुना प्रसाद विश्वकर्मा, अजय जैसवानी, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, हर्षित मिश्रा, दिलदार खान, यूसुफ खान, फरीद मोहम्मद, मनीष केवट, अभय गौतम, सोनू चौहान, सुरेश लालवानी, अंशु गुप्ता, सलाहुद्दीन खान, अखबर मंसूरी राघव सोनी आदि अनेकों कांग्रेसजन शामिल थे।

भारत की नजरें 3-0 की क्लीन स्वीप पर

चेन्नई (वार्ता)।

भारत शनिवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ तीसरे और आखिरी वनडे में जब जीतेगा, तो उसकी नज़र सीरीज़ में ज़बरदस्त क्लीन स्वीप करने पर होगी। पहले दो मैचों में बड़ी जीत के साथ उसने तीन मैचों की सीरीज़ पहले ही 2-0 की अपराजेय बढ़त बनाकर अपने नाम कर ली है। मेज़बान टीम पूरे दौरे में ज़बरदस्त फ़ॉर्म में रही है, जिसकी शुरुआत धर्मशाला में सात विकेट से जीत से हुई और फिर लखनऊ में 170 रन की ज़बरदस्त जीत हासिल की, जहाँ उसने पहले बैटिंग करते हुए 400 रन का आंकड़ा पार किया। इन नतीजों ने भारत की बैटिंग की गहराई और बॉलिंग कंट्रोल को दिखाया है, जिससे अफ़गानिस्तान के पास सीरीज़ में वापसी करने के लिए बहुत कम मौके बचे हैं।

भारत का टॉप ऑर्डर सबसे खास रहा

भारत का टॉप ऑर्डर सबसे खास रहा है, जिसकी कप्तानी कप्तान शुभमन गिल कर रहे हैं, जिन्होंने लगातार दो असरदार पारियों के साथ अपना मज़बूत वनडे रन जारी रखा है। उनकी ओपनिंग पार्टनरशिप और टॉप पर तेज़ी से रन बनाने ने बड़े टोटल के लिए प्लेटफ़ॉर्म तैयार किया है, जबकि ईशान किशन ने दूसरे वनडे में सेंचुरी सहित ज़बरदस्त सपोर्ट दिया है।

सीनियर बैट्समैन रोहित शर्मा और केएल राहुल ने स्टेबिलिटी और फिनिशिंग स्ट्रेंथ जोड़ी है, जबकि इंडिया ने पूरी सीरीज में कॉम्बिनेशन के साथ एक्सपेरिमेंट किया है। सीरीज़ पहले ही पक्की हो चुकी है, इंडिया फिर से प्लेयर्स को रोटेट कर सकता है, जिससे यंग ऑप्शन्स को मौके मिलेंगे और साथ ही एक मज़बूत कोर भी बना रहेगा।

बॉल से भी इंडिया उतना ही असरदार रहा

बॉल से भी इंडिया उतना ही असरदार रहा है। लेफ्ट-आर्म पेसर अर्शदीप सिंह ने लगातार ब्रेकथ्रू देकर पेस अटैक को लीड किया है, जबकि स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी वैरिएशन से बीच के ओवर्स को कंट्रोल किया है। सपोर्टिंग बॉलर्स ने भी खास मौकों पर मदद की है, जिससे यह पक्का हुआ कि अफ़गानिस्तान शायद ही कभी मोमेंटम बना पाया हो।

अफ़गानिस्तान एक मज़बूत फिनिश की तलाश में

इस बीच, अफ़गानिस्तान दोनों डिपार्टमेंट में स्ट्रगल करने के बाद आखिरी वनडे में एक मज़बूत फिनिश की तलाश में उतरेगा। उनकी बैटिंग काफी हद तक ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज़ पर डिपेंड रही है, जो उनके सबसे खतरनाक प्लेयर रहे हैं और उन्होंने सीरीज़ में पहले सेंचुरी बनाई थी। हालांकि, मिडिल ऑर्डर से सपोर्ट की कमी ने बार-बार उनकी प्रोग्रेस को रोका है। अगर अफ़गानिस्तान को एक कॉम्पिटिटिव टोटल बनाना है तो बैट्समैन इब्राहिम ज़दरान और कैप्टन हशमतुल्लाह शाहिदी से इनिंग्स को संभालने की उम्मीद होगी, जबकि एक्सपीरियंस्ड स्पिनर राशिद खान बॉल से उनके लिए मेन खतरा बने हुए हैं। चेपॉक की पारंपरिक रूप से धीमी पिच पर अफ़गानिस्तान के स्पिन अटैक को मदद मिल सकती है, खासकर जब पिच घिस जाएगी।

चेपॉक में चेन्नई की पिच से उम्मीद

चेपॉक में चेन्नई की पिच से उम्मीद है कि शुरुआत में बैलेंस्ड मुकाबला होगा, फिर मैच आगे बढ़ने पर यह धीमी हो जाएगी और स्पिन को मदद मिलेगी। पहले, पहले बैटिंग करने वाली टीमें अक्सर वेन्यू पर टारगेट सेट करना पसंद करती थीं, लेकिन हाल के मैचों ने यह भी दिखाया है कि हालात के हिसाब से लाइट में भी टारगेट चेज़ किया जा सकता है। सीरीज़ पहले ही तय हो चुकी है, इसलिए आखिरी वनडे स्टैंडिंग से ज़्यादा गर्व और मोमेंटम के लिए ज़रूरी है। भारत अपना दबदबा बनाए रखने और क्लीन स्वीप करने की कोशिश करेगा, जबकि अफ़गानिस्तान ज़्यादा कॉम्पिटिटिव परफ़ॉर्मेंस देने हार से बचने की कोशिश करेगा।

अशिमता चालिहा दो साल में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के पहले सेमीफाइनल में

मकाउ (वार्ता)। अशिमता चालिहा ने शुक्रवार को मकाऊ ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में दो साल से ज़्यादा समय में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिला सिंगल्स में हिस्सा ले रही, बैडमिंटन रैंकिंग में 63वें नंबर पर मौजूद अशिमता ने मकाऊ ईस्ट एशियन गेम्स डोम में कोरिया गणराज्य की दुनिया की 99वें नंबर की खिलाड़ी किम मिन सन को 37 मिनट में 21-16, 21-18 से हराया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी शनिवार को सेमीफाइनल में एक और दक्षिण कोरियाई शटलर, पार्क गा-यून से भिड़ेंगी। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अशिमता का दूसरा सेमीफाइनल होगा और 2024 थाईलैंड मास्टर्स के बाद पहला होगा। वह कुछ सुपर 100-रेटेड टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, लेकिन रैंकिंग पॉइंट्स मिलने के बावजूद इन्हें बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का हिस्सा नहीं माना जाता है। पहले गेम में करीबी मुकाबले में 14-14 से बराबरी पर होने के बाद, अशिमता चालिहा ने ओपनर खत्म करने से पहले चार पॉइंट्स की अहम बढ़त के साथ कंट्रोल हासिल किया। दूसरे गेम में, अशिमता चालिहा ने शानदार वापसी की, इंटरवल पर 11-5 की कमी को दूर किया। 17-13 से पीछे चल रही भारतीय शटलर ने आखिरी नौ में से आठ पॉइंट्स लेकर मैच अपने नाम कर लिया। शनिवार को सेमी-फ़ाइनल में पहुँचना इस टूर्नामेंट में उनका सबसे मुश्किल दौर होगा। 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर की शुरुआत में चोट के कारण तीन महीने के ब्रेक के बाद, अशिमता मकाऊ ओपन से पहले चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के लगातार क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँचीं। अशिमता चालिहा अब बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में अकेली भारतीय बची हैं, क्योंकि उनकी हमवतन अनमोल खरब क्वार्टर-फ़ाइनल में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना की चौथी सीड हान कियान्क्सी से 14-21, 21-15, 21-13 से हार गईं। मकाऊ ओपन 2026 में भारत की पुरुषों की चुनौती गुरुवार को खत्म हो गई, जब क्वालिफायर से मेन ड्रॉ में जगह बनाने वाले थारुन मन्नेपल्ली और रौनक चौहान प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में बाहर हो गए।

आखिरी मिनटों में दो गोलकर जर्मनी ने भारत को 2-1 से हराया

रॉटरडैम (वार्ता) विश्व चैंपियन जर्मनी ने शुक्रवार को आखिरी मिनटों में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल दाग कर भारत को एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के मुकाले में 2-1 से हरा दिया। जर्मनी के लिए जस्टस वेइगैंड (56वें मिनट) और जैकब ब्रिला (60वें मिनट) में गोल कर अपनी टीम जीत दिलाई। इससे पहले, जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत (जो हॉकी रैंकिंग में आठवें स्थान पर है) को तीसरे क्वार्टर में बढ़त दिलाई थी। मौजूदा एफआईएच हॉकी प्रो लीग में नौ टीमों में से भारत आठवें स्थान पर है; उसने 11 मैचों में से सिर्फ़ एक मैच जीता है। एक और मैच शूटआउट के बाद भारत के पक्ष में रहा, तीन मैच ड्रॉ रहे और बाकी सात में हार मिली। शुक्रवार को भारतीय हॉकी टीम ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की और वर्ल्ड चैंपियन के खिलाफ़ गेम पर अपना कंट्रोल बनाए रखा। एक अनुशासित डिफेंसिव स्ट्रक्चर ने जर्मनी को अटैकिंग एरिया में जगह नहीं दी, जिससे शुरुआती क्वार्टर में उनके मौके सीमित रहे। भारत ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक दबाव के साथ खेल की गति बढ़ाई, जिससे जर्मनी ने कई गलतियां कीं। एक बेहतरीन मूव के बाद अभिषेक गोल करने के सबसे करीब पहुंचे, लेकिन भारत पहले हाफ में मिले अपने सबसे अच्छे मौके को गोल में नहीं बदल सका।

कड़े मुकाबले और गोल करने के कम मौकों के बीच, भारत को आखिरकार 38वें मिनट में सफलता मिली। मैच का अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बाद, जुगराज सिंह ने एक जबरदस्त ड्रैग-फ्लिक से गोल किया और शानदार अंदाज में अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच का जश्न मनाया।

चोटिल श्रेयंका टी-20 विश्व कप से हुई बाहर

लंदन (वार्ता)। भारतीय महिला टीम की ऑफस्पिन-ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल टखने के लिगामेंट की चोट के कारण महिला टी-20 विश्व कप से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह टीम में अनकैप्ड प्रेमा रावत को जगह मिली है। डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल चुकी प्रेमा रावत 20 जून से शुरू हो रही छह मैचों की सीमित ओवर सीरीत में भारत ए दल का हिस्सा थीं। 24 साल की रावत ने भारत ए के लिए खेलते हुए राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप में 4.27 आठ विकेट लिए थे।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (वार्ता) फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया।चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए। इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्जरलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

आज यहां खेले गये ग्रुए ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एपीडा ने इटली के लिए उत्तराखंड की ताज़ा लीची की पहली खेप के निर्यात में की मदद

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत, कृषि एवं पर संस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने इटली के लिए उत्तराखंड की ताज़ा लीची की पहली खेप के निर्यात में मदद की है। मंत्रालय की शुक्रवार को विज्ञप्ति के अनुसार एक टन प्रीमियम लीची की इस खेत का निर्यात 18 जून को देहरादून से किया गया। मंत्रालय ने कहा यह उपलब्धि यूरोपीय बाज़ार में उत्तराखंड की प्रीमियम लीची के प्रवेश को दर्शाती है और भारत के उच्च-गुणवत्ता वाले ताज़े फलों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता को दिखाती है। विज्ञप्ति के अनुसार ताज़ी लीची वाली इस पहली खेप को इटली में किया गया निर्यात उत्तराखंड के बागवानी क्षेत्र की निर्यात क्षमता को दर्शाता है। सरकार को उम्मीद है कि यह खेप अंतरराष्ट्रीय ताज़े फलों के बाज़ार में भारत की मौजूदगी को मज़बूत करेगी और साथ ही हिमालयी क्षेत्र के प्रीमियम उत्पादों को बढ़ावा देगी।यह शिपमेंट एपीडा, उत्तराखंड सरकार, निर्यातक समुदाय, किसान उत्पादक संगठनों (कई एफ पी ओ), लॉजिस्टिक्स फर्मों और अन्य संबंधित पक्षों के आपसी सहयोग से संभव हुआ। यह पहल दिखाती है कि भारतीय कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने में पूरी वैल्यू चेन में सहयोग कितना महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड की लीची का इटली को निर्यात भारत के ताजे फलों के निर्यात के लिए नए बाजार खोजने की दिशा में एक बड़ा कदम है और यह प्रीमियम बागवानी उत्पादों के भरोसेमंद सप्लायर के तौर पर देश की साख को और मजबूत करता है। मंत्रालय ने कहा है कि एपीडा बाजार विकसित करने की पहलों, क्वालिटी सुनिश्चित करने के तरीकों, इंफ्रास्ट्रक्चर में मदद और क्षमता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों के जरिए भारत के कृषि-निर्यात एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है।

चावल, गेहूं में तेजी, दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं में तेजी रही। चीनी की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 21 रुपये बढ़कर 3,913 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं सात रुपये महंगा हुआ और 2,799 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत पांच रुपये उतर गयी। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल नौ रुपये और मसूर दाल पांच रुपये महंगी हुई।

मूंग दाल का भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही स्थिर रहा। चना दाल दो रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 72 रिंगिट चढ़कर 4,645 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.57 प्रतिशत गिरकर 69.70 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

जियो के आईपीओ में 27 करोड़ शेयर होंगे उपलब्ध

मुंबई (वार्ता)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी दूरसंचार कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 27 करोड़ शेयर बिक्री के लिए उपलब्ध करायेगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को आईपीओ के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को मंजूरी प्रदान की और बाद में इसे सेबी के पास जमा कराया गया। इसमें बताया गया है कि जियो प्लेटफॉर्म्स बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होगी। इसमें 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 27 करोड़ शेयर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। कंपनी बताया है कि कम से कम 35 प्रतिशत शेयर खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के लिए और 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। पात्र संस्थागत निवेशकों को अधिकतम 50 प्रतिशत शेयर बेचे जायेंगे। रिलायंस इडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने आज यहां हुई कंपनी की वार्षिक आम बैठक में बताया कि आईपीओ प्रक्रिया का नेतृत्व ईशा, आकाश और अनंत अंबानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था कि जब डाटा और वॉयस महंगा था और डाटा स्पीड कम थी। जियो ने इस पूरे परिप्रेक्ष्य को बदल दिया है। पहले भारत को प्रौद्योगिकी का आयातक माना जाता था, लेकिन जियो के इंजीनियरों ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है। रिलायंस जियो के ग्राहकों की कुल संख्या 31 मार्च 2026 को 52.44 करोड़ थी।

विदेशी मुद्रा भंडार घटा

मुंबई (वार्ता)। स्वर्ण भंडार में भारी गिरावट के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जून को समाप्त सप्ताह में 9.985 अरब डॉलर घटकर करीब सवा साल के निचले स्तर 671.625 अरब डॉलर पर रह गया। यह 28 मार्च 2025 के बाद विदेशी मुद्रा भंडार का न्यूनतम स्तर है।

इसकी मुख्य वजह स्वर्ण भंडार में 10 अरब डॉलर से अधिक की कमी आना है। रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 12 जून को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 10.754 अरब डॉलर घटकर 103.821 अरब डॉलर रह गया।

प्रमुख सूचकांकों में गिरावट, आईटी कंपनियों पर दबाव

मुंबई (वार्ता)। आईटी और बैंकिंग सेक्टर के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में पांच दिन की तेजी के बाद प्रमुख सूचकांक शुक्रवार को गिरावट में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 607.08 अंक (0.78 प्रतिशत) गिरकर 76,802.90 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 154.90 अंक यानी 0.64 प्रतिशत नीचे 24,013.10 अंक पर आ गया। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों छह सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए थे। अमेरिकी शेयर बाजारों में गुरुवार को आईटी कंपनियों में हुई बिकवाली का असर आज घरेलू शेयर बाजारों आईटी सेक्टर पर देखा गया। सेंसेक्स में सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाली चार कंपनियों में सभी आईटी क्षेत्र की हैं। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.42 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटी सेक्टर का सूचकांक 3.65 प्रतिशत गिर गया। रियल्टी, तेल एवं गैस, बैंकिंग, वित्त, ऑटो और एफएमसीजी सेक्टरों में भी गिरावट रही। फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांक बढ़त में रहे। एनएसई में जिन 3,401 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,760 के शेयरों में तेजी और 1,522 में गिरावट रही। अन्य 119 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयरों में गिरावट रही। इंफोसिस का शेयर 6.69 प्रतिशत टूट गया। टीसीएस में 3.53 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 2.74, टेक महिंद्रा में 2.47, एचडीएफसी बैंक में 2.32, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 1.39 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.02 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक का 1.01 प्रतिशत टूट गया। टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स और बीईएल के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। इटरनल का शेयर 2.21 प्रतिशत चढ़ा। भारती एयरटेल में 1.80 फीसदी, पावरग्रिड में 1.32 और एनटीपीसी में 1.04 प्रतिशत की तेजी रही। टाइटन, आईटीसी, ट्रेंट, सन फार्मा, एलएंडटी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी बढ़त में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.28 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि हांगकांग के हैंग सेंग में 1.59 फीसदी और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.43 फीसदी की गिरावट रही।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 20 जून 2026

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन में मध्यप्रदेश ने हासिल की बहुआयामी उपलब्धियां

ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस का हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि अन्तर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस पर इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों की सराहना करती हूं। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश ने जो बहुआयामी उपलब्धियां हासिल की हैं, उसके लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करती हूं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु शुक्रवार को खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने दीप प्रज्वलित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपति का स्वागत किया।

स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा हो गया

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह संतोष की बात है कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मिशन का शुभारंभ करते समय जो अनेक बड़े लक्ष्य देश के सामने रखे गए थे, उनमें से स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा हो गया। मुझे बताया गया है कि नवजात शिशुओं से लेकर 40 वर्ष की आयु तक के 7 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य पूरा हो चुका है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। यह पूरे विश्व में आनुवंशिक रोगों की जाँच-परख की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। राष्ट्रपति ने कहा कि इस उपलब्धि में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में अब तक सवा करोड़ से भी अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इनमें से अधिकांश लोगों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड भी दिये जा चुके हैं।

सरकार ने जो प्रयास किये हैं, वे अत्यंत सराहनीय

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सिकल सेल से जुड़ी चुनौती को भारत सरकार ने बहुत ही गंभीरता से लिया और पिछले कुछ वर्षों में एक समग्र दृष्टि से सरकार ने जो प्रयास किये हैं, वे अत्यंत सराहनीय हैं। लगभग तीन वर्ष पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के शहडोल से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन को लॉन्च किया था। इस पहल के पीछे न केवल सरकार का गंभीर प्रयास का दृढ़ संकल्प था बल्कि इस चुनौती से जुड़े हर आयाम का समुचित रीस्पोनस देने की दूरदर्शी सोच भी थी।

देश में पहली बार ऐसा मिशन प्रारंभ किया

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि मुझे बताया गया है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय के संयुक्त मॉडल के रूप में देश में पहली बार ऐसा मिशन प्रारंभ किया। इसे केवल स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या के रूप में नहीं देखा गया, इसे जनजातीय स्वास्थ्य का मुद्दा, आनुवंशिकता से जुड़ी जागरूकता और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर की चुनौती के साथ ही सामाजिक आचरण में बदलाव के मिशन के रूप में देखा गया। इस मिशन की पृष्ठभूमि में अनेक स्तरों पर किये गये वैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन रहे हैं। भारत में लगभग 2 से 2.5 करोड़ लोग सिकल सेल जीन के वाहक हो सकते हैं। लाखों लोग सक्रिय रोग से पीड़ित हैं। सबसे अधिक प्रभाव मध्य भारत की जनजातीय क्षेत्र में है। अनेक परिवार पीढ़ियों से इस रोग से प्रभावित थे लेकिन उन्हें बीमारी का नाम तक मालूम नहीं था।

राष्ट्रपति ने कहा कि मेरे संज्ञान में लाया गया है कि बहुस्तरीय प्रयासों के क्रम में मध्यप्रदेश में सभी प्रभावित लोगों, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट आधारित जाँच सुविधा को आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर तक विस्तारित किया गया है। गत वर्ष 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चले स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश ने 4 लाख से अधिक महिलाओं की सिकल सेल स्क्रीनिंग का कीर्तिमान स्थापित करके इस समस्या के समाधान हेतु अमूल्य योगदान दिया है। मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर विद्यार्थियों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जा रही है। जनजातीय विद्यार्थियों को भी परामर्श, उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। दूरस्थ एवं दुर्गम जनजातीय क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से निरंतर स्क्रीनिंग की जा रही है।

2047 से पहले ही राष्ट्रीय लक्ष्य में सफल होंगे

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि पिछले वर्ष विश्व सिकल सेल दिवस पर प्रदेश में सिकल मित्र पहल का शुभारंभ किया गया था। इसके अंतर्गत जागरूकता बढ़ाने, रोगियों को सहायता प्रदान करने तथा उन्हें शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए शासकीय एवं गैर शासकीय संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों तथा एनसीसी कैडेट्स को प्रशिक्षित किया गया है। इन सार्थक पहलों के लिए मैं प्रदेश के सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को बधाई देती हूं। मुझे विश्वास है कि सभी प्रदेशों की समेकित शक्ति और सक्रियता से हम वर्ष 2047 से बहुत पहले ही देश से सिकल सेल संबंधी रोगों के उन्मूलन के अपने राष्ट्रीय लक्ष्य में अवश्य सफल होंगे। देश में जनजातीय समुदाय की सबसे बड़ी संख्या मध्यप्रदेश में है।

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सम्मान

विदेश मंत्रालय द्वारा दिया गया मध्यप्रदेश पुलिस को 'इंस्टीट्यूशनल परफॉर्मेंस अवार्ड'

भोपाल (स्वतंत्र मत)

नागरिक सेवाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस के निरंतर प्रयासों को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन के प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश पुलिस को 5 लाख से कम पासपोर्ट आवेदन श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। विदेश मामलों के माननीय मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा 19 जून 2026 (शुक्रवार) को सीबी मुथम्मा हॉल , सी विंग, जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश पुलिस को वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इंस्टीट्यूशनल परफॉर्मेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व उप पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था तरूण नायक एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा सुरक्षा रश्मि मिश्रा ने किया। इस उपलब्धि के लिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के सभी जिलों, विशेष शाखा, पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी मध्यप्रदेश पुलिस के सामूहिक प्रयासों, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच कुल 3लाख 35हजार 647 पासपोर्ट सत्यापनसमयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण तरीके से संपादित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पुलिस ने पिछले वर्ष भी पहली बार यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किया था और अब लगातार दूसरे वर्ष यह उपलब्धि अर्जित कर प्रदेश पुलिस ने अपनी कार्यकुशलता, जवाबदेही और नागरिक सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों, समयबद्ध सत्यापन प्रक्रिया तथा तकनीक आधारित कार्यप्रणाली का परिणाम है।

शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं देवी भागवत कथा का होगा भव्य शुभारंभ

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के प्रतिष्ठित सब्जी आढ़तिया गिरीश खटीक द्वारा संकल्पित एवं आयोजित शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा, लक्ष्यार्चन एवं श्रीमद् देवी भागवत कथा पुराण महाआयोजन का शुभारंभ शनिवार 20 जून से होने जा रहा है। आयोजन के प्रथम दिन नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन समिति के अनुसार कलश यात्रा सुबह 11 बजे चंडीजी मंदिर से प्रारंभ होगी। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रतन बजरिया, बड़ा बाजार, थाना मंदिर चौराहा, राय चौराहा, तीनबत्ती तिगड्डा एवं अग्रवाल पेट्रोल पंप मार्ग से गुजरकर कथा स्थल पर पहुंचेगी, जहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ इसका समापन होगा।

चाय पीने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्य बीमार

दमोह (स्वतंत्र मत)

जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आंजनी बेलखेड़ी में गुरुवार रात चाय पीने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्य बीमार हो गए। इनमें पिता और उनके दो बच्चे शामिल हैं। तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। बीमार होने वालों में पुस्सु पटेल 45 वर्ष बेटी शिवानी पटेल 17 वर्ष और बेटा महेंद्र पटेल 13 वर्ष शामिल हैं। चाय पीने के कुछ देर बाद ही उन्हें अचानक उल्टियां शुरू हो गईं। पीड़ित परिवार अपने साथ चायपत्ती का पैकेट भी अस्पताल लेकर आया था। रिश्तेदार मंगल पटेल ने बताया कि उनके साढ़ू भाई पुस्सु पटेल रात में जंगल से घर लौटे थे। उन्होंने बेटी शिवानी से चाय बनाने को कहा। शिवानी ने चाय बनाई, चाय पुस्सु, शिवानी और महेंद्र तीनों ने पी। चाय पीने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उल्टियां शुरू हो गईं। पुस्सु ने मंगल पटेल को फोन कर घटना की जानकारी दीए जिसके बाद मंगल तीनों को बटियागढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले गए। बटियागढ़ स्वास्थ्य केंद्र से उन्हें दमोह जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने तीनों का इलाज किया लेकिन पुस्सु की हालत अधिक गंभीर होने के कारण सभी को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। ड्यूटी डॉ. ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने बताया कि यह संभवतः फूड प्वाइजनिंग का मामला है। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जबलपुर रेफर कर दिया गया है और मामले की सूचना पुलिस को गई है।

खेती को सुरक्षित और लाभकारी बनाए रखना है तो प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा : राज्यमंत्री पटेल

किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत मानस भवन में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। कीटनाशकों एवं रसायनों के अत्यधिक प्रयोग के कारण खेतों में पाए जाने वाले मित्र कीट एवं पक्षियों की संख्या तेजी से घट रही है, पहले खेतों में बड़ी संख्या में पक्षी दिखाई देते थे जो अब विलुप्त होने की कगार पर हैं। रासायनिक खेती का दुष्प्रभाव केवल पर्यावरण पर ही नहीं बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। लगातार बढ़ते कीटनाशक एवं खरपतवारनाशी के उपयोग से भूमि की उर्वरता कम होने तथा भविष्य में जमीन के बंजर होने का खतरा बढ़ रहा हैए इस आशय की बात प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने मानस भवन में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में कही।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने किसानो से कहा प्राकृतिक खेती, जैविक उपायों एवं परंपरागत कृषि पद्धतियों को अपनाना चाहिए क्योंकि रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से खेती की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है तथा मिट्टी की उर्वरक क्षमता लगातार कम होती जा रही है, उन्होंने कहा आधुनिक खेती में रसायनों और दवाइयों पर अत्यधिक निर्भरता ने कृषि को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने किसानों से जीवामृत एवं अन्य प्राकृतिक उपायों को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा यदि खेती को सुरक्षित और लाभकारी बनाए रखना है तो प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्वलो खेत की ओर आह्वान का उल्लेख करते हुए खेती को बचाने और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किए जाने की बात भी कही। उन्होने कहा सरकार किसानों की आय बढ़ाने एवं बेहतर उत्पादन के लिए लगातार प्रयासरत है, लेकिन टिकाऊ खेती के लिए प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। किसानों से रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर पर्यावरण अनुकूल कृषि की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया ने प्राकृतिक खेती को समय की आवश्यकता बताया।

मुहराई ग्राम में करंट लगने से भैंस की मौत

हटा। गैसाबाद थाना क्षेत्र के मुहराई ग्राम में शुक्रवार सुबह एक भैंस की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने विद्युत विभाग की लापरवाही को इसका कारण बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मुहराई निवासी दीनदयाल गुड़ारे की भैंस सुबह गांव के पास करंट की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में बिजली लाइन एवं विद्युत उपकरणों के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अचल संपत्ति, स्थित गंगानगर, गढ़ा, जबलपुर, मौजा पुरवा, प.ह.नं. 28/33, रा.नि. मंडल जबलपुर - 1, तहसील एवं जिला जबलपुर, खसरा नं. 185/2 (नामांतरण उपरांत 185/2/10), रकबा 25' X 50'= 1250 वर्गफुट, से संबंधित हक त्यागपत्र का मूल दस्तावेज (पंजीयन दिनांक 04.03.2016, ई-पंजीकरण कमांक Mp182552016 A1124333) मार्च -जून 2026 के दौरान कहीं गुम हो गया है, जिसकी सूचना संबंधित थाने में दर्ज करा दी गई है। उक्त संपत्ति पर मेरा पूर्ण एवं वैध स्वामित्व है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त दस्तावेज प्राप्त हो अथवा उक्त संपत्ति पर कोई दावा/ आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर निम्न पते पर लिखित रूप से सूचित करें, अन्यथा उसके पश्चात् प्राप्त किसी भी दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्रीमती सिया रानी ठाकुर
डी- ब्लॉक, फ्लैट नं. 304, आयुषी पाम ग्रीन अपार्टमेंट, गंगानगर, गढ़ा जबलपुर (म.प्र.)
मो.-9009437888

डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल आज प्रदेश को देंगे विकास की 2 बड़ी सौगातें

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल शनिवार, 20 जून को इंदौर जिले के सांवेर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 42 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों को 2 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की आवास स्वीकृतियां तथा 38 हजार से अधिक परिवारों को उनके नवीन पक्के आवासों में गृह-प्रवेश कराया जाएगा। साथ ही 2 हजार 935 करोड़ रुपये लागत की 48.10 किलोमीटर लंबी महत्वाकांक्षी इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन परियोजना का भूमि-पूजन भी करेंगे। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प तथा सभी पात्र परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यायालय परिसर में हथियार लिये आरोपी गिरफ्तार

दमोह। न्यायालय परिसर में अवैध हथियार लिये आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि न्यायालय परिसर दमोह में कुछ लड़के अवैध हथियार लिये खड़े है जो मामले मे गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आनंद कलागी के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक सुजीत सिह भदौरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक एचआर पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए टीम रवाना कर मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर 4 व्यक्तियो को पकड़ा गया। पुलिस टीम द्वारा विधिवत तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 3 बटनदार चाकू, 1 देशी पिस्टल मय 2 कारतूस के जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

प्रदेश का सर्वांगीण विकास ही शासन का संकल्पः डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने इंदौर में किया सड़क निर्माण कार्य का किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित लोकार्पण व भूमि-पूजन कार्यक्रम में कहा है कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है और उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इंदौर ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वच्छता अभियान में इंदौर ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवधि में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि के प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिली है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में विकास के विभिन्न मानकों पर निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को विकास का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर के जोन क्रमांक 8 के वार्ड क्रमांक 37 में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क विकास कार्य और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य का आज रिमोट से भूमि-पूजन कर शुभारंभ किया। इसमें सड़क निर्माण कार्य की लागत 13.26 करोड़ और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य की लागत 2.64 करोड़ रुपए है। यह सड़क लगभग 1.30 किलोमीटर लंबी एवं इन्दौर विकास योजना-2021 के अनुसार 30 मीटर चौड़ाई में निर्मित होगी। परियोजना अंतर्गत सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण, सीवर चैम्बरों का सुदृढ़ीकरण, फुटपाथ निर्माण तथा विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्य किए जाएंगे। सड़क के निर्माण से तुलसी नगर, निपानिया, अंकुर आंगन, राजाराम ऐवेन्यु तथा महालक्ष्मी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के रहवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी और नागरिकों को बेहतर एवं नई कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी।

बटियागढ़ में आलू से भरा 14 चक्का ट्रक पलटा

दमोह (स्वतंत्र मत)। बटियागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत नीमन तिराहा पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। आगरा से आलू लादकर जबलपुर जा रहा एक तेज रफ्तार 14 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई लेकिन गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना में ट्रक के चालक और परिचालक को मामूली चोटें आई हैं।

आवश्यकता

इंग्लिश मीडियम प्रायमरी मिडिल कक्षाओं हेतु एवं हिन्दी मीडियम हायर सकेण्डरी कक्षाओं हेतु कामर्स आई पी शिक्षिकाओं की आवश्यकता है।

साक्षात्कार
दिनांक 21/6/2026
समय- सुबह 9 बजे
स्थान-दर्सगाह इस्लामी हायर सेकेण्डरी स्कूल अन्सार नगर गोहलपुर, जबलपुर
मो. 9301889391

नाम सुधार सूचना

मैं मदीना बेगम पति आलिम अंसारी, उम्र 53 वर्ष, निवासी- 781. मक्का नगर, आनंद नगर गली नं.6. संजय गाँधी वार्ड, अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) - 482004 (आधार नं. 6052 75896904) का शपथपूर्वक निम्न कथन करती हूँ, कि 1. यह कि, मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ व जन्म से भारतीय नागरिक हूँ। 2. यह कि में भारतीय पासपोर्ट क्रं. M5661784 की धारक हूँ, जो कि पासपोर्ट में अंग्रेजी अक्षर में लिखे मेरे नाम की स्पेलिंग त्रुटिपूर्ण MADEENA BEGUM दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड सहित व अन्य दस्तावेजों में मेरे अंग्रेजी में अंकित नाम की सही स्पेलिंग MADINA BEGUM दर्ज है। 3. यह कि MADEENA BEGUM एवं MADINA BEGUM दोनों एक ही व्यक्ति यानि मुझ शपथकर्ता के ही नाम हैं में दोनों ही नामों से जानी व पहचानी जाती हूँ। 4. यह कि, मेरा अंग्रेजी अक्षर में वर्णित सही नाम MADINA BEGUM (मदीना बेगम) लिखा, पढ़ा. माना व अंकित किया जावे।

शपथकर्ता
मदीना बेगम

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कामधेनु नगर पनागर जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक ई. डब्ल्यू.एस.- 158 श्री राम जी दुबे पिता श्री पीताम्बर दुबे के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 23.09.2023 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री राम जी दुबे पिता श्री पीताम्बर दुबे के द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 15.10.2024 के माध्यम से श्रीमती शांति बाई मुडिया पति श्री टेक सिंह मुडिया को विक्रय किया है । श्रीमती शांति बाई मुडिया पति श्री टेक सिंह मुडिया द्वारा उक्त भवन स्वयं के नाम करने हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में लीज हस्तांतरण हेतु प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उक्त सम्पत्ति के लीज हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नही होगा ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका, जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG II 138 श्री शिवकुमार बैरागी पिता स्व. श्री गुलाबदास बैरागी के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 18.05.1999 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री शिवकुमार बैरागी पिता स्व. श्री गुलाबदास बैरागी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 04.07.2006 के माध्यम से श्रीमती चंदा अग्रवाल पति डॉ. बी.के. अग्रवाल को विक्रय किया है। अतः श्रीमती चंदा अग्रवाल पति डॉ. बी.के. अग्रवाल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

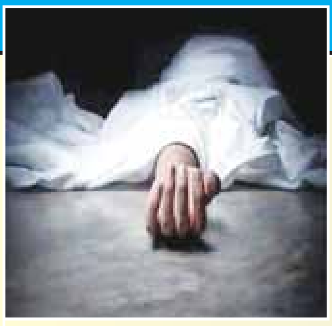

नदी में पत्थरों के बीच फंसा मिला युवक का शव

गौर चौकी की घटना, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत चौकी गौर में दलबीर सिंह बहादूर उम्र 45 साल निवासी ग्राम पोस्ट किसलपुरी थाना डिण्डोरी जिला डिण्डोरी ने सूचना देकर बताया कि उसका भतीजा गुरुतेज बहादूर शाह उम्र 21 वर्ष सेंट एलायसिस हॉस्टल एकता मार्केट गौर थाना बरेला से बिना बताये कही चला गया था। जिसकी गुमने की रिपोर्ट कराई थी । शुक्रवार को वह अपने गुमशुदा भतीजे की गुरुतेज बहादूर शाह की तलाश करते रहे। तलाश दौरान भतीजे गुरुतेज बहादुर शाह का शव अनुपम श्रीवास्तव फार्म हाऊस जमतरा के सामने नर्मदा नदी के बीच पानी में पत्थर के पास मिला है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का नगर आगमन आज

संभागायुक्त-कलेक्टर ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

जबलपुर। आज 20 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जबलपुर प्रवास के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों का शुक्रवार को संभागायुक्त धनंजय सिंह एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने निरीक्षण किया। संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित किये जा रहे 36वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों का भी जायजा लिया।

नर्सिंग फर्जीवाड़ाः सीबीआई जांच में सूटेबल पाए गए कॉलेजों की परीक्षाओं को मिली हरी झंडी

बहुतचर्चित जनहित याचिका मामले में मप्र हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नर्सिंग फर्जीवाड़ा मामले में शुक्रवार को मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद पाठक एवं जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की गई। नर्सिंग कौंसिल की ओर से हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों के लंबित परीक्षाएं कराने और परीक्षा परिणाम घोषित करने की अनुमति मांगी थी, वही याचिकाकर्ता ने मामले में सीबीआई जांच में अनस्टेबल पाये गए कॉलेजों की परीक्षाओं पर आपत्ति ली। दोनों पक्षों की बहस के उपरांत मप्र हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल को शैक्षणिक सत्र 2022-23 के प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित करने की अनुमति दे दी है। इसके अतिरिक्त, काउंसिल को शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लगभग 9000 छात्रों के लिए तृतीय वर्ष की परीक्षा आयोजित करने की भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

सीबीआई ने की थी जांच

मप्र हाईकोर्ट ने यह राहत सिर्फ सीबीआई जांच के दायरे में आए कुल 695 नर्सिंग कॉलेजों में से सूटेबल पाए गए 156 कॉलेज सहित, अपनी कमियों को दूर कर सूटेबल का दर्जा पाने वाले 89 कॉलेजों को दी है । हाईकोर्ट ने इन उपयुक्त और कमियां दूर करने वाले कॉलेजों के लिए परीक्षा प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि शेष बचे हुए अन्य कॉलेजों से संबंधित परीक्षाओं के आयोजन पर फिलहाल रोक रहेगी। इस निर्णय से जहां एक ओर हजारों योग्य छात्रों को बड़ी राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर मानकों को पूरा न करने वाले संस्थानों पर न्यायालय का कड़ा रुख बरकरार है। मामले में पैरवी हेतु एड आलोक वागरेचा एवं याचिकाकर्ता विशाल बघेल स्वयं उपस्थित रहे। दूसरी ओर शासन की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने पैरवी की।

पार्षद को राहत, प्लॉट में यथास्थिति बनाए रखने ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट द्वारा पं. भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड स्थित प्लॉट क्रमांक-1, डायवर्सन प्लॉट क्रमांक-193, डायवर्सन शीट क्रमांक-73 के संबंध में नगर निगम को किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने से अगली सुनवाई तक रोक लगाने का आदेश पारित किया गया है। इससे पार्षद अयोध्या तिवारी एवं अन्य प्रभावित पक्षों को महत्वपूर्ण राहत प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि दिनांक 15 मई को मप्र हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए नगर निगम, जबलपुर को निर्देशित किया था कि उक्त भूमि की जांच की जाए तथा यह निर्धारित किया जाए कि वह शासकीय भूमि है अथवा नहीं। यदि जांच में भूमि पर अतिक्रमण पाया जाता है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाए। यह आदेश अमित कुमार जैन द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर पारित किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्लॉट क्रमांक-1 पर अतिक्रमण कर निर्माण किया गया है। सुनवाई के दौरान जांच प्रतिवेदन की प्रति न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि प्लॉट क्रमांक-1, रकबा 17,118 वर्गफुट भूमि, नगर निगम के स्वामित्व की भूमि है। प्रकरण पर सुनवाई के उपरांत मप्र हाईकोर्ट जबलपुर ने दिनांक 19 जून को आदेश पारित करते हुए उक्त प्लॉट के संबंध में नगर निगम को किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने से रोक दिया तथा यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान अन्य इंटरवीनर्स की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, अधिवक्ता अमन डाबरा, भारद्वीप सिंह, हितेन्द्र विश्वकर्मा एवं सोनल पटेल भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने अपना पक्ष प्रभावी रूप से रखा।

बस-कार में भीषण टक्कर, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर हुआ हादसा, कई घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर जबेरा थाना क्षेत्र के पुरनयाऊ गांव के पास शुक्रवार शाम बस और कार के बीच भीषण भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ जब कटनी से सागर की तरफ जा रही एक कार सड़क पर आए एक गड्ढे को बचाने की कोशिश में अचानक अनियंत्रित हो गई। संतुलन बिगड़ने के कारण कार सामने से आ रही यात्री बस (जो दमोह से जबलपुर की ओर जा रही थी) से सीधे जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए, वहीं बस का भी अगला पहिया निकल गया।

घायलों को जबलपुर किया रेफर- मृतकों में तीनों लोग शाहगढ़ के रहने वाले थे, जिनकी पहचान अखिलेश प्रजापति, मुकेश प्रजापति और माया प्रजापति के रूप में हुई है। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। वहीं इस हादसे में कार चालक राशिद खान और रीना प्रजापति गंभीर रूप से घायल हुए हैं। टक्कर के बाद कार में फंसे सभी पांचों लोगों को जबेरा थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान और पुलिस टीम ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला, लेकिन तब तक तीन लोग दम तोड़ चुके थे। घायलों की हालत इतनी नाजुक थी कि वे कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थे। जबेरा स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायलों के साथ उनका कोई परिजन मौजूद नहीं था, जिसके चलते संवेदनशीलता दिखाते हुए पुलिस ने अपने स्टाफ को घायलों के साथ जबलपुर भेजा है, ताकि उनका इलाज समय पर शुरू हो सके। हादसे की खबर मिलते ही दमोह के पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस बड़ी घटना के बाद एसपी के निर्देश पर पूरे जिले में वाहनों की सघन चेकिंग शुरू कर दी गई है, जिसके तहत नियमों का उल्लंघन करने वाली कई यात्री बसों पर चालानी कार्रवाई भी की गई। हादसे को लेकर थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अवैश शराब के विरोध में सड़कों पर उतरी दर्जनों महिलाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मझौली विकासखंड के जमुनिया गांव में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकजुट होकर स्थानीय थाने का घेराव किया और थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्यवाही की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से अवैध शराब का निर्माण और धड़ल्ले से बिक्री की जा रही है। उनका कहना है कि इससे सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो रहा है और कई परिवार आर्थिक तंगी, घरेलू हिंसा तथा मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं। महिलाओं ने विशेष रूप से चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस अवैध धंधे के कारण गांव की नई पीढ़ी बुरी तरह नशे के दलदल में धंसती जा रही है। उन्होंने बताया कि जहां वे चाय पीती हैं, वहीं गांव के कम उम्र के लड़के शराब पीने लगे हैं, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नशामुक्त गांव, सुरक्षित समाज के नारों के साथ ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं और गांव में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पनागर थाने में ज्ञानेन्द्र पटेल उम्र 39 वर्ष निवासी छोटी खेरमाई मंदिर के पास पनागर ने सूचना देकर बताया कि वह अपने घर पर आराम कर रहा था । दोपहर को पड़ौसी शंकर पटैल चिल्लाया कि मेरा लडका आनंद पटेल घर के बाहर परछी में पंखे के कुंदा से साड़ी से फांसी लगाकर खत्म हो गया हैं। उसने जाकर देखा ज्ञानेन्द्र पटेल का बेटा आनंद पटेल उम्र 30 वर्ष फांसी लगाकर खत्म हो गया है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने प्रतियोगिताओं का आयोजन

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में राष्ट्रीय पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री दिवस पर आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा राष्ट्रीय पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री दिवस के अवसर पर 18 एवं 19 जून को विभिन्न शैक्षणिक एवं जागरूकता आधारित प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए पिन द राइट बिन (बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट प्रतियोगिता) मिथ वर्सेस फैक्ट्स क्विज प्रतियोगिता एवं एक्सटेम्पोर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में स्नातक एवं इंटर्न विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पिन द राइट बिन प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों को बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के प्रति जागरूक किया गया, जबकि मिथ वर्सेस फैक्ट्स क्विज द्वारा मौखिक स्वास्थ्य, तंबाकू सेवन, आहार संबंधी भ्रांतियों एवं वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जन स्वास्थ्य एवं मौखिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए।

विजेताओं मिले पुरस्कार- कार्यक्रम के समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावनी के मार्गदर्शन, प्राचार्य डॉ. रोहित मिश्रा के संरक्षण तथा पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. एम्बेटी श्रीकांत के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभाग के संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल समन्वयन डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. आशा कुमारी एवं डॉ. अविनाश बोस द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय प्रबंधन एवं अन्य विभागों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

ट्रैक्टर ना हटाने की बात पर घोंपा चाकू

जबलपुर। गोसलपुर थाने में घायल को उपचार हेतु शासकीय अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर करने की सूचना पर मेडिकल कॉलेज पहुंची पुलिस को शिशुपाल सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी टिकरिया गोसलपुर ने बताया कि वह मजदूरी करता है। वह ट्रैक्टर लेकर खेत से घर जा रहा था शाम को केवलारी फाटक पास पहुंचा फाटक बंद से वाहन खड़े थे उसने अपना ट्रैक्टर खड़ा किया । तभी पीछे मोटर साइकिल से अक्षय माना अपने 2 साथियों के साथ आकर उसके ट्रैक्टर के पीछे खड़ा हो गया तथा तीनों गाली गलोज करते हुये उसे ट्रैक्टर हटाने के लिये कहने लगे। उसने कहा कि फाटक खुलने पर ट्रैक्टर हटा लेगा। इसी बात पर तीनों उसे पकड़कर ट्रैक्टर से नीचे उतारकर मारपीट करने लगे अक्षय माना ने चाकू निकालकर जान से मारने की नियत से चाकू से हमलाकर उसके पेट में चोट पहुंचा दी।

मोबाइल छीनकर फरार हुए बाइक सवार लुटेरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंट थाने में शालू मिश्रा उम्र 22 वर्ष निवासी पाण्डे अस्पताल के बाजू बेलबाग ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह ग्लेमर जोन कास्टमेटिक शॉप एवं जनरल स्टोर में सेल्स गर्ल का काम करती है। दोपहर के समय वह ऑटो से रोज की तरह आई और पुल नम्बर 2 के पास उतर गई और वहां से पैदल सदर आने के लिये निकली थी। इसी बीच बिना नम्बर की स्कूटी मे 2 लड़के आये और उसके हाथ में रखा मोटारोला कम्पनी का मोबाइल उसके हाथ से छीनकर एम्पायर तिराहा तरफ भाग गये।

री-नीट परीक्षाः परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने बसें रहेंगी मौजूद, इधर रेलवे ने बदला ट्रेनों का समय

21 जून को शहर के 23 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी री-नीट परीक्षा 2026

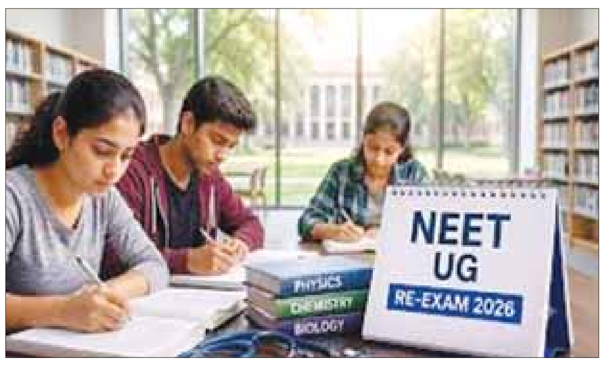

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा रविवार 21 जून को आयोजित री नीट परीक्षा 2026 के लिये जबलपुर जिले में 23 केंद्र स्थापित किये गये हैं। इनमें से तीन परीक्षा केंद्र ऐसे हैं जिनकी दूरी शहर से कुछ अधिक है। जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिये ऐसे परीक्षा केंद्रों तक पेमेंट बेसिस पर दो-दो बसों के संचालन की व्यवस्था की है। री-नीट की परीक्षा रविवार 21 जून की दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक होगी। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर से दूर जिन तीन परीक्षा केन्द्रों तक जाने के लिए पेमेन्ट बेसेस पर बस परिवहन की व्यवस्था की गई है, उनमें समाधि रोड बरबटी स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के लिये रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से एक बस सुबह 10.30 बजे और दूसरी सुबह 11.30 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर के पास ग्राम मंगेली स्थित परीक्षा केंद्र शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय के लिये मेडिकल कॉलेज तिराहा जबलपुर से एक बस सुबह 10.30 बजे एवं दूसरी सुबह 11.30 बजे रवाना होगी। डुमना एयरपोर्ट रोड स्थित परीक्षा केंद्र राज्य होटल प्रबंधन संस्थान के लिये रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर.एक से भी एक बस सुबह 10.30 बजे और दूसरी बस सुबह 11.30 बजे रवाना होगी।

कई ट्रेनों के समय और रूट में हुआ बदलाव

इसी प्रकार पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा 21 जून को आयोजित होने वाली नीट पुनर्परीक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षार्थियों और यात्रियों की सुविधा के लिए कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव तथा कुछ ट्रेनों के मार्ग में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 22188 अधारताल-रानी कमलापति इंटरसिटी सुपरफास्ट ट्रेन का निर्धारित प्रस्थान समय 16.15 बजे है। अब यह ट्रेन अपने परिवर्तित समय 18.00 बजे प्रस्थान करेगी। अर्थात यह ट्रेन 01 घंटे 45 मिनट की देरी से चलेगी। गाडी संख्या 22189 जबलपुर-रीवा इंटरसिटी एक्सप्रेसट्रेन का निर्धारित प्रस्थान समय 17.05 बजे है। अब यह ट्रेन अपने परिवर्तित समय 18.30 बजे प्रस्थान करेगी। अर्थात यह ट्रेन 01 घंटे 25 मिनट की देरी से चलेगी। गाड़ी संख्या 19013 भुसावल-कटनी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 20 जून को अपने प्रारम्भिक स्टेशन भुसावल से प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए अपने गंतव्य स्टेशन कटनी को विस्तारित करते हुए अब यह ट्रेन 21 जून 2026 को सतना स्टेशन पर समाप्त होगी। अर्थात इस ट्रेन के मार्ग को सतना तक बढ़ाने की अनुमति दी गई है। गाडी संख्या 19014 कटनी-भुसावल एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 21 जून को अपने प्रारम्भिक स्टेशन कटनी के बजाय अब यह ट्रेन सतना रेलवे स्टेशन से समय सायं 19.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा यह मध्य रात्रि रात 00.30 बजे कटनी होते हुए निर्धारित मार्ग से भुसावल पहुंचेगी। कटनी और सतना के बीच आने वाले प्रत्येक स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव प्रदान किया जाएगा ताकि यात्रियों को आवागमन में कोई असुविधा न हो।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**